आरोग्य पथ

मासिक ई-पत्रिका

वर्ष–3, अंक–09 सितम्बर, 2024

महन्तद्वय

प्रातः स्मरणीय ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ और राष्ट्रसंत महन्त अवेद्यनाथ जिन्हें जनमानस ने महन्तद्वय की संज्ञा प्रदान किया है । दोनों संतों को नाथ संप्रदाय के साथ-साथ भारतीय राजनीति, सामाजिक, धार्मिक और शिक्षा के क्षेत्र में अद्वितीय योगदान के लिए जाना जाता है। सन्त अवतरित होते है, ये सिद्ध करता हैं कि कहां राजस्थान में उदयपुर के कांकरवा (मेवाड़) में राजपूत परिवार जन्मे आठ वर्ष के नान्हू नाम के बालक को एक नाथ योगी को सौंपा जाता है और वह गोरक्षनाथ मंदिर में पहुंच कर नाथ योगियों के साथ पोषित होकर महन्त दिग्विजयनाथ से प्रसिद्ध होते हैं। जिनके अन्दर एक सन्त के साथ-साथ राष्ट्र भक्ति की परम पवित्र ज्वाला भी भड़क रही थी। वह ज्वाला भड़के भी क्यों न सिराओं में मेवाड़ी खून जो दौड़ रहा था। इसी कारण उन्होंने महात्मा गांधी के द्वारा चलाए जा रहे असहयोग आंदोलन से जुड़े और आन्दोलन को एक अच्छी खासी गति प्रदान की, लेकिन पुलिस के द्वारा शांतप्रिय प्रदर्शकारियों पर अंधाधुंध फायरिंग करने पर प्रदर्शनकारियों ने पुलिस थाने में आग लगा दी जिसमें दो दर्जन पुलिस वाले जल मरे। इस घटना को चौरी चौरा काण्ड के नाम से जाना जाता है। जनश्रुतियों के अनुसार इसके पीछे नान्हू सिंह ही थे। जो बाद में महन्त दिग्विजय नाथ के नाम से प्रसिद्ध हुए। कुछ समय के बाद ही कांग्रेस के द्वारा तुष्टिकरण की नीति के कारण नाथ जी का कांग्रेस से मोहभंग हो गया और वीर सावरकर से मिलकर इन्होंने हिंदू महासभा से जुड़ कर इसे पुनर्जीवित किया और संयुक्त प्रान्त में पार्टी के प्रमुख हो गए। 1967 में वे गोरखपुर से सांसद भी चुने गए। नाथ संप्रदाय का प्रभाव इस तरह था कि नाथ जी न केवल गोरखनाथ मन्दिर को सुदृढ़ किया। बल्कि इनके नेतृत्व के कारण ही पूरे भारत वर्ष के साथ-साथ देश विदेश में फैले नाथ संप्रदाय का केंद्र गोरखनाथ मन्दिर हो गया। आज गोरक्षनाथ मंदिर हिन्दू संस्कृति का केंद्र है तो, यह दिग्विजयनाथ जी के दूरदृष्टि और प्रयासों का ही परिणाम है। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद शिक्षा के क्षेत्र में जो अतुलनीय कार्य कर रहा है इसके पीछे-पीछे नाथ जी की शिक्षा एवं गुरु भक्ति का एक अद्भुत उदाहरण है।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की स्थापना कर महंतजी ने गोरखपुर के शैक्षणिक जगत् में एक क्रांति सी पैदा कर दी। इस परिषद के तत्वावधान में प्रारम्भिक शिक्षा से लेकर उच्चतम शिक्षा प्रदान करने तक की व्यवस्था हुई। विद्यार्थी जीवन में अपने शिक्षा-गुरु के प्रति उनके मन में जो श्रद्धा और आदर का भाव था, उसी के निर्वाह के लिए उन्होंने इतने बडे संस्था की स्थापना कर डाली। यह वस्तुतः उनके स्वाभिमान और गुरुभक्ति का सच्चा उदाहरण है। आज महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के अन्तर्गत महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय समेत चिकित्सा, इंजीनियरिंग सहित अन्य विषयों से संबंधित चार दर्जन से अधिक विद्यालय और महाविद्यालय कार्य कर रहे हैं। महन्त दिग्विजयनाथ जितने अच्छे शिष्य थे उतने ही अच्छे गुरु भी सिद्ध हुए उन्होंने अपना उत्तराधिकारी भी एक दिव्य ज्योति आभा मण्डल से प्रकाशित, बचपन से ही अध्यात्म पथ पर अग्रसर, जिन्हें स्थुल बुद्धि और दृष्टि से न जाना जा सके ऐसे तपोनिष्ठ योगी, हृदय से, किशोर संत कृपाल सिंह को नया नाम अवेद्यनाथ देकर बनाया। 'यथा नाम्ना तथा गुणाः' की उक्ति को चरितार्थ करते हुए ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज सचमुच अवेद्य अर्थात गुणातीत एवं वर्णनातीत थे। ऋषिकेश, हरिद्वार तथा वाराणसी से शास्त्री, विद्या वारिधि एवं विद्या विशारद की उपाधि से विभूषित ब्रह्मलीन महन्त जी महाराज वेदान्त-दर्शन एवं योग-दर्शन के असाधारण तत्वज्ञानी थे। भगवद्गीता के मर्मज्ञ होने के साथ ही आप मानवहित, परोपकार, सामाजिक समरसता एवं अस्पृश्यता उन्मूलन के महानायक थे। राम मन्दिर आन्दोलन की अध्यक्षता धार्मिक तथा आध्यात्मिक ब्योम पर अपनी कीर्ति पताका लम्बे काल तक फहराने वाले ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ जी की राजनीतिक पारी भी बड़ी ही शानदार रही। उनका स्पष्ट मानना था कि हिन्दू एवं हिन्दुस्थान के उत्थान हेतु सन्त को भी राजनीति का वरण अवश्य करना चाहिए। आप पांच बार उत्तर प्रदेश विद्यानसभा के सदस्य और चार बार भारत की लोकसभा के सदस्य रहे एवं विभिन्न अवसरो पर संसद तथा विधानसभा मे अपनी आवाज बुलन्द करते रहे। सन् 1969 से लेकर सन् 2014 तक गोरक्षपीठाधीश्वर के रुप में 45 वर्षो का दीर्घकालीन कार्यकाल आपकी बौद्धिक, मनोवैज्ञानिक एवं व्यावहारिक धरातल पर समन्वयवादी सोच का जीवन्त दस्तावेज है। उद्गार एवं आचरण मे एकरुपता ही महन्त जी की पहचान थी। गोरखनाथ मन्दिर, गोरखपुर ने ब्रह्मलीन महन्त जी महाराज के नेतृत्व में शिक्षा, चिकित्सा तथा अन्य सामाजिक सरोकारो का जो आयाम स्थापित किया है वह अत्यन्त ही प्रशंसनीय एवं अनुकरणीय है। नाथपंथ के परमाचार्य होते हुए भी आप में पंथिक संकीर्णता लेश मात्र भी नही थी। हिन्दू धर्म के सभी सम्प्रदायों/उपसम्प्रदायों एवं पंथो के प्रति महन्त जी के हृदय में अपार सम्मान था।

प्रकाशकः– महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

आरोग्य धाम, बालापार रोड, सोनबरसा, गोरखपुर, 273007

आरोग्य पथ
मासिक ई-पत्रिका

सितम्बर माह विशेष

गणेश चतुर्थी

गणेश चतुर्थी हिंदुओं का एक प्रमुख त्योहार है जो भगवान गणेश के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है। यह त्योहार भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी को मनाया जाता है। इस दिन लोग भगवान गणेश की मूर्ति स्थापित करते हैं और उन्हें विधि-विधान से पूजते हैं। गणेश चतुर्थी का त्योहार भारत के कई हिस्सों में मनाया जाता है, लेकिन महाराष्ट्र में इसे बड़े धूमधाम से मनाया जाता है। इस दिन लोग अपने घरों को सजाते हैं, नए कपड़े पहनते हैं और मिठाइयां खाते हैं। गणेश चतुर्थी को एक खुशी का त्योहार माना जाता है।

गणेश चतुर्थी का त्योहार हिंदू धर्म में बहुत महत्व रखता है। भगवान गणेश को विघ्नहर्ता कहा जाता है, यानी वे सभी बाधाओं को दूर करते हैं। इसलिए, इस दिन लोग भगवान गणेश की पूजा करते हैं ताकि उन्हें नई शुरुआत में सफलता मिले। गणेश चतुर्थी का त्योहार एकता और भाईचारे का भी प्रतीक है।

गणेश चतुर्थी के दिन लोग अपने घरों में और समुद्र किनारे पर महाराष्ट्र में गणपति प्रतिमा की विसर्जन का आयोजन करते हैं। इस प्रक्रिया के दौरान, लाखों लोग उन्हें समुद्र में ले जाते हैं, जिससे उनका मानना होता है कि भगवान गणेश अपने लोक आगमन के लिए विसर्जित हो जाते हैं। यह दृश्य अद्भुत होता है और लोग इसे अपने जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा मानते हैं। लोग समुद्र किनारे पर गणेश विसर्जन के दौरान एक साथ मिलकर नृत्य और संगीत का आनंद लेते हैं और साथ ही अपने समुदाय के सदस्यों के साथ समय बिताते हैं। इसके अलावा, गणेश चतुर्थी के दौरान लोग चारित्रिक पर्व समारोह का आयोजन करते हैं, जिसमें नृत्य, संगीत और नाटक की प्रस्तुतियाँ होती हैं, जो अक्सर हिन्दू धर्म की महत्वपूर्ण कथाओं पर आधारित होती हैं। उत्सव को धूमधाम से मनाने के साथ-साथ हम भगवान गणेश से प्रेरणा लेते हैं और अपने जीवन में अच्छी बातें अपनाने का संकल्प लेते हैं। हमें गणपति बप्पा के गुणों को अपनाने का प्रयास करना चाहिए, जैसे कि बुद्धि, साहस और दया। इस राह पर चलकर हम जीवन पर्यन्त अपने जीवन में गणपति का आशीर्वाद महसूस कर सकते हैं।

लंबोदर गजकर्ण का, विघ्नविनाशक रूप।
सिद्ध सभी कारज करें, पावन रूप अनूप।
गणपति बप्पा मोरया।

प्रकाशकः- महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर
आरोग्य धाम, बालापार रोड, सोनबरसा, गोरखपुर, 273007

आरोग्य पथ
मासिक ई-पत्रिका

हमारी विरासत

आदि शंकराचार्य

यह तथ्य कि हिंदू धर्म अभी भी एक गतिशील और सर्वव्यापी धर्म है, आदि शंकराचार्य के कार्यों का पर्याप्त प्रमाण है। अद्वैत दर्शन के प्रणेता होने के अलावा, हिंदू धर्म के प्रति उनके अमूल्य योगदानों में से एक प्राचीन संन्यास संप्रदाय का पुनर्व्यवस्थापन और पुनर्गठन था। ये संन्यासी वेदों में निहित जीवन के शाश्वत नियम को आज भी प्रवाहित करते हैं, जो मानवता को जोड़ने वाली और उसे एकीकृत करने वाली गतिशील शक्ति के रूप में जन-जन तक पहुँचती है।

भगवान आदि शंकराचार्य को आदर्श संन्यासी माना जाता है। आपका लगभग 508 ईसा. पूर्व से 509 ईसा. पूर्व का काल माना जाता है, उनका जन्म केरल के कलाडी में हुआ था और 32 साल के अपने छोटे से जीवनकाल में, उनकी उपलब्धियाँ आज भी हमारे आधुनिक वाहनों और अन्य सुविधाओं के साथ एक चमत्कार लगती हैं। आठ साल की छोटी सी उम्र में, मुक्ति की इच्छा से जलते हुए, उन्होंने अपने गुरु की तलाश में घर छोड़ दिया।

दक्षिणी राज्य केरल से युवा शंकराचार्य लगभग 2000 किलोमीटर पैदल चलकर भारत के मध्य मैदानों में नर्मदा नदी के तट पर अपने गुरु गोविंदपाद के पास पहुंचे। वे वहाँ चार साल तक अपने गुरु की सेवा करते रहे। अपने गुरु के दयालु मार्गदर्शन में युवा शंकराचार्य ने सभी वैदिक शास्त्रों में महारथ हासिल कर ली।

बारह वर्ष की आयु में ही उनके गुरु ने मान लिया था कि शंकराचार्य प्रमुख धर्मग्रंथों पर भाष्य लिखने के लिए तैयार हैं। अपने गुरु के आदेश पर शंकराचार्य ने धर्मग्रंथों की शिक्षाओं में छिपे सूक्ष्म अर्थों को स्पष्ट करने वाली भाष्य लिखीं। सोलह वर्ष की आयु में उन्होंने सभी प्रमुख ग्रंथ लिखने के बाद कलम छोड़ दी। गुरु के साथ रहने के इस काल में युवा शिष्य के बारे में एक किंवदंती प्रचलित है। सोलह से बत्तीस वर्ष की आयु तक, शंकराचार्य प्राचीन भारत के कोने-कोने में यात्रा करते हुए जनता के दिलों में वेदों का जीवनदायी संदेश लेकर आए। 'ब्रह्म, शुद्ध चेतना, पूर्ण वास्तविकता है। संसार असत्य है, यह शास्त्र की सही समझ वेदांत की गर्जनापूर्ण घोषणा है'

ब्रह्म सत्यं जगन्मिथ्या जीवो ब्रह्मैव नापरः।
अनेन वेद्यं सच्चस्त्रमिति वेदांतादिमः॥ (ब्रह्मज्ञनावलीमाला)

सार रूप में,व्यक्ति ब्रह्म से भिन्न नहीं है। इस प्रकार 'ब्रह्म सत्यं जगन मिथ्याए जीवो ब्रह्मैव न परा' कथन द्वारा उन्होंने विशाल शास्त्रों का सार संक्षेपित कर दिया। उन दिनों प्राचीन भारत अंधविश्वासों और शास्त्रों की गलत व्याख्याओं के दलदल में डूबा हुआ था। निकृष्ट कर्मकांड फल-फूल रहे थे। सनातन धर्म का सार, जिसमें प्रेम, करुणा और मानवता की सार्वभौमिकता का सर्वव्यापी संदेश था, इन कर्मकांडों के अंधाधुंध प्रदर्शन में पूरी तरह से खो गया था।

शंकराचार्य ने विभिन्न धार्मिक संप्रदायों के विभिन्न विद्वानों और नेताओं को जोरदार विवादों में चुनौती दी। उन्होंने शास्त्रों की अपनी-अपनी व्याख्याएँ प्रस्तुत कीं, लेकिन विलक्षण बालक ऋषि ने आसानी से उन सभी को पराजित कर दिया और उन्हें अपनी शिक्षाओं का ज्ञान कराया। इन प्रतिष्ठित लोगों ने तब शंकराचार्य को अपना गुरु स्वीकार कर लिया।

प्रकाशकः- महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर
आरोग्य धाम, बालापार रोड, सोनबरसा, गोरखपुर, 273007

शैक्षणिक भ्रमण

गुरू गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग

रामगढ़ताल रामपुर, गोरखपुर, उत्तर प्रदेश में स्थित जल संयन्त्र की जानकारी लेते हुए नर्सिंग एएनएम की छात्राएं

दिनांक : 02 सितम्बर, 2024। सोमवार को रामगढ़ताल रामपुर, गोरखपुर, उत्तर प्रदेश में स्थित जल संयन्त्र का भ्रमण महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के नर्सिंग कॉलेज की छात्राओं ने किया। यह कॉलेज की तरफ से शैक्षणिक भ्रमण रहा। इसमें एएनएम प्रथम वर्ष की कुल 50 छात्राएं एवं दो शिक्षिकाएं (अनु पटेल और साक्षी गुप्ता) शामिल रहीं।

यह भ्रमण कॉलेज परिसर से प्रातः 10:10 पर प्रारम्भ हुआ, जिसमें जल संयन्त्र पहुंचने का समय 11:30 रहा और कॉलेज परिसर में वापसी का समय 1:30 रहा। विश्वविद्यालय से संयन्त्र तक की कुल दूरी 18 किलोमीटर रही, छात्राओं को जल संयन्त्र के प्रभारी अनुराग श्रीवास्तव और प्रबंधक हनुमंत उपाध्याय ने कुछ महत्त्वपूर्ण जानकारियां दी। जिसमें सबसे पहले छात्राओं को जल संयन्त्र के विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण कराया गया। उनको वहां के कुल संयंत्र प्रयोगशाला, प्रतिदिन कुल जल के सफाई का लागत, जल संयंत्र के विभिन्न तरीके, स्वास्थ्य सुविधाओं से जुड़े लाभ, वातावरण की सफाई–सफाई इत्यादि से अवगत कराया।

उन्होंने बताया कि सीवेज जल उपचार के लिए क्लोरीनीकरण अथवा अन्य कई केमिकल्स का इस्तेमल करते हुए मुख्य रूप से चार तरिके अपनाएं जाते हैं। भौतिक, जैविक, रसायन और किचड़ जल उपचार इन तरीकों का पालन करके उचित जल की सभी दूषित पदार्थो को सूक्ष्म जीव से रहित किया जाता है और उपचार जल मेंपरिवर्तित किया जाता है, जो मानव उपयोग और पर्यावरण दोनोंके लिए सुरक्षित होता हैं।

उन्होंने यह भी बताया कि गोरखपुर क्षेत्र में दो सीवेज उपचार संयन्त्र का निर्माण किया गया है जिसमें एक सूर्यकुंड में स्थित है। सरकार द्वारा प्रति वर्ष इसके लिए 66 लाख रुपए प्रदान किये जाते हैं, जिसमें से 6000 रुपये प्रति मि. ली. प्रतिदिन का लागत है। अंत में वह कर्मचारियों की स्वास्थ्य सुविधाएं हेतु पीपीई किट, दवाइयां, आपातकालीन प्रोटोकॉल, कुल कर्मचारियों की संख्या तथा उपकरणों इत्यादि के इस्तेमाल से जुड़ी जानकारियां दी।

उपलब्धि

डॉ. शशिकांत सिंह

डॉ. अमित दूबे

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

दिनांक : 04 सितम्बर, 2024। वर्तमान अकादमिक सत्र में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर, आरोग्यधाम को एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई है।

विश्वविद्यालय के दो आचार्यों डॉ. शशिकांत सिंह और डॉ. अमित दूबे को शोध और अनुसंधान कार्य के लिए उत्तर प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (यूपीसीएसटी) की ओर से कुल 21.36 लाख रुपये का अनुदान अनुशंसित हुआ है। ग्रांट के लिए चयनित इन दोनों ही आचार्यों के रिसर्च प्रोजेक्ट जन स्वास्थ्य से जुड़े हैं। डॉ. शशिकांत सिंह महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में संचालित फार्मेसी कॉलेज के प्राचार्य हैं जबकि डॉ. अमित दुबे संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय में जैव प्रौद्योगिकी विभाग के अध्यक्ष है।

यूपीसीएसटी ने डॉ. शशिकांत सिंह को 15.36 लाख रुपये और डॉ. अमित दूबे को 6 लाख रुपये का शोध अनुसंधान अनुदान देने का ग्रांट दिया है। डॉ. शशिकांत सिंह का शोध विषय 'संभावित एंटीएम्नेसिक एजेंट के रूप में मैगिफेरिन के नए मैनिच एनालॉग्स के डिजाइन, संश्लेषण और एंजाइम गतिकी अध्ययन' है। शोध विषय वस्तु की व्यावहारिक जानकारी देते हुए डॉ. शशिकांत ने बताया कि 65 वर्ष की आयु के लोगों में यादाश्त की कमजोरी आ जाती है। इसके लिए पूरे विश्व में मात्र 4 दवाएं हैं जो अभी भी शत्–प्रतिशत कारगर नहीं हैं। इसलिए अब समय आ गया है कि हम उन लोगों के लिए कुछ करें जो खुद को याद नहीं रख सकते। उनका रिसर्च प्रोजेक्ट इसी पर केंद्रित है। डॉ. अमित कुमार दूबे को सितोपलादि चूर्ण में उपयोग किये जाने वाले पौधों में पाए जाने वाले पदार्थों की कंप्यूटर जनित प्रोफाइलिंग विषय पर शोध अनुदान अनुशंसित हुआ है।

अतिथि व्याख्यान

गुरू गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग

शिक्षक दिवस के अवसर पर नर्सिंग कॉलेज की छात्राओं को सम्बोधित करते हुए डॉ. संजय माहेश्वरी जी

दिनांक : 05 सितम्बर, 2024 का महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के नर्सिंग संकाय में शिक्षक दिवस के पावन अवसर पर एक विशिष्ट कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. संजय महेश्वरी जी मेडिकल डायरेक्टर एमपी बिरला ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स सतना मध्य प्रदेश एवं डॉ. राजेश बहल जी डायरेक्टर गुरु श्री गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, गोरखपुर उपस्थित रहें।

इस कार्यक्रम के दौरान नर्सिंग संकाय की बीएससी नर्सिंग तृतीय तथा चतुर्थ वर्ष की छात्राओं समेत प्रोफेसर्स एवं अध्यापिकाओं ने भी बढ़–चढ़ के हिस्सा लिया। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि द्वारा दीप प्रज्वल तथा नर्सिंग संकाय की छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना तथा राष्ट्रगान से की गई। इसके पश्चात कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. संजय महेश्वरी जी ने अपना भाषण प्रारंभ किया जिसमें उन्होंने शिक्षक दिवस का महत्व, शिक्षा की आवश्यकता, ज्ञान अर्जित करने में शिक्षक की भूमिकाए स्वास्थ्य के क्षेत्र में हुए नए बदलाव, शिक्षक के कर्तव्य, कैंसर मरीजों से संबंधित महत्वपूर्ण फोटो तथा कैंसर की सर्जरी में नर्स की महत्वपूर्ण भूमिका से अवगत कराया। अंत में धन्यवाद भाषण तथा राष्ट्रगीत के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

नई पहल

सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय

गुरु गोरखनाथ इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज के निदेशक कर्नल डॉ. राजेश बहल जी को वेट मशीन भेंट करते विद्यार्थी

दिनांक : 07 सितम्बर, 2024 को गणेश चतुर्थी के शुभ मुहूर्त पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के एमएससी बॉयोटेक्नोलॉजी प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों ने नई पहल नया नवाचार करते हुए महंत दिग्विजय नाथ चिकित्सालय बालापार को स्वास्थ्य सेवा के लिए वेट मशीन भेट कर नए नवाचार का श्री गणेश किया ।

गुरु गोरखनाथ इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज के निदेशक कर्नल डॉ. राजेश बहल जी ने वेट मशीन ग्रहण किया। कर्नल डॉ. राजेश बहल ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के विद्यार्थियों ने शिक्षा के साथ सामाजिक दृष्टि से चिकित्सालय में मरीजों के हित में वेट मशीन भेट कर सभी को नई प्रेरणा दिया है। विद्यार्थी अपने जीवन में समाज सेवा, लोगो के दुख, दर्द और भावो के प्रति संवेदनशील दृष्टि का संकल्प लें।

प्रो. सुनील कुमार सिंह ने कहा की विद्यार्थियों द्वारा चिकित्सालय के मरीजों के हित में वजन नापने की मशीन भेट कर एक नए नवाचार की शुरुआत किया है। विद्यार्थी अपने जन्मदिन या महापुरुषों के दिवस पर रक्तदान कर सेवा भाव से मरीजों को स्वास्थ लाभ देने का पुण्य प्राप्त कर सकते हैं। सभी संकायों के विद्यार्थियों ने समाज सेवा और मरीजों के हित

में रक्त दान का संकल्प लिया। विभाग के एमएससी बॉयोटेक्नोलॉजी के प्रथम वर्ष की छात्रा तनु त्रिपाठी, नेहा गुप्ता, निकिता चौधरी, काजल, अनुष्का सिंह शालिनी सिंह, अंकित सिंह संजीव यादव, सलोनी यादव, सिद्धांत शर्मा, एकता सिंह, प्रवीण शर्मा, आकांक्षा मद्धेशिया, उजमा सेजल ने वेट मशीन भेंट किया।

आयोजन में राष्ट्रीय सेवा योजना की आर्यभट्ट इकाई के कार्यक्रम अधिकारी श्री धनंजय पांडेय के नेतृत्व में स्वयंसेवकों ने दिग्विजयनाथ चिकित्सालय में मरीजों के हित में सेवा भाव का संकल्प लिया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से डॉ. अमित दुबे, डॉ. अनुपमा ओझा, डॉ. प्रेरणा अदिति, डॉ. पवन कनौजिया, डॉ. कृति कुमार यादव, डॉ. अवैध नाथ सिंह, डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव सहित अन्य संकाय के सभी शिक्षकगण उपस्थित रहें।

श्री अन्न पुनरोद्धार कार्यक्रम (2024-25)

कृषि संकाय

उत्तर प्रदेश श्री अन्न पुनरोद्धार कार्यक्रम (2024–25) में सम्बोधित करते डॉ. विमल कुमार दूबे एवं श्रीअन्न की जानकारी दते डॉ. कुलदीप सिंह

दिनांक : 07 सितम्बर, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में संचालित कृषि संकाय के द्वारा उत्तर प्रदेश श्री अन्न पुनरोद्धार कार्यक्रम (2024–25) के अन्तर्गत कृषक–कृषि विशेषज्ञ संवाद और किसान भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

जिसमें जनपद बलरामपुर के 50 किसान बंधुओं ने श्री अन्न के अन्तर्गत आने वाले अनाज के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की और वैज्ञानिक पद्धति से श्री अन्न के उत्पादन के विधियों को जानने के साथ इसकी उपयोगिता को समझा।

कार्यक्रम में अध्यक्षीय उद्बोधन में अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. विमल कुमार दूबे ने किसानों को विश्वविद्यालय के स्थापना के अवधारणा सम्बंधी जानकारी देते हुए आगंतुक कृषकों को जागरूक करते हुए उन्हे भविष्य में भी इस तरह के आयोजित कार्यक्रम से लाभान्वित होने के लिए और श्री अन्न के उत्पादन के लिए प्रोत्साहित किया। अपने संवाद के दौरान अधिष्ठाता ने इस बात को इंगित किया कि कृषि संकाय की संचालन की परिकल्पना पूर्वांचल क्षेत्र के कृषि एवं किसानों के उत्थान में निहित है।

कार्यक्रम के तहत कृषि संकाय के सहायक आचार्य डॉ. कुलदीप सिंह ने मोटे अनाज (रागी, बाजरा, कोदा) इत्यादी की पैदावार विधि के साथ उर्वरक, सिचाई, प्रजातियों के चयन, उत्पाद प्रसंस्करण की विस्तृत जानकारी किसानों को उपलब्ध करायी। कृषि संकाय के डॉ. नवनीत कुमार सिंह ने किसानों को सब्जियों के उत्पादन, प्रबन्धन व प्रसंस्करण से तैयार

उत्पादों की जानकारी देते हुए इसके लाभ को भी दर्शाया। डॉ. आयुष कुमार पाठक ने किसानों को विश्वविद्यालय परिषर का भ्रमण करवाते हुए श्री अन्न से जुडे सरकारी योजनाओं व आर्थिकी की जानकारी प्रदान की। डॉ. विकास कुमार यादव ने श्री अन्न में लगने वाले पादप रोगो के लक्षण व उसके निदान की संपूर्ण जानकारी आगंतुक किसानो को उपलब्ध करायी गयी।

यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अतुल बाजपेई व कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव के दिशानिर्देश, उपनिदेशक कृषि जनपद बलरामपुर के सहयोग, श्रीमती सुशीला मिश्रा सचिव ग्रामीण महिला एवं बाल उत्थान सेवा समिति बलरामपुर व कृषि संकाय गोरखनाथ विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में सम्पन्न हुआ।

अतिथि व्याख्यान : 'कृषि में उद्यमिता'

कृषि संकाय

'कृषि में उद्यमिता' के विषय पर आयोजित अतिथि व्याख्यान में विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए डॉ. अजय कुमार तिवारी

दिनांक : 10 सितम्बर, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित कृषि संकाय में 'कृषि में उद्यमिता' के विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. अजय कुमार तिवारी, प्रधान वैज्ञानिक, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली ने कार्यक्रम में कृषि संकाय के छात्रों को संबोधित करते हुए कृषि में कौशल विकास की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए छात्रों से पठन–पाठन के साथ कृषि के क्षेत्र में हो रहे नित नवाचार के साथ उद्यमिता सम्बन्धित पाठ्यक्रमों के बारे में जानकारी रखने के लिए कहा।

डॉ. तिवारी ने सामयिक विषयों पर चर्चा करते हुए जनसंख्या वृद्धि, मौसम परिवर्तन, शहरीकरण के प्रभाव के कारण कृषि क्षेत्र में हो रहे परिवर्तन व राष्ट्रीय शिक्षा निति 2020 में कौशल विकास के अनुपालन सम्बंधी जानकारी विद्यार्थियों के साथ साझा की और समस्त विद्यार्थियों में एक न एक कृषि सम्बन्धित हुनर होने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ विमल कुमार दुबे अधिष्ठाता, कृषि संकाय ने किया। कार्यक्रम में कृषि संकाय के सहायक आचार्य डॉ. कुलदीप सिंह, डॉ. विकास कुमार यादव, डॉ. आयुष कुमार पाठक, डॉ. सास्वती प्रेम कुमारी, डॉ. नवनीत कुमार सिंह एवं कृषि संकाय के समस्त विद्यार्थी उपस्थित रहें।

विश्वविद्यालय निरीक्षण

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

विश्वविद्यालय के इंफ्रास्ट्रक्चर, शैक्षिक गुणवत्ता एवं परिसर संस्कृति का निरीक्षण करते हुए उच्च शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव एम.पी. अग्रवाल जी

दिनांक : 13 सितम्बर, 2024। विश्वविद्यालय का इंफ्रास्ट्रक्चर, यहां की शैक्षिक गुणवत्ता और परिसर संस्कृति किसी भी शिक्षण संस्थान के लिए अनुकरणीय है। स्थापना के मात्र तीन सालों में ही यह विश्वविद्यालय उच्च और रोजगारपरक शिक्षा के क्षेत्र में रोल मॉडल बनने की तरफ अग्रसर है।

यह बातें उच्च शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव एम.पी. अग्रवाल ने शुक्रवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम बालापार गोरखपुर के भ्रमण–निरीक्षण के दौरान कहीं। पूरे विश्वविद्यालय परिसर और यहां की अवस्थापना सुविधाओं, शिक्षण पद्धति आदि का अवलोकन करने के बाद श्री अग्रवाल काफी खुश दिखें।

उन्होंने कहा कि किसी भी उच्च शिक्षण संस्थान के लिए यह विश्वविद्यालय मानक बन सकता है। प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा ने भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक डॉ. जी.एन. सिंह, क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी डॉ. अश्वनी मिश्रा, विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल बाजपेई और कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव के साथ आयुर्वेद कॉलेज, नर्सिंग संकाय, पैरामेडिकल संकाय, संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय, फार्मेसी संकाय, कृषि संकाय आदि का निरीक्षण किया। सभी संकायों के इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ ही उन्होंने यहां शिक्षण पद्धति को भी बारीकी से समझा।

विश्वविद्यालय में इसी सत्र से एमबीबीएस की पढ़ाई के लिए नीट काउंसिलिंग से प्रवेश लिए गए हैं। प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा ने एमबीबीएस की कक्षाओं के संचलन को लेकर की गई तैयारियों को भी परखा और अब तक की व्यवस्थाओं को उत्कृष्ट बताया।

उन्होंने कहा कि स्थापना के इतने कम समय में मॉडर्न मेडिकल, आयुर्वेद, नर्सिंग, पैरामेडिकल, फार्मेसी आदि विधाओं के शिक्षण के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट, मान्यता प्राप्त करना और बिना किसी सीट के रिक्त रहे पढ़ाई एक असाधारण उपलब्धि है।

प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा के निरीक्षण के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति ने उन्हें बताया कि इस विश्वविद्यालय का जोर रोजगारपरक शिक्षा के नए आयामों से जुड़ने, शोध–अनुसंधान और नवाचार को आगे बढ़ाने पर है।

इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने प्रमुख सचिव श्री अग्रवाल को बताया कि स्थापना के पहले से साल से इस विश्वविद्यालय ने शोध–अनुसंधान, नवाचार के साथ आत्मनिर्भरतापरक स्टार्टअप के लिए देश की कई ख्यातिलब्ध शिक्षण, चिकित्सकीय संस्थानों, अनुसंधान परिषदों, उद्योग समूहों से एमओयू किया है।

उन्होंने बताया कि इस विश्वविद्यालय में जिन भी पाठ्यक्रमों का संचालन है, वे सभी पूर्ण क्षमता से संचालित हैं। डॉ. राव ने प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा को विश्वविद्यालय की परिसर संस्कृति, कार्य प्रबंधन में छात्र सहभागिता, सामाजिक सरोकारों और भावी कार्ययोजना के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी। जन स्वास्थ्य एवं अन्य नागरिक सेवाओं को लेकर विश्वविद्यालय की पहल की प्रमुख सचिव श्री अग्रवाल ने सराहना की।

छात्र-संसद चुनाव प्रक्रिया

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

दिनांक : 14 सितम्बर, 2024। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में छात्र संसद चुनाव प्रक्रिया दिनांक 13 सितम्बर 2024 से 24 विषयों के 54 कक्षा प्रतिनिधियों के उनके शैक्षिक योग्यता अनुसार चयन के साथ प्रारम्भ हुई।

विश्वविद्यालय छात्र संसद संविधान के अनुसार चुनाव में किसी भी पद पर प्रत्याशिता के लिए कक्षा प्रतिनिधि होना अनिवार्य है। मुख्य चुनाव अधिकारी, डॉ. विमल कुमार दूबे ने बताया कि अध्यक्ष पद पर आकाश चौधरी, अनिकेत मल्ल, अमित यादव, अश्विनी यादव एवं दीनदयाल गुप्ता ने अपना नामाकन किया वहीं उपाध्यक्ष पद पर बादल पटेल, आर्यन यादव, सृष्टि यादव एवं आदित्य रंजन व महामंत्री पद पर प्रिंस कुमार चौरसिया, सुंदरी, समीक्षा कुमारी एवं श्रेया पांडेय तथा पुस्तकालय मंत्री पद पर अनामिका पांडेय व अदिति वर्मा ने नामाकन करके अपनी दावेदारी प्रस्तुत की। प्रत्याशी दिनांक 14.09.2024 को पूर्वाह्न 09:00 से 10:00 बजे तक अपना नामांकन वापस ले सकते थे। तत्पश्चात पूर्वाह्न 11:00 बजे चुनाव अधिकारी द्वारा सभी योग्य प्रत्याशियों के नाम की घोषणा कर दी गयी।

चुनाव अधिकारी ने यह भी बताया कि समस्त प्रत्याशियों का पाँच मिनट का चुनावी घोषणा पत्र (योग्यता भाषण) का विडियो क्लिप विश्वविद्यालय द्वारा ही रिकार्डिंग कर उसे समस्त संचारी माध्यमों से विद्यार्थियों के मध्य साझा किया गया। इसी दिन को सायं 06:00 बजे से रात्रि 10:00 बजे तक मतदान विश्वविद्यालय द्वारा स्वनिर्मित साफ्टवेयर से कराना सुनिश्चित किया गया। ऑनलाइन मतदान के लिए केवल पंजीकृत विद्यार्थी ही पात्र हैं। रात्रि 11:00 बजे तक छात्र संसद का परिणाम विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर घोषित कर दिया जायेगा। छात्र संसद प्रत्याशियों ने अपने योग्यता भाषण में विश्वविद्यालय में शैक्षणिक वातावरण के साथ–साथ पठन–पाठन हेतु उत्तम व्यवस्था के लिए संसाधनों की उपयोगिता पर बल देते हुए कहा कि छात्र संसद कैसे विश्वविद्यालय के समस्त सृजनात्मक क्षमताओं के विकास के साथ शैक्षणिक वातावरण, अनुशासन एवं परिसर संस्कृति अपनी उपयोगिता सिद्ध कर सकता है। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर पठन–पाठन के साथ ही साथ लोकतान्त्रिक मूल्यों के संवर्धन, विद्यार्थियों को राष्ट्रवाद की ओर मुखर करना, राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों के निर्वहन एवं उन्नत व सशक्त भारत के निर्माण के प्रति संवेदनशीलता के भाव जागृत करते रहता है। यह छात्र संसद चुनाव विशुद्ध योग्यतम छात्र को लोकतान्त्रिक मूल्यों के प्रति चौतन्य करने का है।

विश्वविद्यालय के कुलपति, मेजर जनरल डॉ. अतुल बाजपेई व कुलसचिव, डॉ. प्रदीप कुमार राव ने छात्र संसद चुनाव के प्रति विद्यार्थियों के उत्साह को सराहते हुए इसमें अधिकाधिक प्रतिभागिता सुनिश्चित करने के लिऐ आह्वान किया है। समस्त चुनाव प्रक्रिया कुलपति के निर्देश में मुख्य चुनाव अधिकारी, डॉ. विमल कुमार दूबे द्वारा सम्पन्न करायी जा रही है।

छात्र संसद चुनाव : परिणाम

दीनदयाल गुप्ता (अध्यक्ष) सृष्टि यादव (उपाध्यक्ष) समीक्षा कुमारी (महामंत्री) अनामिका पांडेय (पुस्तकालय मंत्री)

दिनांक : 14 सितम्बर, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में शनिवार की शाम ऑनलाइन हुए छात्र संसद के चुनाव नतीजे आ गए हैं। छात्र संसद चुनाव में कुल 743 छात्र–छात्राओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

अध्यक्ष पद पर दीनदयाल गुप्ता अपने निकटतम प्रतिद्वंदी अनिकेत मल्ल से 104 मत अधिक प्राप्त कर विजयी रहें। उपाध्यक्ष पद पर सृष्टि यादव ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी आर्यन यादव से 87 मत अधिक प्राप्त किया और उपाध्यक्ष पद पर निर्वाचित हुई। महामंत्री पद पर समीक्षा कुमारी ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी सुंदरी को 32 मतों से पराजित किया। पुस्तकालय मंत्री पद पर अनामिका पांडेय अपने प्रतिद्वन्दी अदिति वर्मा से 180 मतों से विजयी घोषित हुई।

कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल बाजपेयी, कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने विजित प्रत्याशियों को शुभकामनाएं दी हैं। विश्वविद्यालय में शनिवार को शाम 6 से रात 10 बजे तक स्वनिर्मित किए गए पूर्णतः स्वदेशी सॉफ्टवेयर से विद्यार्थी मतदाताओं ने ऑनलाइन मतदान किया।

voting.mgug.ac.in नामक यह सॉफ्टवेयर देश में शिक्षण संस्थानों के छात्र संसद चुनाव के लिए बनाया गया पहला सॉफ्टवेयर है। गोरखनाथ विश्वविद्यालय ने ऑनलाइन पढ़ाई के साथ छात्र संसद चुनाव कराकर एक नजीर पेश किया है। चुनाव संपन्न करवाने में विश्वविद्यालय के आईटी विभाग, मुख्य चुनाव अधिकारी डॉ. विमल कुमार दुबे व समस्त प्राचार्य, अधिष्ठाता का विशेष योगदान रहा।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

शैक्षणिक भ्रमण

परागदुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लिमिटेड गोरखपुर के भ्रमण के दौरान नर्सिंग कॉलेज की छात्राएं

गुरू श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग

दिनांक : 18 सितम्बर, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित गुरू श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग जीएनएम प्रथम वर्ष में अध्ययनरत 50 छात्राओं ने दो शिक्षक अनु पटेल एवं केसब अधिकारी के देखरेख में पोस्ट– बहरामपुर, खजनी, गोरखपुर, उत्तर प्रदेश में स्थित गोरखपुर दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लिमिटेड गोरखपुर का शैक्षिक भ्रमण किया। यह भ्रमण नर्सिंग कॉलेज परिसर से दोपहर 12:40 पर प्रारम्भ हुआ, जिसमें वहाँ पहुंचने का समय दोपहर 2 बजे रहा। विश्वविद्यालय से दुग्ध डेयरी तक की कुल दूरी 20 किलोमीटर रही, छात्राओं को दुग्ध डेयरी के प्रयोगशाला प्रभारी राजबिहारी चंद्र ने महत्त्वपूर्ण जानकारियां देते हुए छात्राओं को दुग्ध डेयरी के विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण कराया गया।

उनको वहां के कुल प्रयोगशालाओं प्रतिदिन कुल दुग्ध संग्रह का तरीका और आपूर्ति, दुग्ध पास्चुरीकरण के विभिन्न तरीके, स्वास्थ्य सुविधाओं से जुड़े लाभ, वातावरण की साफ–सफाई इत्यादि से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि वे किस तरह विभिन्न स्रोतों से दूध इकट्ठा करते हैं, उसका वजन माप कर उसका घनत्व, मात्रा और गुणवत्ता पता करते हैं तथा वे दूध को किस तरह से पास्चुराइज़ करते हैं। उसके बाद उन्होंने बताया कि शुद्धिकरण और अलग स्त्रोतों को आपूर्ति के लिए आठ अलग–अलग बड़े और छह अलग–अलग छोटे टैंकों में इकट्ठा किया जाता है। अंत में उन्होंने बताया कि यह लगभग 7.8 एकड़ क्षेत्र में फैला हुआ है और प्रतिदिन लगभग 4.5 लीटर दुग्ध का आपूर्ति होता है।

शैक्षणिक भ्रमण

गुरू श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग

गोरखपुर दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लिमिटेड गोरखपुर के भ्रमण के दौरान नर्सिंग कॉलेज की छात्राएं

दिनांक : 19 सितम्बर, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंर्तगत संचालित गुरू श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग जीएनएम प्रथम वर्ष में अध्ययनरत 50 छात्राओं ने दो शिक्षक (अनु पटेल एवं केसब अधिकारी) के देखरेख में पोस्ट– बहरामपुर, खजनी, गोरखपुर, उत्तर प्रदेश में स्थित गोरखपुर दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लिमिटेड गोरखपुर का शैक्षिक भ्रमण किया।

छात्राओं को दुग्ध डेयरी के विपणन प्रबंधक (डी. के. सोनी) एवं प्रयोगशाला प्रभारी (राजबिहारी चंद्र) ने महत्त्वपूर्ण जानकारियां देते हुए छात्राओं को दुग्ध डेयरी के विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण कराया। उनको वहां के कुल प्रयोगशालाओं, प्रतिदिन कुल दुग्ध संग्रह का तरीका और आपूर्ति, दुग्ध पास्चुरीकरण के विभिन्न तरीके, स्वास्थ्य सुविधाओं से जुड़े लाभ, वातावरण की साफ–सफाई इत्यादि से अवगत कराया।

उन्होंने बताया कि वे किस तरह विभिन्न स्रोतों से दूध इकट्ठा करते हैं, उसका वजन मापकर उसका घनत्व, मात्रा और गुणवत्ता पता करते हैं तथा वे दूध को किस तरह से पास्चुराइज़ करते हैं। उन्होंने बताया कि शुद्धिकरण और अलग स्त्रोतों को आपूर्ति के लिए आठ अलग–अलग बड़े और छह अलग–अलग छोटे टैंकों में इकट्ठा किया जाता है।

अंत में उन्होंने बताया कि यह लगभग 7.8 एकड़ क्षेत्र में फैला हुआ है और इसकी बिक्री से उन्हें प्रतिदिन लगभग 4.5 हजार रुपये का लाभ होता है।

श्रद्धांजलि समारोह

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

युग पुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज के 55वीं एवं राष्ट्रसंत महंत अवेद्यनाथ जी महराज की 10वीं पुण्यतिथि पर आयोजित श्रद्धांजलि समारोह में विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए प्रो. ए.के. सिंह एवं डॉ. अवधेश अग्रवाल जी

दिनांक : 20 सितम्बर, 2024 को युग पुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज के 55वीं एवं राष्ट्रसंत महंत अवेधनाथ जी महराज की 10वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि समारोह में पुष्पांजलि एवं श्रद्धांजलि का आयोजन संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय द्वारा महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के पंचकर्म केंद्र सभागार में हुआ।

श्रद्धांजलि में मुख्य अतिथि प्रो. ए.के. सिंह, कुलपति महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय, डॉ. अवधेश अग्रवाल ब्लड बैंक प्रभारी एवं अपर चिकित्सक अधीक्षक, कर्नल (डॉ.) राजेश बहल निदेशक गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ़ मेडिकल साइंसेज, सुनील कुमार सिंह, अधिष्ठाता संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय ने दोनो राष्ट्र संतो के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित किया।

मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. ए. के. सिंह ने युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज और राष्ट्रसंत महंत अवेधनाथ जी को श्रद्धा अर्पण करते हुए कहा कि ब्रह्मलीन महंत दिग्विजय नाथ जी और राष्ट्रसंत महंत अवेधनाथ जी ने हिंदुत्व और राष्ट्रवाद के विचार पंथ से शिक्षा में नई क्रांति का अलख जगाया। हिंदुत्व राष्ट्रवाद एवं विश्व प्राण भारतीय संस्कृति के संरक्षण में

अपने त्यागमय सन्यासी जीवन से नवजागरण के शंख का संघोष करने वाले युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज एवं राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज को श्रद्धा के पुष्प अर्पित है। ब्रह्मलीन महाराज जी ने अपने संकल्प, त्याग से शिक्षा का दीप प्रज्ज्वलित किया जिससे महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के 52 संस्थान दिव्यता के ओज से यहां के विद्यार्थियों को ज्ञानार्जन दे रहा है।

हिंदुत्व और राष्ट्रवाद के विचार पंथ पर अटल अडिग हिमालय सा चट्टानी व्यक्तित्व लेकर सनातन के प्रबल प्रहरी की भूमिका का निर्वाह करने वाले ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज तथा सामाजिक समरसता के अग्रदूत श्री राम जन्मभूमि मुक्ति आंदोलन को शक्ति और गति देने वाले करुणा और त्याग की प्रतिमूर्ति ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज के जीवन ने वैचारिक पुष्पों का प्रतिमान स्थापित किया है। आज हम सभी को राष्ट्र संतो के भावो को आत्मसात कर राष्ट्र सेवा का संकल्प लेना चाहिए।

मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. ए. के. सिंह जी को कर्नल डॉ. राजेश बहल ने स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। सभा की अध्यक्षता कर रहे डॉ. अवधेश अग्रवाल जी को अधिष्ठाता संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय प्रो. सुनील कुमार सिंह ने स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

स्वागत उद्बोधन में गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ़ मेडिकल साइंसेज बालापार के निदेशक कर्नल (डॉ.) राजेश बहल ने किया । राष्ट्र संतो को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उन्होंने कहा कि ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी ने संपूर्ण जीवन राष्ट्र, धर्म, आध्यात्म, संस्कृति शिक्षा व समाजसेवा से लोक कल्याण किया।

अध्यक्षीय उद्बोधन डॉ. अवधेश अग्रवाल, ब्लड बैंक प्रभारी एवं अपार चिकित्सा अधीक्षक गुरु गोरखनाथ चिकित्सालय, ने कहा की ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी और राष्ट्रसंत महंत अवेधनाथ गोरखपुर और आसपास के क्षेत्रों में विद्यालयों की स्थापना कर शिक्षा की ज्योति जलाई जिससे आज पूरा पूर्वांचल प्रकाशित हो रहा है। स्वतंत्रता से पूर्व महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की स्थापना कर अटल दूरदर्शिता से शिक्षा क्रांति की मिशाल कायम किया। जहां आज प्राथमिक शिक्षा से लेकर विश्वविद्यालय, चिकित्सा शिक्षा और प्रौद्योगिकी शिक्षा के प्रक्कल्प उन्नति के पथ पर अग्रशित है।

सरस्वती वंदना से श्रद्धांजलि सभा समारोह का शुभारंभ और वन्देमातरम से सभा को विश्राम दिया गया। श्रद्धांजलि समारोह का संचालन सहायक आचार्य डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव और धन्यवाद ज्ञापन प्रो. सुनील कुमार सिंह, अधिष्ठाता संबंध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय ने किया ।

समारोह में प्रमुख रूप से डॉ. अनुपमा ओझा, डॉ. विकास कुमार संत, डॉ. अमित दुबे, डॉ. धीरेंद्र सिंह, उप कुलसचिव श्री श्रीकांत जी, डॉ. पवन कुमार कनौजिया, डॉ. प्रेरणा त्रिपाठी, डॉ. किरण कुमार, डॉ. आशुतोष श्रीवास्तव, डॉ. अवेधनाथ सिंह, डॉ. अंकिता मिश्रा, डॉ. कीर्ति कुमार यादव, डॉ. अखिलेश दुबे, श्री धनंजय पांडेय, श्री अनिल कुमार, श्रीमती प्रज्ञा पाण्डेय, श्रीमती रश्मि झाए सृष्टि यदुवंशी, श्री जन्मेजय सोनी, मिताली, श्री अनिल कुमार मिश्रा, श्री अनिल शर्मा सहित सभी विभागों के शिक्षकगण उपस्थित रहें।

उपलब्धि : पोस्टर एवं रंगोली प्रतियोगिता

फार्मेसी संकाय

मदन मोहन मालवीय प्राविधिक विश्वविद्यालय में आयोजित पोस्टर प्रस्तुतिकरण एवं रंगोली प्रतियोगिता में विजयी महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के विद्यार्थी

दिनांक : 25 सितम्बर, 2024 को विश्व फार्मासिस्ट दिवस के अवसर पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के औषधि विज्ञान संकाय के विद्यार्थियों ने मदन मोहन मालवीय प्राविधिक विश्वविद्यालय में आयोजित पोस्टर प्रस्तुतिकरण एवं रंगोली प्रतियोगिता में भाग लिया। रंगोली प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त किया। प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी आदित्य प्रताप मल, हिमांशु राव, खुशी चौरसिया एवं अखिलेश विश्वकर्मा शामिल रहें। द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली छात्राएं शालिनी यादव, पल्लवी गुप्ता, सेजल कुशवाहा एवं रागिनी निषाद शामिल रहें।पोस्टर प्रस्तुतिकरण प्रतियोगिता में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के विद्यार्थियों ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। पोस्टर प्रस्तुत करने वाले विद्यार्थियों में नितिशा श्रीवास्तव, मनजीत यादव, आदित्य कुमार यादव, कौस्तुभ जायसवाल शामिल रहें।

शैक्षणिक भ्रमण

कृषि संकाय

पीपीगंज स्थित 'हाई ग्रोथ हनी बी.फार्म' गोरखपुर में शैक्षणिक भ्रमण के दौरान जानकारी लेते हुए कृषि संकाय के विद्यार्थी

दिनांक : 26 सितम्बर, 2024 को. महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंर्तगत संचालित कृषि संकाय के प्रथम वर्ष में अध्ययनरत समस्त विद्यार्थियों ने पीपीगंज स्थित 'हाई ग्रोथ हनी बी.फार्म' गोरखपुर का शैक्षिक भ्रमण किया, जहाँ विद्यार्थियों ने मधुमक्खी पालन एवं प्रबंधन के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

भ्रमण के दौरान हनी बी.फार्म के संचालक श्री राजू सिंह जी ने महत्त्वपूर्ण जानकारी देते हुए वहाँ के अत्याधुनिक मशीन व प्रसंस्करण इकाई, मधुमक्खी छत्ता, केन्द्रीय छत्ता, फेम फीडर्स, इक्सक्लूडर, मधु निष्कर्षक, रानी मधुमक्खी पालन किट, काम्ब फाउंडेशन सीट इत्यादि सम्पूर्ण मधुमक्खी पालन में उपयोग होने वाले उपकरणों के महत्व के बारे में जानकारी दी। साथ ही साथ शहद को इकट्ठा करने की तकनीक, मानक के अनुसार शहद के गुणवत्ता की जाँच.परख, पैकिंग व मार्केटिंग के गुण को भी समझाया।

कृषि संकाय के सहायक आचार्य डॉ. नवनीत सिंह ने कृषि में मधुमक्खियों की उपयोगिता को समझाते हुए मधुमक्खियों द्वारा फसलों में पर.परागण से कृषि उपज में बढ़ोतरी, फसल संवर्धन एवं पादप आनुवांशिक संसाधनों के संरक्षण में उनकी भूमिका के महत्व पर प्रकाश डाला।

इस भ्रमण का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को मधुमक्खी पालन की विधा को समझने व उसके व्यावसायिक लाभ व हानि की जानकारी प्राप्त करवाना था। यह शैक्षणिक भ्रमण कृषि संकाय अधिष्ठाता डॉ, विमल कुमार दूबे के कुशल नेतृत्व में सम्पन्न हुआ।

विश्व फार्मेसी दिवस

फार्मेसी संकाय

विश्वविद्यालय में संचालित फार्मेसी संकाय के विद्यार्थियों ने मनाया विश्व फार्मेसी दिवस

दिनांक : 25 सितम्बर, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के फार्मास्यूटिकल विज्ञान संकाय के प्राचार्य डॉ. शशिकांत सिंह जी की अध्यक्षता में समस्त शिक्षकगण एवं विद्यार्थियों ने संकाय में विश्व फार्मासिस्ट दिवस मनाया । इस अवसर पर मुख्य अतिथि, कृषि विज्ञान संकाय के डीन डॉ. विमल दूबे जी उपस्थित रहें। इस साल फार्मासिस्ट दिवस की थीम 'फार्मासिस्ट वैश्विक स्वास्थ्य आवश्यकताओं की पूर्ति को मद्दे नज़र रखते हुए संकाय में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें क्विज़, डिबेट, पोस्टर प्रेजेंटेशन, रंगोली प्रतियोगिता जैसे कार्यक्रम हुए। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने बढ़चढ़ कर सभी प्रतियोगिताओं में भाग लिया। कार्यक्रम के अंत में विभिन्न प्रतियोगिताओं के परिणाम घोषित कर कार्यक्रम सम्पन्न किया गया।

निःशुल्क चिकित्सा शिविर

महन्त दिग्विजयनाथ आयुर्वेद चिकित्सालय

महायोगी गोरक्षनाथ जी की पूजा–अर्चना कर निःशुल्क चिकित्सा शिविर में परामर्श देते हुए डॉ. जी.एस. तोमर जी

दिनांक : 27 सितम्बर, 2024 को महंत दिग्विजयनाथ आयुर्वेद चिकित्सालय आरोग्यधाम, बालापार रोड, सोनबरसा, गोरखपुर में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन विश्व आयुर्वेद मिशन के अध्यक्ष एवं महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय के कार्यपरिषद सदस्य डॉ. जी. एस. तोमर ने चिकित्सालय निदेशक डॉ. राजेश बहल, प्रभारी श्री जी. के. मिश्रा एवं उप कुलसचिव श्रीकान्त के साथ पूजन अर्चन के साथ किया।

शिविर में 78 रोगियों का परीक्षण कर चिकित्सा परामर्श प्रदान किया गया एवं 70 रोगियों की ब्लड शुगर एवं हीमोग्लोबिन का भी निःशुल्क परीक्षण किया गया। डॉ. तोमर ने बताया कि गठिया के रोगियों के साथ–साथ मधुमेह के रोगियों की बढ़ती हुई संख्या चिन्ता का विषय है।

आज हर घर में कोई न कोई डायबिटीज़ का रोगी मिल रहा है। इसका मुख्य कारण हमारे खानपान तथा जीवनशैली में हो रहा बदलाव है। पिज्ज़ा, नूडल्स, बर्गर जैसे फ़ास्ट फूड एवं आरामतलब जीवनशैली से हमारे बच्चे एवं युवा फेटी लिवर एवं डायबिटीज़ जैसे मेटाबॉलिक डिसआर्डर्स की चपेट में आते जा रहे हैं। यह स्थिति अत्यन्त चिंताजनक है।

डॉ. तोमर ने बताया कि मेटाबॉलिक सिन्ड्रोम, प्री–डायबिटीज़ एवं डायबिटीज़ मधुमेह की तीन अवस्थाएं होती हैं। इनमें से पहली दो अवस्थाओं को आयुर्वेदीय औषधियों एवं जीवनशैली से पूर्णतः नियंत्रित किया जा सकता है। जब कि डायबिटीज़ की चिकित्सा में ये औषधियाँ न केवल रक्त शर्करा नियंत्रण में सहयोग करतीं हैं अपितु इनके प्रयोग से शरीर के महत्वपूर्ण अंगों को मधुमेह के घातक उपद्रवों से बचाया जा सकता है। खानपान में श्री अन्न अर्थात् मिलेट्स कम ग्लाइसीमिक इण्डेक्स होने से अत्यन्त लाभकारी हैं।

अपने शोध एवं चिकित्सा अनुभव को साझा करते हुए उन्होंने बताया कि हल्दी, आँवला, करेला, मैथी, परवल के साथ–साथ बसन्तकुसुमाकर रस, बीजीआर 34 एवं डायबकल्प जैसी औषधियाँ मधुमेह की चिकित्सा में अत्यंत प्रभावी हैं।

छात्र संसद शपथ-ग्रहण समारोह

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

छात्र संसद शपथ–ग्रहण समारोह के दौरान माननीय कुलसचिव, प्राध्यापकगण एवं निर्वाचित छात्र संसद पदाधिकारी

दिनांक : 29 सितम्बर, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के वर्तमान सत्र में छात्र संसद के नवनिर्वाचित समस्त पदाधिकारियों, कक्षा प्रतिनिधियों व छात्रावास प्रतिनिधियों का शपथ–ग्रहण मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. विमल कुमार दुबे द्वारा संपन्न कराया गया।

शपथ–ग्रहण समारोह की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने अपने सम्बोधन में छात्र संसद के परिकल्पना, महत्व, कार्य पद्धति, विश्वविद्यालय के शैक्षणिक वातावरण, अनुशासन, परिसर संस्कृति में उसके महत्व के साथ–साथ लोकतान्त्रिक मूल्यों के संवर्धन व सांस्कृतिक राष्ट्रवाद में उसकी भूमिका से प्रतिनिधियों को अवगत कराया।

कार्यक्रम का शुभारंभ कृषि संकाय की छात्राओं द्वारा मां सरस्वती की आराधना से हुआ। शपथ ग्रहण के समय आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एन. एस, अधिष्ठाता संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय डॉ. सुनील कुमार, विभागाध्यक्ष बी.बी.ए. डॉ. तरुण श्याम व छात्र संसद के समस्त पदाधिकारी, कक्षा प्रतिनिधि व छात्रावास प्रतिनिधि उपस्थित रहें।

विश्वविद्यालय : कार्य परिषद बैठक

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

विश्वविद्यालय में आयोजित कार्य परिषद की बैठक में उपस्थिति गणमान्य

दिनांक : 29 सितम्बर, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम बालापार गोरखपुर ने ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता और पर्यावरण संरक्षण को लेकर एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। यह विश्वविद्यालय आने वाले दिनों में ऊर्जा संबंधी आवश्यकताओं के लिए पूरी तरह सौर ऊर्जा का इस्तेमाल करेगा। विश्वविद्यालय की कार्य परिषद ने रविवार को हुई बैठक में शत्–प्रतिशत सौर ऊर्जा के उपयोग और इस संबंध में जरूरी व्यवस्थाओं से जुड़े प्रस्ताव पर मुहर लगा दी है। कार्य परिषद ने सौर ऊर्जा के रूप में क्लीन एनर्जी के प्रयोग के साथ ही कैम्पस को ग्रीन बनाने के लिए 11 हजार पौधरोपण, 15 हजार की क्षमता के स्टेडियम के निर्माण के प्रस्ताव को भी हरी झंडी दे दी है। विश्वविद्यालय में 1500 की क्षमता का अत्याधुनिक ऑडिटोरियम भी बन रहा है जो जनवरी 2025 में तैयार हो जाएगा।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी की अध्यक्षता एवं कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव के संचालन में हुई कार्यपरिषद की बैठक में लिए गए निर्णयों की जानकारी देते हुए उप कुलसचिव (प्रशासन) श्रीकांत ने बताया कि कार्य परिषद ने तय किया है कि जल्द ही विश्वविद्यालय में ऊर्जा संबंधी सभी जरूरतें सौर ऊर्जा से पूरी की जाएंगी। इसके लिए जरूरी सिस्टम की स्थापना को मंजूरी दे दी गई है। कार्य परिषद ने इस बात पर हर्ष व्यक्त किया कि विश्वविद्यालय में सभी कक्षाओं को स्मार्ट क्लास रूम में अपग्रेड कर दिया गया है। आने वाले समय में विश्वविद्यालय का अपना मेडिकल सिम्यूलेशन लैब

भी होगा। इससे जुड़े प्रस्ताव को बैठक में स्वीकार कर लिया गया है। उल्लेखनीय है कि नर्सिंग कॉलेज में पूर्वी उत्तर प्रदेश का उत्कृष्ट सिमुलेशन लैब पहले से संचालित है। कार्य परिषद ने इस प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी है कि ग्रीन कैम्पस की परिकल्पना को साकार करने के लिए परिसर में 11000 पौधों का रोपण कराया जाए। शैक्षणिक व अन्य गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए 1500 की क्षमता का बहुउद्देश्यीय ऑडिटोरियम बनने की जानकारी भी बैठक में दी गई।

बैठक में विश्वविद्यालय के अपने स्टेडियम के निर्माण के लिए रखे गए प्रस्ताव को भी कार्य परिषद के सदस्यों ने सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रदान की। यह भी तय किया गया है कि विश्वविद्यालय आने वाले समय में वाटर स्पोर्ट्स की गतिविधियों को भी बढ़ावा देगा।

अगले सत्र से होगी फोरेंसिक साइंस और एआई की पढ़ाई: स्थापना के बाद से समयानुकूल पाठ्यक्रमों को संचालित कर रहे महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में अगले सत्र से फोरेंसिक साइंस, आर्टीफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और ड्रोन टेक्नोलॉजी की भी पढ़ाई होगी। इसके लिए पाठ्यक्रम तैयार किए जाएंगे। इससे जुड़े प्रस्ताव पर भी कार्य परिषद की बैठक में मुहर लगा दी गई है।

एमबीबीएस और बीएएमएस का नया सत्र 14 अक्टूबर से: विश्वविद्यालय की कार्य परिषद की बैठक में इस सत्र से एमबीबीएस कोर्स को मान्यता मिलने और सभी सीटों पर प्रवेश होने पर प्रसन्नता व्यक्त की गई। बैठक में बताया गया कि स्टेट कोटा नीट काउंसिलिंग में छात्रों ने महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर को पहली प्राथमिकता दी है।

बैठक में एमबीबीएस और बीएएमएस के नए सत्र का संचालन 14 अक्टूबर से शुरू किए जाने के प्रस्ताव को भी स्वीकार कर लिया गया।

कार्य परिषद की बैठक में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की आचार्य डॉ. शोभा गौड़, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के सदस्य प्रमथ नाथ मिश्र, महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज के पूर्व प्रधानाचार्य रामजन्म सिंह, प्रदेश शासन के उच्च शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव के प्रतिनिधि संयुक्त सचिव उच्च शिक्षा प्रेम कुमार पांडेय, वरिष्ठ कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. सीएम सिन्हा महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डॉ. सुनील कुमार सिंह, परीक्षा नियंत्रक अमित कुमार सिंह, आयुर्वेद कॉलेज के सह आचार्य डॉ. सुमित कुमार एम., सहायक आचार्य डॉ. प्रिया एसआर नैयर, सी, अनिल कुमार सिंह, मुख्य अभियंता नीरज कुमार गौतम, सहायक अभियंता आशीष सिंह व्यक्तिगत रूप से तथा देवीपाटन शक्तिपीठ के महंत योगी मिथिलेशनाथ, चिकित्सा संकाय के अधिष्ठाता डॉ. हरिओम शरण, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के प्रमथनाथ मिश्र ऑनलाइन माध्यम से उपस्थित रहें।

सितम्बर माह की मुख्य बैठकें

06 सितम्बर, 2024 || माननीय कुलपति जी की अध्यक्षता में निम्न विषयों पर बैठक सम्पन्न हुईः–

- माननीय कुलाधिपति व गोरक्षपीठाधीश्वर पूज्य श्री योगी आदित्यनाथ जी महाराज, माननीय मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार के परिसर में प्रस्तावित थाना सोनबरसा की भूमि पूजन व उपरगामी सेतु के लोकार्पण हेतु निर्धारित कार्यक्रम पर विचार–विमर्श किया गया।
- पूज्य महाराज जी के निर्धारित कार्यक्रम के दृष्टिगत विश्वविद्यालय के समस्त प्राचार्य, अधिष्ठाता व विभागाध्यक्ष को अपने–अपने कॉलेज, संकाय, विभाग व चिकित्सालय की समुचित साफ–सफाई कराये जाने का निर्देश दिया गया।
- सभी सम्बन्धितों को अपने–अपने कॉलेज, संकाय व विभाग में कार्यस्थल पर उपलब्ध रहने का निर्देश दिया गया जिससे पूज्य महाराज जी के विश्वविद्यालय के किसी कॉलेज/संकाय के निरीक्षण की इच्छा व्यक्त करने पर निरीक्षण कराया जा सके।

07 सितम्बर, 2024 || माननीय कुलपति जी की अध्यक्षता में निम्न विषय पर बैठक सम्पन्न हुईः–

- सत्र 2024–25 से प्रारम्भ हो रहे एम.बी.बी.एस. के नये पाठ्यक्रम के दृष्टिगत आयुर्वेद भवन में कक्षाओं के संचालन पर विस्तृत रुप से विचार–विमर्श किया गया तथा प्राचार्य, आयुर्वेद कॉलेज, अधिष्ठाता, सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय, अधिष्ठाता, कृषि संकाय, प्राचार्य फार्मेसी कॉलेज व डॉ. सुमित कुमार एम., सह आचार्य से अपेक्षा की गई कि आपसी समन्वय कर आवश्यकता के अनुसार कक्षाओं का संचालन किए जाने हेतु रुपरेखा तैयार कर माननीय कुलपति जी के अवलोकनार्थ प्रस्तुत की जाए।

12 सितम्बर, 2024 || माननीय कुलपति जी की अध्यक्षता में निम्न विषय पर बैठक सम्पन्न हुईः–

- कुलसचिव द्वारा समस्त प्राचार्य एवं अधिष्ठाता को चुनाव आचार संहिता, मतदाता आवेदन प्रजीकरण, कक्षा प्रतिनिधि के चयन, ऑनलाईन मतदान के सम्बन्ध में विस्तृत चर्चा कर जानकारी दी गई तथा मुख्य चुनाव अधिकारी, डॉ. विमल कुमार दूबे से अपेक्षा की गई कि निर्धारित समय–सारिणी के अनुसार समस्त कार्यवाही पूर्ण करायी जाए।

12 सितम्बर, 2024 || कुलसचिव महोदय की अध्यक्षता में निम्न विषयों पर बैठक सम्पन्न हुई।

- एम.बी.बी.एस प्रथम वर्ष की कक्षाओं को सुचारु रुप से संचालित किए जाने की पूर्ण व्यवस्था की जाए।
- एम.बी.बी.एस की कक्षाओं के संचालन हेतु समय–सारिणी तैयार कर ली जाए।
- एम.बी.बी.एस. पाठ्यक्रम के अध्यापन हेतु जूनियर रेजिडेंट के नियुक्ति की कार्यवाही हेतु वेबसाइट पर विज्ञापन दिया जाए।
- डॉ. अरविन्द सिंह कुशवाहा, प्राचार्य, मेडिकल कॉलेज को सुझाव दिया गया कि वे प्राचार्य आयुर्वेद कॉलेज के साथ समन्वय स्थापित कर कक्षाओं/प्रयोगशालाओं के संचालन की कार्यवाही सुनिश्चित करें।

24 सितम्बर, 2024 || उप कुलसचिव (प्रशासन) की अध्यक्षता में छात्रवृत्ति से सम्बन्धित निम्न विषयों पर बैठक सम्पन्न हुई।

- छात्रवृत्ति नोडल अधिकारियों से अपेक्षा की गई कि छात्रवृत्ति पोर्टल पर अपने–अपने कॉलेज/संकाय के पाठ्यक्रमों व शुल्क संरचना का विवरण प्राथमिकता के आधार पर पोर्टल पर लॉक करने की कार्यवाही सुनिश्चित की जाये, जिससे विद्यार्थियों द्वारा आवेदन करते समय कोई असुविधा न होने पाये।
- छात्रवृत्ति नोडल अधिकारियों से आग्रह किया गया कि छात्र हित में छात्रवृत्ति से सम्बन्धित किसी भी प्रकार की आने वाले समस्या के बारे में उप कुलसचिव (प्रशासन) को अवगत कराया जाये जिससे उनके स्तर से प्रभावी कार्यवाही की जा सके।
- अखिल भारतीय उच्चतर शिक्षा सर्वेक्षण (उ.प्र.) से प्राप्त गाइडलाइन के अनुसार एक विश्वविद्यालय एक कोड पर चर्चा की गई तथा उक्त के अनुपालन महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के AISHE Code (U-1196) के सापेक्ष समस्त कालेज/संकायों में सत्र 2024–25 से अध्ययनरत विद्यार्थियों के पाठ्यक्रम एवं शुल्क को छात्रवृत्ति पोर्टल पर प्रदर्शित करने व लॉक करने हेतु जिला समाज कल्याण अधिकारी, गोरखपुर को अनुरोध पत्र प्रेषित किया गया।

- गुरु श्री गोरक्षनाथ स्कूल ऑफ नर्सिंग, गोरखनाथ मन्दिर परिसर गोरखपुर एवं महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय परिसर गोरखपुर में सत्र 2023–24 से अध्ययनरत विद्यार्थियों के छात्रवृत्ति नवीनीकरण हेतु सम्बन्धित छात्रवृत्ति नोडल अधिकारी सुश्री नीतू पाठक व श्री बृजेश कुमार पाण्डेय से प्राथमिकता के आधार पर आवश्यक कार्यवाही किए जाने की अपेक्षा की गई।
- डॉ. सुनील कुमार, अधिष्ठाता, सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय की अध्यक्षता में दिनांक 09 सितम्बर, 2024 को कम्प्यूटर ऑपरेटर दों पर नियुक्ति हेतु चयन समिति की बैठक सम्पन्न हुई।
- माननीय कुलपति जी की अध्यक्षता में दिनांक 12 सितम्बर, 2024 को कुलसचिव पद पर नियुक्ति हेतु चयन समिति की बैठक सम्पन्न हुई।
- माननीय कुलपति जी की अध्यक्षता में दिनांक 17 सितम्बर, 2024 को सहायक आचार्य, अंग्रेजी के पद पर नियुक्ति हेतु चयन समिति की बैठक सम्पन्न हुई।
- माननीय कुलपति जी की अध्यक्षता में दिनांक 17 सितम्बर, 2024 को राष्ट्रीय कैडेट कोर के ए.एन.ओ. पद पर नियुक्ति हेतु चयन समिति की बैठक सम्पन्न हुई।
- डॉ. तरुण श्याम, आई.टी. एडमिनिस्ट्रेटर की अध्यक्षता में वेब डेवलपर पदों पर नियुक्ति हेतु चयन समिति की बैठक सम्पन्न हुई।
- माननीय कुलपति जी की अध्यक्षता में दिनांक 29 सितम्बर, 2024 को विश्वविद्यालय के कार्यपरिषद की बैठक सम्पन्न हुई।

25 सितम्बर, 2024 || माननीय कुलपति जी की अध्यक्षता में निम्न विषय पर बैठक सम्पन्न हुईः–

- बी.ए.एम.एस. की काउन्सिलिंग महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय में स्थापित प्रवेश प्रकोष्ठ में कराए जाने का निर्देश दिया गया।
- बी.ए.एम.एस. की छात्राओं को चिकित्सालय में बने महिला छात्रावास में व छात्रों को महंत गोपालनाथ पुरुष छात्रावास में आवासित कराया जाए।
- एम.बी.बी.एस और बी.ए.एम.एस. का इंडक्शन प्रोग्राम संयुक्त रुप से कराई जाए।
- एम.बी.बी.एस और बी.ए.एम.एस. के लिए संयुक्त कार्ययोजना तैयार कर कक्षाओं एवं प्रयोगशालाओं का संचालन किया जाए।
- क्लास रुम की मंजिल (Floor wise) के अनुसार नम्बरिंग करायी जाए।
- दोनो संकायों के शिक्षकों की संयुक्त बैठक आहुत कर कक्षाओं एवं प्रयोगशालाओं के संचालन हेतु कार्यवाही की जाए।
- डॉ. अरविन्द सिंह कुशवाहा, प्राचार्य, मेडिकल कॉलेज, डॉ. गिरिधर वेदान्तम, आचार्य, आयुर्वेद कॉलेज, डॉ. विमल कुमार दूबे, अधिष्ठाता कृषि संकाय, डॉ. शशिकान्त सिंह, प्राचार्य, फैकल्टी ऑफ फार्मेसी को अधिकृत किया गया कि वे संयुक्त रुप से कक्षाओं एवं प्रयोगशालाओं की संख्या का आकलन कर अग्रिम कार्यवाही हेतु अपनी संस्तुति प्रस्तुत करें।

26 सितम्बर, 2024 || माननीय कुलपति जी की अध्यक्षता में निम्न विषय पर बैठक सम्पन्न हुईः–

- दिनांक 27 सितम्बर, 2024 को भूमि का चिन्हांकन कर लिया जाए।
- भूमि चिन्हाकन के उपरान्त एक सप्ताह के अन्दर बैरिकेटिंग की तैयारी प्रारम्भ कर दी जाए।
- दिनांक 15 अक्टूबर, 2024 तक बैरिकेटिंग का कार्य पूर्ण कर लिया जाए।
- दिनांक 15 अक्टूबर से 15 नवम्बर, 2024 के मध्य खेती की प्रक्रिया पूरी की जाए।

अक्टूबर, 2024 प्रस्तावित कार्ययोजनाएं

विश्वविद्यालय

14–25 अक्टूबर, 2024	द्वितीय आवधिक परीक्षा (वाग्भट्ट बैच)
अक्टूबर 2024	गतिविधियाँ–परियोजना के लिए जेआरए साक्षात्कार, अतिथि व्याख्यान एवं बी. फार्म के लिए आंतरिक सत्र परीक्षा।

अक्टूबर, 2024 प्रस्तावित कार्ययोजनाएं

विभागीय आयोजन

गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस

02 अक्टूबर, 2024	महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री जयंती
10 अक्टूबर, 2024	शैक्षणिक भ्रमण
14–19 अक्टूबर, 2024	द्वितीय आंतरिक परीक्षा (सुश्रुत बैच)
21–26 अक्टूबर, 2024	सप्तम आंतरिक परीक्षा (चरक बैच)
27–29 अक्टूबर, 2024	राष्ट्रीय आयुर्वेद संगोष्ठी

सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय

12–17 अक्टूबर, 2024	द्वितीय आंतरिक मूल्यांकन

कृषि संकाय

15–16 अक्टूबर, 2024	शैक्षणिक भ्रमण (पंचम सेमेस्टर)
15 अक्टूबर, 2024	प्रथम आंतरिक परीक्षा (प्रथम सेमेस्टर)
25 अक्टूबर, 2024	अतिथि व्याख्यान

महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज

3 से 5 अक्टूबर, 2024	तृतीय आतंरिक परीक्षा
15 से 18 अक्टूबर, 2024	मुख्य पूरक परीक्षा (उत्तर प्रदेश स्टेट मेडिकल द्वारा आयोजित)

फॉर्मेसी संकाय

18 अक्टूबर, 2024	आंतरिक परीक्षा (बी फॉर्म प्रथम और तृतीय सेमेस्टर)
25 अक्टूबर, 2024	अतिथि व्याख्यान

गुरू श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग

10 अक्टूबर, 2024	विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस
12 अक्टूबर, 2024	विश्व गठिया दिवस
15 अक्टूबर, 2024	वैश्विक हाथ धुलाई दिवस

समाचार दर्पण

महायोगी गोरखनाथ विवि के दो आचार्यों को 21.36 लाख रुपये का शोध अनुदान

निष्पक्ष प्रतिदिन। गोरखपुर

डॉ शशिकांत सिंह — डॉ. अमित दूबे

वर्तमान अकादमिक सत्र में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम को एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई है। विश्वविद्यालय के दो आचार्यों डॉ. शशिकांत सिंह और डॉ. अमित दूबे को शोध और अनुसंधान कार्य के लिए उत्तर प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (यूपीसीएसटी) की ओर से कुल 21.36 लाख रुपये का अनुदान अनुशंसित हुआ है। ग्रांट के लिए चयनित इन दोनों ही आचार्यों के रिसर्च प्रोजेक्ट किताबी न होकर, जन स्वास्थ्य से जुड़े हैं। डॉ. शशिकांत सिंह महायोगी गोरखननाथ विश्वविद्यालय में संचालित फार्मेसी कॉलेज के प्राचार्य हैं जबकि डॉ. अमित दूबे संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय में जैव प्रौद्योगिकी विभाग के अध्यक्ष। यूपीसीएसटी ने डॉ. शशिकांत सिंह को 15.36 लाख रुपये और डॉ. अमित दूबे को 6 लाख रुपये का शोध-अनुसंधान अनुदान देने का ग्रांट दिया है। दोनों आचार्यों को यूपीसीएसटी की ओर से मिले ग्रांट पर बधाई देते हुए विश्विद्यालय के कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेयी ने कहा है कि यह असाधारण उपलब्धि है। इससे शोध परियोजनाओं को प्रोत्साहन मिलेगा और भविष्य में शोध अन्वेषण के लिए नए नवाचारों के मार्ग प्रशस्त होंगे। कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने कहा की यूपीसीएसटी के शोध अनुदान से विश्वविद्यालय की ख्याति वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित होगी। डॉ. अमित कुमार दूबे को सितोपलादि चूर्ण में उपयोग किये जाने वाले पौधों में पाए जाने वाले पदार्थों की कंप्यूटर जनित प्रोफाइलिंग विषय पर शोध अनुदान अनुशंसित हुआ है। डॉ. अमित ने बताया कि जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में औषधीय पौधों पर अन्वेषकीय कार्य से जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में शोध से नवाचार होगा। डॉ.अमित के दो दर्जन से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय शोध पत्र प्रकाशित हो चुके हैं। उन्होंने जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में इजराइल के एग्रीकल्चर रिसर्च ऑर्गनाइजेशन से तीन वर्ष का शोध कार्य किया है।

महायोगी गोरखनाथ विवि के दो आचार्यों को 21.36 लाख का शोध अनुदान

कार्यालय प्रतिनिधि

गोरखपुर, 4 सितंबर। वर्तमान अकादमिक सत्र में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम को एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई है। विश्वविद्यालय के दो आचार्यों डॉ. शशिकांत सिंह और डॉ. अमित दूबे को शोध और अनुसंधान कार्य के लिए उत्तर प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (यूपीसीएसटी) की ओर से कुल 21.36 लाख रुपये का अनुदान अनुशंसित हुआ है। ग्रांट के लिए चयनित इन दोनों ही आचार्यों के रिसर्च प्रोजेक्ट जन स्वास्थ्य से जुड़े हैं। डॉ. शशिकांत सिंह महायोगी गोरखननाथ विश्वविद्यालय में संचालित फार्मेसी कॉलेज के प्राचार्य हैं जबकि डॉ. अमित दूबे संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय में जैव प्रौद्योगिकी विभाग के अध्यक्ष। यूपीसीएसटी ने डॉ. शशिकांत सिंह को 15.36 लाख रुपये और डॉ. अमित दूबे को 6 लाख रुपये का शोध-अनुसंधान अनुदान देने का ग्रांट दिया है। डॉ. शशिकांत सिंह का शोध विषय 'संभावित एंटीएम्नेसिक एजेंट के रूप में मैंगिफेरिन के नए मैनिच एनालॉग्स के डिजाइन, संश्लेषण और एंजाइम गतिकी अध्ययन' है। शोध विषय वस्तु की व्यावहारिक जानकारी देते हुए डॉ. शशिकांत ने बताया कि 65 वर्ष की आयु के लोगो में यादाश्त की कमजोरी आ जाती है। इसके लिए पूरे विश्व में मात्र 4 दवाएं हैं जो अभी भी शत प्रतिशत कारगर नहीं है। इसलिए अब समय आ गया है कि हम उन लोगों के लिए कुछ करें जो खुद को याद नहीं रख सकते। उनका रिसर्च प्रोजेक्ट इसी पर केंद्रित है। डॉ. अमित कुमार दूबे को सितोपलादि चूर्ण में उपयोग किये जाने वाले पौधों में पाए जाने वाले पदार्थों की कंप्यूटर जनित प्रोफाइलिंग विषय पर शोध अनुदान अनुशंसित हुआ है।

दो आचार्यों को 21.36 लाख रुपये का शोध अनुदान

गोरखपुर : महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के दो आचार्यों डा. शशिकांत सिंह और डा. अमित दूबे को शोध और अनुसंधान कार्य के लिए उत्तर प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (यूपीसीएसटी) की ओर से कुल 21.36 लाख रुपये का अनुदान स्वीकृत हुआ है। ग्रांट के लिए चयनित इन दोनों ही आचार्यों के रिसर्च प्रोजेक्ट किताबी न होकर, जन स्वास्थ्य से जुड़े हैं। डा. शशिकांत सिंह महायोगी गोरखननाथ विश्वविद्यालय में संचालित फार्मेसी कालेज के प्राचार्य हैं, जबकि डा. अमित दूबे संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय में जैव प्रौद्योगिकी विभाग के अध्यक्ष। यूपीसीएसटी ने डा. शशिकांत सिंह को 15.36 लाख रुपये और डा. अमित दूबे को छह लाख रुपये का शोध-अनुसंधान अनुदान देने का ग्रांट दिया है। दोनों आचार्यों को यूपीसीएसटी की ओर से मिले ग्रांट पर कुलपति मेजर जनरल डा. अतुल वाजपेयी और कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव ने बधाई दी। (विज्ञप्ति)

महायोगी गोरखनाथ विवि के दो आचार्यों को 21.36 लाख रुपये का मिला शोध अनुदान

डॉ शशिकांत सिंह को 15.36 लाख और डॉ. अमित दूबे को 6 लाख का ग्रांट

भास्कर ब्यूरो

- जन स्वास्थ्य से जुड़े हैं दोनों आचार्यों के चयनित रिसर्च प्रोजेक्ट

गोरखपुर। वर्तमान अकादमिक सत्र में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम को एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई है। विश्वविद्यालय के दो आचार्यों डॉ. शशिकांत सिंह और डॉ. अमित दूबे को शोध और अनुसंधान कार्य के लिए उत्तर प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (यूपीसीएसटी) की ओर से कुल 21.36 लाख रुपये का अनुदान अनुशंसित हुआ है। ग्रांट के लिए चयनित इन दोनों ही आचार्यों के रिसर्च प्रोजेक्ट किताबी न होकर, जन स्वास्थ्य से जुड़े हैं।

डॉ. शशिकांत सिंह महायोगी गोरखननाथ विश्वविद्यालय में संचालित फार्मेसी कॉलेज के प्राचार्य हैं जबकि डॉ. अमित दूबे संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय में जैव प्रौद्योगिकी विभाग के अध्यक्ष। यूपीसीएसटी ने डॉ. शशिकांत सिंह को 15.36 लाख रुपये और डॉ. अमित दूबे को 6 लाख रुपये का शोध-अनुसंधान अनुदान देने का ग्रांट दिया है। दोनों आचार्यों को यूपीसीएसटी की ओर से मिले ग्रांट पर बधाई देते हुए विश्विद्यालय के कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेयी ने कहा है कि यह असाधारण उपलब्धि है। इससे शोध परियोजनाओं को प्रोत्साहन मिलेगा और भविष्य में शोध अन्वेषण के लिए नए नवाचारों के मार्ग प्रशस्त होंगे। कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने कहा की यूपीसीएसटी के शोध अनुदान से विश्वविद्यालय की ख्याति वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित होगी। डॉ. शशिकांत सिंह का शोध विषय 'संभावित एंटीएम्नेसिक एजेंट के रूप में मैंगिफेरिन के नए मैनिच एनालॉग्स के डिजाइन, संश्लेषण और एंजाइम गतिकी अध्ययन' है। शोध विषय वस्तु की व्यावहारिक जानकारी देते हुए डॉ. शशिकांत ने बताया कि 65 वर्ष की आयु के लोगो में यादाश्त की कमजोरी आ जाती है। इसके लिए पूरे विश्व में मात्र 4 दवाएं हैं जो अभी भी शत प्रतिशत कारगर नहीं है। इसलिए अब समय आ गया है कि हम उन लोगों के लिए कुछ करें जो खुद को याद नहीं रख सकते। उनका रिसर्च प्रोजेक्ट इसी पर केंद्रित है। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर डॉ. शशिकांत सिंह के 12 शोध पत्र प्रकाशित हो चुके हैं।

डॉ. अमित कुमार दूबे को सितोपलादि चूर्ण में उपयोग किये जाने वाले पौधों में पाए जाने वाले पदार्थों की कंप्यूटर जनित प्रोफाइलिंग विषय पर शोध अनुदान अनुशंसित हुआ है। डॉ. अमित ने बताया कि जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में औषधीय पौधों पर अन्वेषकीय कार्य से जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में शोध से नवाचार होगा। डॉ.अमित के दो दर्जन से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय शोध पत्र प्रकाशित हो चुके हैं। उन्होंने जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में इजराइल के एग्रीकल्चर रिसर्च ऑर्गनाइजेशन से तीन वर्ष का शोध कार्य किया है।

महायोगी गोरखनाथ विवि के दो आचार्यों को 21.36 लाख रुपये का शोध अनुदान

संवाददाता

डॉ शशिकांत सिंह — डॉ अमित दूबे

- डॉ शशिकांत सिंह को 15.36 लाख और डॉ. अमित दूबे को 6 लाख का ग्रांट
- जन स्वास्थ्य से जुड़े हैं दोनों आचार्यों के चयनित रिसर्च प्रोजेक्ट

गोरखपुर। वर्तमान अकादमिक सत्र में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम को एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई है। विश्वविद्यालय के दो आचार्यों डॉ. शशिकांत सिंह और डॉ. अमित दूबे को शोध और अनुसंधान कार्य के लिए उत्तर प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (यूपीसीएसटी) की ओर से कुल 21.36 लाख रुपये का अनुदान अनुशंसित हुआ है। ग्रांट के लिए चयनित इन दोनों ही आचार्यों के रिसर्च प्रोजेक्ट किताबी न होकर, जन स्वास्थ्य से जुड़े हैं।

डॉ. शशिकांत सिंह महायोगी गोरखननाथ विश्वविद्यालय में संचालित फार्मेसी कॉलेज के प्राचार्य हैं जबकि डॉ. अमित दूबे संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय में जैव प्रौद्योगिकी विभाग के अध्यक्ष। यूपीसीएसटी ने डॉ. शशिकांत सिंह को 15.36 लाख रुपये और डॉ. अमित दूबे को 6 लाख रुपये का शोध-अनुसंधान अनुदान देने का ग्रांट दिया है। दोनों आचार्यों को यूपीसीएसटी की ओर से मिले ग्रांट पर बधाई देते हुए विश्विद्यालय के कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेयी ने कहा है कि यह असाधारण उपलब्धि है।

इससे शोध परियोजनाओं को प्रोत्साहन मिलेगा और भविष्य में शोध अन्वेषण के लिए नए नवाचारों के मार्ग प्रशस्त होंगे। कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने कहा की यूपीसीएसटी के शोध अनुदान से विश्वविद्यालय की ख्याति वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित होगी। डॉ. शशिकांत सिंह का शोध विषय 'संभावित एंटीएम्नेसिक एजेंट के रूप में मैंगिफेरिन के नए मैनिच एनालॉग्स के डिजाइन, संश्लेषण और एंजाइम गतिकी अध्ययन' है। शोध विषय वस्तु की व्यावहारिक जानकारी देते हुए डॉ. शशिकांत ने बताया कि 65 वर्ष की आयु के लोगो में यादाश्त की कमजोरी आ जाती है। इसके लिए पूरे विश्व में मात्र 4 दवाएं हैं जो अभी भी शत प्रतिशत कारगर नहीं है। इसलिए अब समय आ गया है कि हम उन लोगों के लिए कुछ करें जो खुद को याद नहीं रख सकते। उनका रिसर्च प्रोजेक्ट इसी पर केंद्रित है। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर डॉ. शशिकांत सिंह के 12 शोध पत्र प्रकाशित हो चुके हैं।

डॉ. अमित कुमार दूबे को सितोपलादि चूर्ण में उपयोग किये जाने वाले पौधों में पाए जाने वाले पदार्थों की कंप्यूटर जनित प्रोफाइलिंग विषय पर शोध अनुदान अनुशंसित हुआ है।

डॉ. अमित ने बताया कि जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में औषधीय पौधों पर अन्वेषकीय कार्य से जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में शोध से नवाचार होगा। डॉ.अमित के दो दर्जन से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय शोध पत्र प्रकाशित हो चुके हैं। उन्होंने जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में इजराइल के एग्रीकल्चर रिसर्च ऑर्गनाइजेशन से तीन वर्ष का शोध कार्य किया है।

दो आचार्यों को मिला 21.36 लाख का शोध अनुदान

गोरखनाथ विवि के डॉ. शशिकांत को 15.36 लाख व डॉ. अमित को 6 लाख का ग्रांट

गोरखपुर। वर्तमान अकादमिक सत्र में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम को एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई है। विश्वविद्यालय के दो आचार्यों डॉ. शशिकांत सिंह और डॉ. अमित दूबे को शोध और अनुसंधान कार्य के लिए उत्तर प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (यूपीसीएसटी) की ओर से कुल 21.36 लाख रुपये का अनुदान अनुशंसित हुआ है। ग्रांट के लिए चयनित इन दोनों ही आचार्यों के रिसर्च प्रोजेक्ट किताबी न होकर, जन स्वास्थ्य से जुड़े हैं।

डॉ. शशिकांत सिंह महायोगी गोरखननाथ विश्वविद्यालय में संचालित फार्मेसी कॉलेज के प्राचार्य हैं जबकि डॉ. अमित दूबे संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय में जैव प्रौद्योगिकी विभाग के अध्यक्ष। यूपीसीएसटी ने डॉ. शशिकांत सिंह को 15.36 लाख रुपये और डॉ. अमित दूबे को 6 लाख रुपये का शोध-अनुसंधान अनुदान देने का ग्रांट दिया है। दोनों आचार्यों को यूपीसीएसटी की ओर से मिले ग्रांट पर बधाई देते हुए विश्विद्यालय के कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेयी ने कहा है कि यह असाधारण उपलब्धि है। इससे शोध परियोजनाओं को प्रोत्साहन मिलेगा और भविष्य में शोध अन्वेषण के लिए नए नवाचारों के मार्ग प्रशस्त होंगे। कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने कहा की यूपीसीएसटी के शोध अनुदान से विश्वविद्यालय की ख्याति वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित होगी।

डॉ. शशिकांत सिंह का शोध विषय 'संभावित एंटीएम्नेसिक एजेंट के रूप में मैंगिफेरिन के नए मैनिच एनालॉग्स के डिजाइन, संश्लेषण और एंजाइम गतिकी अध्ययन' है। शोध विषय वस्तु की व्यावहारिक जानकारी देते हुए डॉ. शशिकांत ने बताया कि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर डॉ. शशिकांत सिंह के 12 शोध पत्र प्रकाशित हो चुके हैं।

डॉ. अमित कुमार दूबे को सितोपलादि चूर्ण में उपयोग किये जाने वाले पौधों में पाए जाने वाले पदार्थों की कंप्यूटर जनित प्रोफाइलिंग विषय पर शोध अनुदान अनुशंसित हुआ है। डॉ. अमित ने बताया कि जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में औषधीय पौधों पर अन्वेषकीय कार्य से जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में शोध से नवाचार होगा। डॉ.अमित के दो दर्जन से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय शोध पत्र प्रकाशित हो चुके हैं। उन्होंने जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में इजराइल के एग्रीकल्चर रिसर्च ऑर्गनाइजेशन से तीन वर्ष का शोध कार्य किया है।

समाचार दर्पण

हिन्दुस्तान

नीट की काउंसलिंग के बाद एमबीबीएस व बीडीएस की पहले चक्र की प्रवेश प्रक्रिया पूरी

बीआरडी में एमबीबीएस की तीन गोरखनाथ विवि में बची हैं दो सीटें

नीट काउंसलिंग

34 सीटें खाली हैं महराजगंज के निजी क्षेत्र के मेडिकल कॉलेज केएमसी में

15 सीटें गीडा डेंटल कॉलेज व आजमगढ़ डेंटल कॉलेज में 34 सीटें हैं खाली

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। प्रदेश में चिकित्सा-शिक्षा की राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नीट) काउंसलिंग के बाद पहले चरण की प्रवेश प्रक्रिया पूरी हो गई है। एमबीबीएस और बीडीएस में प्रवेश के लिए छात्रों ने जबरदस्त उत्साह दिखाया है। खास बात यह है कि निजी क्षेत्र के मेडिकल कॉलेज में प्रवेश के लिए भी बड़ी संख्या में छात्र आगे आए हैं। आलम यह है कि पहले चरण की प्रवेश प्रक्रिया के दौरान ही पूर्वी यूपी में बीआरडी मेडिकल कॉलेज समेत छह मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस की 95 फीसदी सीटों पर प्रवेश पूरा हो गया है। इसमें निजी मेडिकल कॉलेज की सीटें भी शामिल हैं। बीडीएस में भी ज्यादातर सीटें पहले चक्र में ही फुल हो गई।

बीआरडी मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस की 150 सीटें हैं। जिसमें राज्य कोटे में एमबीबीएस की 122 सीटें शामिल हैं। पहले चक्र में राज्य कोटे की सीटों पर काउंसलिंग व प्रवेश हुआ। बीआरडी मेडिकल कॉलेज में पांच कॉलेज की प्रवेश प्रक्रिया पूरी की गई। जिसमें दो निजी क्षेत्र के मेडिकल कॉलेज हैं। दोनों में एमबीबीएस की सीटों में पहली बार प्रवेश हुआ। बीआरडी में हुई प्रवेश प्रक्रिया में बीआरडी की 122 सीटों के अलावा निजी क्षेत्र के गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज की 50, महराजगंज के केएमसी मेडिकल कॉलेज की 150 सीटें शामिल रहीं। इसके अलावा बीडीएस में गीडा स्थित पूर्वांचल डेंटल कॉलेज की 100 और आजमगढ़ डेंटल कॉलेज की 50 सीट पर प्रवेश हुआ।

बीते दो सितंबर से पांच सितंबर तक चली प्रवेश प्रक्रिया के बाद बीआरडी मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस की तीन, केएमसी में 34 और गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज में दो सीटें ही बची हैं। पूर्वांचल डेंटल कॉलेज में बीडीएस की 85% सीटें भर गई हैं। आजमगढ़ डेंटल कॉलेज में 50 सीटों के सापेक्ष 14 प्रवेश हुए हैं। इस प्रवेश प्रक्रिया में छात्र अनुभाग के प्रभारी डॉ अभय पांडेय, वरिष्ठ सहायक सोलोमन के अलावा चार शिक्षक, पांच क्लर्क और तीन सहायक कर्मी शामिल रहे।

बीआरडी में प्रवेश लेने पहुंचे छात्रों को नियमों की जानकारी देते डॉ.मनोज यादव।

प्रदेश के चिकित्सा संस्थानों में बीआरडी टॉप पांच में शामिल है। यहां बेहतरीन शिक्षकों की टीम के साथ ही उच्च मानक के संसाधन उपलब्ध हैं। इसी वजह से इसको लेकर छात्रों में क्रेज है। बीआरडी के पुरातन छात्र विश्व के चिकित्सा जगत में अपना लोहा मनवा रहे हैं।
-डॉ. राम कुमार जायसवाल, प्राचार्य, बीआरडी मेडिकल कालेज

एमपी शिक्षा परिषद से संचालित संस्थाओं की अलग साख है। यह साख गोरक्षपीठाधीश्वर महंत योगी आदित्यनाथ के चलते है। लोग यहां तीन चीजों से निश्चिंत रहते हैं। पहला चीटिंग नहीं होगी। दूसरा कोई हिडेन चार्ज नहीं होगा और तीसरा परिसर अनुशासित व संस्कारित रहेगा।
- डॉ. प्रदीप राव, कुलसचिव, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय

सर्वाधिक सिद्धार्थनगर व देवरिया में सबसे कम बची हैं सीटें

गोरखपुर-बस्ती मंडल के दूसरे जनपदों के बात करें तो सबसे ज्यादा एमबीबीएस की सीटें सिद्धार्थनगर के मेडिकल कॉलेज में बची हैं। यहां मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस की 100 सीटें हैं। जिसमें राज्य कोटा में 85 सीटें आती हैं। पहले चक्र की काउंसलिंग और प्रवेश के बाद अभी यहां 19 सीट रिक्त हैं। बस्ती मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस की 100 में से 85 सीट ही राज्य कोटा में है। जिसमें 79 सीटों पर प्रवेश हो चुका है। देवरिया के मेडिकल कालेज में अब तक 77 छात्र छात्राओं ने प्रवेश लिया है। कुशीनगर मेडिकल कालेज में भी 80 फीसदी सीटें फुल हो गई हैं।

विवि का भ्रमण कर किसानों ने ली श्रीअन्न की जानकारी

लोक भारती न्यूज ब्यूरो

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में संचालित कृषि संकाय के द्वारा उत्तर प्रदेश श्रीअन्न पुनरोद्धार कार्यक्रम (2024-25) के तहत कृषक-कृषि विशेषज्ञ संवाद और किसान भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें जनपद बलरामपुर के 50 किसान बंधुओं ने श्रीअन्न के अंतर्गत आने वाले अनाजों के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की और वैज्ञानिक पद्धति से श्रीअन्न के उत्पादन के विधियों को जानने के साथ इसकी उपयोगिता को समझा।

.इस अवसर पर कृषि संकाय के अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दूबे ने किसानों को श्रीअन्न के उत्पादन के लिए प्रोत्साहित किया। संवाद के दौरान उन्होंने इस बात को इंगित किया कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कृषि संकाय की संचालन की परिकल्पना पूर्वांचल क्षेत्र के कृषि एवं किसानों के उत्थान में निहित है।

कार्यक्रम में कृषि संकाय के सहायक आचार्य डॉ. कुलदीप सिंह ने मोटे अनाज (रागी, बाजरा, कोदो) की पैदावार विधि के साथ उर्वरक, सिंचाई, प्रजातियों के चयन, उत्पाद प्रसंस्करण की विस्तृत जानकारी किसानो को उपलब्ध करायी। कृषि संकाय के डॉ. नवनीत कुमार सिंह ने किसानों को सब्जियों के उत्पादन, प्रबन्धन व प्रसंस्करण से तैयार उत्पादों की जानकारी दी। डॉ. आयुष कुमार पाठक ने किसानों को विश्वविद्यालय परिसर का भ्रमण कराते हुए श्रीअन्न से जुड़े सरकारी योजनाओं व आर्थिकी की जानकारी प्रदान की। डॉ. विकास कुमार यादव ने श्रीअन्न में लगने वाले पादप रोगो के लक्षण व उसके निदान की संपूर्ण जानकारी किसानो को उपलब्ध कराई।

महायोगी गोरखनाथ विवि का भ्रमण कर किसानों ने ली श्रीअन्न की जानकारी

भास्कर ब्यूरो

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में संचालित कृषि संकाय के द्वारा उत्तर प्रदेश श्रीअन्न पुनरोद्धार कार्यक्रम (2024-25) के तहत कृषक-कृषि विशेषज्ञ संवाद और किसान भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें जनपद बलरामपुर के 50 किसान बंधुओं ने श्रीअन्न के अंतर्गत आने वाले अनाजों के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की और वैज्ञानिक पद्धति से श्रीअन्न के उत्पादन के विधियों को जानने के साथ इसकी उपयोगिता को समझा।

इस अवसर पर कृषि संकाय के अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दूबे ने किसानों को श्रीअन्न के उत्पादन के लिए प्रोत्साहित किया। संवाद के दौरान उन्होंने इस बात को इंगित किया कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कृषि संकाय की संचालन की परिकल्पना पूर्वांचल क्षेत्र के कृषि एवं किसानों के उत्थान में निहित है। कार्यक्रम में कृषि संकाय के सहायक आचार्य डॉ. कुलदीप सिंह ने मोटे अनाज (रागी, बाजरा, कोदो) की पैदावार विधि के साथ उर्वरक, सिंचाई, प्रजातियों के चयन, उत्पाद प्रसंस्करण की विस्तृत जानकारी किसानो को उपलब्ध करायी। कृषि संकाय के डॉ. नवनीत कुमार सिंह ने किसानों को सब्जियों के उत्पादन, प्रबन्धन व प्रसंस्करण से तैयार उत्पादों की जानकारी दी। डॉ. आयुष कुमार पाठक ने किसानों को विश्वविद्यालय परिसर का भ्रमण कराते हुए श्रीअन्न से जुड़े सरकारी योजनाओं व आर्थिकी की जानकारी प्रदान की।

विवि पहुंचा किसानों का दल ली श्रीअन्न की जानकारी

गोरखनाथ विवि

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में संचालित कृषि संकाय प्रदेश में श्रीअन्न पुनरोद्धार कार्यक्रम से जुड़ गया है। इसके तहत शनिवार को कृषक-कृषि विशेषज्ञ संवाद और किसान भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें बलरामपुर के 50 किसानों के दल ने श्रीअन्न के अंतर्गत आने वाले अनाजों के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। वैज्ञानिक पद्धति से श्रीअन्न के उत्पादन के विधियों को जानने के साथ इसकी उपयोगिता को समझा।

इस अवसर पर कृषि संकाय के अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दूबे ने किसानों को श्रीअन्न के उत्पादन के लिए प्रोत्साहित किया। सहायक आचार्य डॉ. कुलदीप सिंह ने मोटे अनाज (रागी, बाजरा, कोदो) की पैदावार विधि के साथ उर्वरक, सिंचाई, प्रजातियों के चयन, उत्पाद प्रसंस्करण की विस्तृत जानकारी किसानों को उपलब्ध कराई। डॉ. नवनीत कुमार सिंह ने किसानों को सब्जियों के उत्पादन, प्रबन्धन व प्रसंस्करण से तैयार उत्पादों की जानकारी दी।

डॉ. आयुष कुमार पाठक ने किसानों को विश्वविद्यालय परिसर का भ्रमण कराते हुए श्रीअन्न से जुड़े सरकारी योजनाओं व आर्थिकी की जानकारी प्रदान की। डॉ. विकास कुमार यादव ने श्रीअन्न में लगने वाले पादप रोगो के लक्षण व उसके निदान की संपूर्ण जानकारी किसानों को उपलब्ध कराई।

समाचार दर्पण

महायोगी गोरखनाथ विवि का भ्रमण कर किसानों ने ली श्री अन्न की जानकारी

संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में संचालित कृषि संकाय के द्वारा उत्तर प्रदेश श्रीअन्न पुनरोद्धार कार्यक्रम (2024–25) के तहत कृषक–कृषि विशेषज्ञ संवाद और किसान भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें जनपद बलरामपुर के 50 किसान बंधुओं ने श्रीअन्न के अंतर्गत आने वाले अनाजों के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की और वैज्ञानिक पद्धति से श्रीअन्न के उत्पादन के विधियों को जानने के साथ इसकी उपयोगिता को समझा। इस अवसर पर कृषि संकाय के अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दूबे ने किसानों को श्रीअन्न के उत्थान में निहित है। कार्यक्रम कराया। कृषि संकाय के डॉ. नवनीत कुमार सिंह ने किसानों को सब्जियों के उत्पादन, प्रबन्धन व प्रसंस्करण से तैयार उत्पादों की जानकारी दी। डॉ. आयुष कुमार पाठक ने किसानों को विश्वविद्यालय परिसर का भ्रमण कराते हुए श्रीअन्न से जुड़े सरकारी योजनाओं व आर्थिकी की जानकारी प्रदान की। डॉ. विकास कुमार यादव ने श्रीअन्न में लगने वाले पादप रोगो के लक्षण व उसके निदान की संपूर्ण जानकारी किसानो को उपलब्ध कराई।

के उत्पादन के लिए प्रोत्साहित किया। संवाद के दौरान उन्होंने इस बात को इंगित किया कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कृषि संकाय की संचालन की परिकल्पना पूर्वांचल क्षेत्र के कृषि एवं किसानों में कृषि संकाय के सहायक आचार्य डॉ. कुलदीप सिंह ने मोटे अनाज (रागी, बाजरा, कोदो) की पैदावार विधि के साथ उर्वरक, सिंचाई, प्रजातियों के चयन, उत्पाद प्रसंस्करण की विस्तृत जानकारी किसानो को उपलब्ध

किसानों ने ली श्रीअन्न की जानकारी

गोरखपुर (एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विवविद्यालय में संचालित कृषि संकाय के द्वारा उत्तर प्रदेश श्रीअन्न पुनरोद्धार कार्यक्रम (2024-25) के तहत कृषक-कृषि विशेषज्ञ संवाद और किसान भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें जनपद बलरामपुर के 50 किसान बंधुओं ने श्रीअन्न के अंतर्गत आने वाले अनाजों के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की और वैज्ञानिक पद्धति से श्रीअन्न के उत्पादन के विधियों को जानने के साथ इसकी उपयोगिता को समझा।

महायोगी गोरखनाथ विवि

- मोटे अनाज की पैदावार की विधि से लगायत उर्वरक, सिंचाई और प्रजातियों के चयन को लेकर बलरामपुर से आये दर्जनों किसानों को दी गयी विस्तृत जानकारी

इस अवसर पर कृषि संकाय के अधिष्ठाता डा. विमल कुमार दूबे ने किसानों को श्रीअन्न के उत्पादन के लिए प्रोत्साहित किया। संवाद के दौरान उन्होंने इस बात को इंगित किया कि महायोगी गोरखनाथ विवविद्यालय के कृषि संकाय की संचालन की परिकल्पना पूर्वांचल क्षेत्र के कृषि एवं किसानों के उत्थान में निहित है। कृषि संकाय के सहायक आचार्य डॉ. कुलदीप सिंह ने मोटे अनाज (रागी, बाजरा, कोदो) की पैदावार विधि के साथ उर्वरक, सिंचाई, प्रजातियों के चयन, उत्पाद प्रसंस्करण की विस्तृत जानकारी किसानों को उपलब्ध करायी। डॉ. नवनीत कुमार सिंह ने किसानों को सब्जियों के उत्पादन, प्रबन्धन व प्रसंस्करण से तैयार उत्पादों की जानकारी दी। डॉ. आयुष कुमार पाठक ने किसानों को विश्वविद्यालय परिसर का भ्रमण कराते हुए श्रीअन्न से जुड़े सरकारी योजनाओं व आर्थिकी की जानकारी प्रदान की। डॉ. विकास कुमार यादव ने श्रीअन्न में लगने वाले पादप रोगों के लक्षण व उसके निदान की संपूर्ण जानकारी किसानों को उपलब्ध कराई।

महायोगी गोरखनाथ विवि में 'कृषि में उद्यमिता' विषय पर व्याख्यान का आयोजन

संवाददाता

गोरखपुर, 10 सितंबर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय

गोरखपुर के अंतर्गत संचालित कृषि संकाय में ''कृषि में उद्यमिता'' के विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में डॉ अजय कुमार तिवारी, प्रधान वैज्ञानिक, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली उपस्थित रहे। कार्यक्रम में कृषि संकाय के छात्रों को संबोधित करते हुए डॉ अजय कुमार तिवारी ने कृषि में कौशल विकास की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए छात्रों से पठन-पाठन के साथ कृषि के क्षेत्र में हो रहे नित नवाचार के साथ उद्यमिता सम्बन्धित पाठ्यक्रमों के बारे में जानकारी रखने के लिए कहा। डॉ. तिवारी ने सामयिक विषयों पर चर्चा करते हुए जनसंख्या वृद्धि, मौसम परिवर्तन, शहरीकरण के प्रभाव के कारण कृषि क्षेत्र में हो रहे परिवर्तन व राष्ट्रीय शिक्षा निति 2020 में कौशल विकास के अनुपालन सम्बंधी जानकारी विद्यार्थियों के साथ साझा की और समस्त विद्यार्थियों में एक न एक कृषि संबंधित हुनर होने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ विमल कुमार दुबे अधिष्ठाता, कृषि संकाय ने किया। कार्यक्रम में कृषि संकाय के सहायक आचार्य डॉ कुलदीप सिंह, डॉ विकास कुमार यादव, डॉ आयुष कुमार पाठक, डॉ सास्वती प्रेम कुमारी, डॉ नवनीत कुमार सिंह एवं कृषि

कृषि में उद्यमिता विषय पर आयोजित हुआ व्याख्यान

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित कृषि संकाय में कृषि में उद्यमिता के विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में डॉ अजय कुमार तिवारी, प्रधान वैज्ञानिक, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में कृषि संकाय के छात्रों को संबोधित करते हुए डॉ अजय कुमार तिवारी ने कृषि में कौशल विकास की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए छात्रों से पठन-पाठन के साथ कृषि के क्षेत्र में हो रहे नित नवाचार के साथ उद्यमिता सम्बन्धित पाठ्यक्रमों के बारे में जानकारी रखने के लिए कहा। डॉ. तिवारी ने सामयिक विषयों पर चर्चा करते हुए जनसंख्या वृद्धि, मौसम परिवर्तन, शहरीकरण के प्रभाव के कारण कृषि क्षेत्र में हो रहे परिवर्तन व राष्ट्रीय शिक्षा निति 2020 में कौशल विकास के अनुपालन सम्बंधी जानकारी विद्यार्थियों के साथ साझा की और समस्त विद्यार्थियों में एक न एक कृषि संबंधित हुनर होने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ विमल कुमार दुबे अधिष्ठाता, कृषि संकाय ने किया। कार्यक्रम में कृषि संकाय के सहायक आचार्य डॉ कुलदीप सिंह, डॉ विकास कुमार यादव, डॉ आयुष कुमार पाठक, डॉ सास्वती प्रेम कुमारी, डॉ नवनीत कुमार सिंह एवं कृषि संकाय के समस्त विद्यार्थी उपस्थित रहें।

किसानों को दी गई श्रीअन्न की जानकारी

गोरखपुर: महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में संचालित कृषि संकाय की ओर से शनिवार को उत्तर प्रदेश श्रीअन्न पुनरोद्धार कार्यक्रम (2024-25) के तहत कृषक-कृषि विशेषज्ञ संवाद और किसान भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें बलरामपुर जिले के 50 किसानों ने श्रीअन्न के अंतर्गत आने वाले अनाजों के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की और वैज्ञानिक पद्धति से इसके उत्पादन के विधियों को जानने के साथ इसकी उपयोगिता को समझा। इस अवसर पर कृषि संकाय के अधिष्ठाता डा. विमल कुमार दुबे ने किसानों को श्रीअन्न के उत्पादन के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में कृषि संकाय के सहायक आचार्य डा. कुलदीप सिंह, डा. नवनीत कुमार सिंह, डा. आयुष कुमार पाठक, डा. विकास कुमार यादव आदि मौजूद रहे। विज्ञप्ति

'कृषि में उद्यमिता' विषय पर व्याख्यान का आयोजन

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित कृषि संकाय में ''कृषि में उद्यमिता'' के विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया।इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में डॉ अजय कुमार तिवारी, प्रधान वैज्ञानिक, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली उपस्थित रहे।कार्यक्रम में कृषि संकाय के छात्रों को संबोधित करते हुए डॉ अजय कुमार तिवारी ने कृषि में कौशल विकास की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए छात्रों से पठन-पाठन के साथ कृषि के क्षेत्र में हो रहे नित नवाचार के साथ उद्यमिता सम्बन्धित पाठ्यक्रमों के बारे में जानकारी रखने के लिए कहा। डॉ. तिवारी ने सामयिक विषयों पर चर्चा करते हुए जनसंख्या वृद्धि, मौसम परिवर्तन, शहरीकरण के प्रभाव के कारण कृषि क्षेत्र में हो रहे परिवर्तन व राष्ट्रीय शिक्षा निति 2020 में कौशल विकास के अनुपालन सम्बंधी जानकारी विद्यार्थियों के साथ साझा की और समस्त विद्यार्थियों में एक न एक कृषि संबंधित हुनर होने के लिए प्रेरित किया।

छात्रों में एक न एक कृषि संबंधित हुनर होने के लिए किया प्रेरित

गोरखपुर (एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के तहत संचालित कृषि संकाय में 'कृषि में उद्यमिता' के विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में डा. अजय कुमार तिवारी प्रधान वैज्ञानिक, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली मौजूद रहे।

- महायोगी गोरखनाथ विवि में 'कृषि में उद्यमिता' विषय पर व्याख्यान

कृषि संकाय के छात्रों को संबोधित करते हुए डा. तिवारी ने कृषि में कौशल विकास की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए छात्रों से पठन-पाठन के साथ कृषि के क्षेत्र में हो रहे नित नवाचार के साथ उद्यमिता सम्बन्धित पाठ्यक्रमों के बारे में जानकारी रखने के लिए कहा। डा. तिवारी ने सामयिक विषयों पर चर्चा करते हुए जनसंख्या वृद्धि, मौसम परिवर्तन, शहरीकरण के प्रभाव के कारण कृषि क्षेत्र में हो रहे परिवर्तन व राष्ट्रीय शिक्षा निति 2020 में कौशल विकास के अनुपालन सम्बंधी जानकारी छात्रों के साथ साझा की और समस्त छात्रों में एक न एक कृषि संबंधित हुनर होने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डा. विमल कुमार दुबे अधिष्ठाता कृषि संकाय ने किया। इस दौरान सहायक आचार्य डा. कुलदीप सिंह, डा. विकास कुमार यादव, डा. आयुष कुमार पाठक, डा. सास्वती प्रेम कुमारी, डा. नवनीत कुमार सिंह एवं कृषि संकाय के समस्त छात्रगण उपस्थित रहें।

कृषिमेंकौशलविकासकी उपयोगी

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता । महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित कृषि संकाय में कृषि में उद्यमिता के विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में नई दिल्ली स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. अजय कुमार तिवारी उपस्थित रहे।

कृषि संकाय के छात्रों को संबोधित करते हुए डॉ. अजय कुमार तिवारी ने कृषि में कौशल विकास की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए छात्रों से पठन-पाठन के साथ कृषि के क्षेत्र में हो रहे नित नवाचार के साथ उद्यमिता संबंधित पाठ्यक्रमों के बारे में जानकारी रखने के लिए कहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. विमल कुमार दुबे अधिष्ठाता, कृषि संकाय ने किया। कार्यक्रम में कृषि संकाय के सहायक आचार्य डॉ. कुलदीप सिंह, डॉ. विकास कुमार यादव, डॉ. आयुष कुमार पाठक आदि मौजूद थे ।

समाचार दर्पण

गोरखनाथ विश्वविद्यालय का निरीक्षण करते प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा एमपी अग्रवाल। इस दौरान विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव भी मौजूद रहे।

रोल मॉडल बनने को अग्रसर है महायोगी गोरखनाथ विवि

निरीक्षण

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय का इंफ्रास्ट्रक्चर, शैक्षिक गुणवत्ता और परिसर संस्कृति शिक्षण संस्थानों के लिए अनुकरणीय है। स्थापना के मात्र तीन सालों में ही यह विश्वविद्यालय उच्च और रोजगारपरक शिक्षा के क्षेत्र में रोल मॉडल बनने की तरफ अग्रसर है। यह कहना है उच्च शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव एमपी अग्रवाल का।

उन्होंने शुक्रवार को महायोगी गोरखनाथ विवि का निरीक्षण किया। उन्होंने विवि परिसर, अवस्थापना सुविधाओं, शिक्षण पद्धति का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि किसी भी उच्च शिक्षण संस्थान के लिए यह विवि मानक बन सकता है। प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा ने भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक डॉ. जीएन सिंह, क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी डॉ. अश्वनी मिश्रा, विवि के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी और कुलसचिव डॉ. प्रदीप राव के साथ आयुर्वेद कॉलेज, नर्सिंग संकाय, पैरामेडिकल संकाय, संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय, फार्मेसी संकाय, कृषि संकाय आदि का निरीक्षण किया। विवि में इसी सत्र से एमबीबीएस की पढ़ाई के लिए नीट काउंसिलिंग से प्रवेश लिए गए हैं। प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा ने एमबीबीएस की कक्षाओं के संचलन को लेकर की गई तैयारियों को भी परखा। कुलपति ने कहा कि विवि का जोर रोजगारपरक शिक्षा के नए आयामों से जुड़ने, शोध-अनुसंधान और नवाचार को आगे बढ़ाने पर है।

कुलसचिव डॉ. प्रदीप राव ने बताया कि स्थापना के पहले से साल से इस विवि ने शोध-अनुसंधान, नवाचार के साथ आत्मनिर्भरतापरक स्टार्टअप के लिए देश की कई ख्यातिलब्ध शिक्षण, चिकित्सकीय संस्थानों, अनुसंधान परिषदों, उद्योग समूहों से एमओयू किया है।

गोरखनाथ विश्वविद्यालय का निरीक्षण करते प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा एमपी अग्रवाल इस दौरान विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव भी मौजूद रहे।

रोल मॉडल बनने को अग्रसर है महायोगी गोरखनाथ विवि

निरीक्षण

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय का इंफ्रास्ट्रक्चर, शैक्षिक गुणवत्ता और परिसर संस्कृति शिक्षण संस्थानों के लिए अनुकरणीय है। स्थापना के मात्र तीन सालों में ही यह विश्वविद्यालय उच्च और रोजगारपरक शिक्षा के क्षेत्र में रोल मॉडल बनने की तरफ अग्रसर है। यह कहना है उच्च शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव एमपी अग्रवाल का।

उन्होंने शुक्रवार को महायोगी गोरखनाथ विवि का निरीक्षण किया। उन्होंने विवि परिसर, अवस्थापना सुविधाओं, शिक्षण पद्धति का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि किसी भी उच्च शिक्षण संस्थान के लिए यह विवि मानक बन सकता है। प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा ने भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक डॉ. जीएन सिंह, क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी डॉ. अश्वनी मिश्रा, विवि के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी और कुलसचिव डॉ. प्रदीप राव के साथ आयुर्वेद कॉलेज, नर्सिंग संकाय, पैरामेडिकल संकाय, संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय, फार्मेसी संकाय, कृषि संकाय आदि का निरीक्षण किया। विवि में इसी सत्र से एमबीबीएस की पढ़ाई के लिए नीट काउंसिलिंग से प्रवेश लिए गए हैं। प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा ने एमबीबीएस की कक्षाओं के संचलन को लेकर की गई तैयारियों को भी परखा। कुलपति ने कहा कि विवि का जोर रोजगारपरक शिक्षा के नए आयामों से जुड़ने, शोध-अनुसंधान और नवाचार को आगे बढ़ाने पर है।

कुलसचिव डॉ. प्रदीप राव ने बताया कि स्थापना के पहले से साल से इस विवि ने शोध-अनुसंधान, नवाचार के साथ आत्मनिर्भरतापरक स्टार्टअप के लिए देश की कई ख्यातिलब्ध शिक्षण,

रोल मॉडल बनने को अग्रसर है महायोगी गोरखनाथ विवि: एमपी अग्रवाल

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय का इंफ्रास्ट्रक्चर, यहां की शैक्षिक गुणवत्ता और परिसर संस्कृति किसी भी शिक्षण संस्थान के लिए अनुकरणीय है। स्थापना के मात्र तीन सालों में ही यह विश्वविद्यालय उच्च और रोजगारपरक शिक्षा के क्षेत्र में रोल मॉडल बनने की तरफ अग्रसर है।

यह बातें उच्च शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव एमपी अग्रवाल ने शुक्रवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम बालापार गोरखपुर के भ्रमण-निरीक्षण के दौरान कही। पूरे विश्वविद्यालय परिसर और यहां की अवस्थापना सुविधाओं, शिक्षण पद्धति आदि का अवलोकन करने के बाद श्री अग्रवाल काफी खुश दिखे। उन्होंने कहा कि किसी भी उच्च शिक्षण संस्थान के लिए यह विश्वविद्यालय मानक बन सकता है। प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा ने भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक डॉ. जीएन सिंह, क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी डॉ. अश्वनी मिश्रा, विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी और कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव के साथ आयुर्वेद कॉलेज, नर्सिंग संकाय, पैरामेडिकल संकाय, संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय, फार्मेसी संकाय, कृषि संकाय आदि का निरीक्षण किया। सभी संकायों के इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ ही उन्होंने यहां शिक्षण पद्धति को भी बारीकी से समझा। विश्वविद्यालय में इसी सत्र से एमबीबीएस की पढ़ाई के लिए नीट कार्डसिलिंग से प्रवेश लिए गए हैं। प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा ने एमबीबीएस की कक्षाओं के संचलन को लेकर की गई तैयारियों को भी परखा और अबतक की व्यवस्थाओं को उत्कृष्ट बताया। उन्होंने कहा कि स्थापना के इतने कम समय में मॉडर्न मेडिकल, आयुर्वेद, नर्सिंग, पैरामेडिकल, फार्मेसी आदि विधाओं के शिक्षण के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट, मान्यता प्राप्त करना और बिना किसी सीट के रिक्त रहे पढ़ाई एक असाधारण उपलब्धि है।

प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा के निरीक्षण के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति ने उन्हें बताया कि इस विश्वविद्यालय का जोर रोजगारपरक शिक्षा के नए आयामों से जुड़ने, शोध-अनुसंधान और नवाचार को आगे बढ़ाने पर है। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने प्रमुख सचिव श्री अग्रवाल को बताया कि स्थापना के पहले से साल से इस विश्वविद्यालय ने शोध-अनुसंधान, नवाचार के साथ आत्मनिर्भरतापरक स्टार्टअप के लिए देश की कई ख्यातिलब्ध शिक्षण, चिकित्सकीय संस्थानों, अनुसंधान परिषदों, उद्योग समूहों से एमओयू किया है। उन्होंने बताया कि इस विश्वविद्यालय में जिन भी पाठ्यक्रमों का संचालन है, वे सभी पूर्ण क्षमता से संचालित हैं। डॉ. राव ने प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा को विश्वविद्यालय की परिसर संस्कृति, कार्य प्रबंधन में छात्र सहभागिता, सामाजिक सरोकारों और भावी कार्ययोजना के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी।

रोल मॉडल बनने को अग्रसर है महायोगी गोरखनाथ विवि : एमपी अग्रवाल

प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा ने किया महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय का भ्रमण-निरीक्षण
स्थापना के अल्पकाल में ही इस विश्वविद्यालय की उपलब्धियां असाधारण : प्रमुख सचिव

प्राम स्वराज्य (संवाददाता)

गोरखपुर, 13 सितंबर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय का इंफ्रास्ट्रक्चर, यहां की शैक्षिक गुणवत्ता और परिसर संस्कृति किसी भी शिक्षण संस्थान के लिए अनुकरणीय है। स्थापना के मात्र तीन सालों में ही यह विश्वविद्यालय उच्च और रोजगारपरक शिक्षा के क्षेत्र में रोल मॉडल बनने की तरफ अग्रसर है। यह बातें उच्च शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव एमपी अग्रवाल ने शुक्रवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम बालापार गोरखपुर के भ्रमण-निरीक्षण के दौरान कही। पूरे विश्वविद्यालय परिसर और यहां की अवस्थापना सुविधाओं, शिक्षण पद्धति आदि का अवलोकन करने के बाद श्री अग्रवाल काफी खुश दिखे। उन्होंने कहा कि किसी भी उच्च शिक्षण संस्थान के लिए यह विश्वविद्यालय मानक बन सकता है। प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा ने भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक डॉ. जीएन सिंह, क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी डॉ. अश्वनी मिश्रा, विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी और कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव के साथ आयुर्वेद कॉलेज, नर्सिंग संकाय, पैरामेडिकल संकाय, संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय, फार्मेसी संकाय, कृषि संकाय आदि का निरीक्षण किया। सभी संकायों के इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ ही उन्होंने यहां शिक्षण पद्धति को भी बारीकी से समझा। विश्वविद्यालय में इसी सत्र से एमबीबीएस की कक्षाओं के संचलन को लेकर की गई तैयारियों को भी परखा और अबतक की व्यवस्थाओं को उत्कृष्ट बताया। उन्होंने कहा कि स्थापना के इतने कम समय में मॉडर्न मेडिकल, आयुर्वेद, नर्सिंग, पैरामेडिकल, फार्मेसी आदि विधाओं के शिक्षण के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट, मान्यता प्राप्त करना और बिना किसी सीट के रिक्त रहे पढ़ाई एक असाधारण उपलब्धि है। प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा के निरीक्षण के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति ने उन्हें बताया कि इस विश्वविद्यालय का जोर रोजगारपरक शिक्षा के नए आयामों से जुड़ने, शोध-अनुसंधान और नवाचार को आगे बढ़ाने पर है। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने प्रमुख सचिव श्री अग्रवाल को बताया कि स्थापना के पहले से साल से इस विश्वविद्यालय ने शोध-अनुसंधान, नवाचार के साथ आत्मनिर्भरतापरक स्टार्टअप के लिए देश की कई ख्यातिलब्ध शिक्षण, चिकित्सकीय संस्थानों, अनुसंधान परिषदों, उद्योग समूहों से एमओयू किया है। उन्होंने बताया कि इस विश्वविद्यालय में जिन भी पाठ्यक्रमों का संचालन है, वे सभी पूर्ण क्षमता से संचालित हैं। डॉ. राव ने प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा को विश्वविद्यालय की परिसर संस्कृति, कार्य प्रबंधन में छात्र सहभागिता, सामाजिक सरोकारों और भावी कार्ययोजना के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी। जन स्वास्थ्य एवं अन्य नागरिक सेवाओं को लेकर विश्वविद्यालय की पहल की प्रमुख सचिव श्री अग्रवाल ने सराहना की।

रोल मॉडल बनने को अग्रसर है महायोगी गोरखनाथ विवि : एमपी अग्रवाल

- प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा ने किया महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय का भ्रमण-निरीक्षण
- स्थापना के अल्पकाल में ही इस विश्वविद्यालय की उपलब्धियां असाधारण : प्रमुख सचिव

गोरखपुर (विधान केसरी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय का इंफ्रास्ट्रक्चर यहां की शैक्षिक गुणवत्ता और परिसर संस्कृति किसी भी शिक्षण संस्थान के लिए अनुकरणीय है। स्थापना के मात्र तीन सालों में ही यह विश्वविद्यालय उच्च और रोजगारपरक शिक्षा के क्षेत्र में रोल मॉडल बनने की तरफ अग्रसर है। यह बातें उच्च शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव एमपी अग्रवाल ने शुक्रवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम बालापार गोरखपुर के भ्रमण-निरीक्षण के दौरान कही। पूरे विश्वविद्यालय परिसर और यहां की अवस्थापना सुविधाओं, शिक्षण पद्धति आदि का अवलोकन करने के बाद श्री अग्रवाल काफी खुश दिखे। उन्होंने कहा कि किसी भी उच्च शिक्षण संस्थान के लिए यह विश्वविद्यालय मानक बन सकता है। प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा ने भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक डॉ. जीएन सिंह, क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी डॉ. अश्वनी मिश्रा, विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी और कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव के साथ आयुर्वेद कॉलेज, नर्सिंग संकाय, पैरामेडिकल संकाय, संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय, फार्मेसी संकाय, कृषि संकाय आदि का निरीक्षण किया। सभी संकायों के इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ ही उन्होंने यहां शिक्षण पद्धति को भी बारीकी से समझा। विश्वविद्यालय में इसी सत्र से एमबीबीएस की पढ़ाई के लिए नीट कार्डसिलिंग से प्रवेश लिए गए हैं। प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा ने एमबीबीएस की कक्षाओं के संचलन को लेकर की गई तैयारियों को भी परखा और अबतक की व्यवस्थाओं को उत्कृष्ट बताया। उन्होंने कहा कि स्थापना के इतने कम समय में मॉडर्न मेडिकल, आयुर्वेद, नर्सिंग, पैरामेडिकल, फार्मेसी आदि विधाओं के शिक्षण के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट, मान्यता प्राप्त करना और बिना किसी सीट के रिक्त रहे पढ़ाई एक असाधारण उपलब्धि है।

प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा के निरीक्षण के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति ने उन्हें बताया कि इस विश्वविद्यालय का जोर रोजगारपरक शिक्षा के नए आयामों से जुड़ने, शोध-अनुसंधान और नवाचार को आगे बढ़ाने पर है। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने प्रमुख सचिव श्री अग्रवाल को बताया कि स्थापना के पहले से साल से इस विश्वविद्यालय ने शोध-अनुसंधान, नवाचार के साथ आत्मनिर्भरतापरक स्टार्टअप के लिए देश की कई ख्यातिलब्ध शिक्षण, चिकित्सकीय संस्थानों, अनुसंधान परिषदों, उद्योग समूहों से एमओयू किया है। उन्होंने बताया कि इस विश्वविद्यालय में जिन भी पाठ्यक्रमों का संचालन है, वे सभी पूर्ण क्षमता से संचालित हैं। डॉ. राव ने प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा को विश्वविद्यालय की परिसर संस्कृति, कार्य प्रबंधन में छात्र सहभागिता, सामाजिक सरोकारों और भावी कार्ययोजना के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी। जन स्वास्थ्य एवं अन्य नागरिक सेवाओं को लेकर विश्वविद्यालय की पहल की प्रमुख सचिव श्री अग्रवाल ने सराहना की।

समाचार दर्पण

'रोल मॉडल बनने को अग्रसर है महायोगी गोरखनाथ विवि'

निष्पक्ष प्रतिदिन | गोरखपुर

▪ प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा ने किया महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय का भ्रमण-निरीक्षण

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय का इंफ्रास्ट्रक्चर, यहां की शैक्षिक गुणवत्ता और परिसर संस्कृति किसी भी शिक्षण संस्थान के लिए अनुकरणीय है। स्थापना के मात्र तीन सालों में ही यह विश्वविद्यालय उच्च और रोजगारपरक शिक्षा के क्षेत्र में रोल मॉडल बनने की तरफ अग्रसर है। यह बातें उच्च शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव एमपी अग्रवाल ने शुक्रवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम बालापार गोरखपुर के भ्रमण-निरीक्षण के दौरान कही। पूरे विश्वविद्यालय परिसर और यहां की अवस्थापना सुविधाओं, शिक्षण पद्धति आदि का अवलोकन करने के बाद श्री अग्रवाल काफी खुश दिखे। उन्होंने कहा कि किसी भी उच्च शिक्षण संस्थान के लिए यह विश्वविद्यालय मानक बन सकता है। प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा ने भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक डॉ. जीएन सिंह, क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी डॉ. अश्वनी मिश्रा, विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी और कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव के साथ आयुर्वेद कॉलेज, नर्सिंग संकाय, पैरामेडिकल संकाय, संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय, फार्मेसी संकाय, कृषि संकाय आदि का निरीक्षण किया। सभी संकायों के इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ ही उन्होंने यहां शिक्षण पद्धति को भी बारीकी से समझा। विश्वविद्यालय में इसी सत्र से एमबीबीएस की पढ़ाई के लिए नीट काउंसिलिंग से प्रवेश लिए गए हैं। प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा ने एमबीबीएस की कक्षाओं के संचलन को लेकर की गई तैयारियों को भी परखा और अबतक की व्यवस्थाओं को उत्कृष्ट बताया। उन्होंने कहा कि स्थापना के इतने कम समय में मॉडर्न मेडिकल, आयुर्वेद, नर्सिंग, पैरामेडिकल, फार्मेसी आदि विधाओं के शिक्षण के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट, मान्यता प्राप्त करना और बिना किसी सीट के रिक्त रहे पढ़ाई एक असाधारण उपलब्धि है। प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा के निरीक्षण के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति ने उन्हें बताया कि इस विश्वविद्यालय का जोर रोजगारपरक शिक्षा के नए आयामों से जुड़ने, शोध-अनुसंधान और नवाचार को आगे बढ़ाने पर है।

रोल मॉडल बनने को अग्रसर है महायोगी गोरखनाथ विवि: एमपी अग्रवाल

सत्य संगम संवाददाता

प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा ने किया महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय का भ्रमण-निरीक्षण

स्थापना के अल्पकाल में ही इस विश्वविद्यालय की उपलब्धियां असाधारण: प्रमुख सचिव

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय का इंफ्रास्ट्रक्चर, यहां की शैक्षिक गुणवत्ता और परिसर संस्कृति किसी भी शिक्षण संस्थान के लिए अनुकरणीय है। स्थापना के मात्र तीन सालों में ही यह विश्वविद्यालय उच्च और रोजगारपरक शिक्षा के क्षेत्र में रोल मॉडल बनने की तरफ अग्रसर है। यह बातें उच्च शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव एमपी अग्रवाल ने शुक्रवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम बालापार गोरखपुर के भ्रमण-निरीक्षण के दौरान कही। पूरे विश्वविद्यालय परिसर और यहां की अवस्थापना सुविधाओं, शिक्षण पद्धति आदि का अवलोकन करने के बाद श्री अग्रवाल काफी खुश दिखे। उन्होंने कहा कि किसी भी उच्च शिक्षण संस्थान के लिए यह विश्वविद्यालय मानक बन सकता है। प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा ने भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक डॉ. जीएन सिंह, क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी डॉ. अश्वनी मिश्रा, विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी और कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव के साथ आयुर्वेद कॉलेज, नर्सिंग संकाय, पैरामेडिकल संकाय, संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय, फार्मेसी संकाय, कृषि संकाय आदि का निरीक्षण किया। सभी संकायों के इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ ही उन्होंने यहां शिक्षण पद्धति को भी बारीकी से समझा। विश्वविद्यालय में इसी सत्र से एमबीबीएस की पढ़ाई के लिए नीट काउंसिलिंग से प्रवेश लिए गए हैं। प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा ने एमबीबीएस की कक्षाओं के संचलन को लेकर की गई तैयारियों को भी परखा और अबतक की व्यवस्थाओं को उत्कृष्ट बताया। उन्होंने कहा कि स्थापना के इतने कम समय में मॉडर्न मेडिकल, आयुर्वेद, नर्सिंग, पैरामेडिकल, फार्मेसी आदि विधाओं के शिक्षण के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट, मान्यता प्राप्त करना और बिना किसी सीट के रिक्त रहे पढ़ाई एक असाधारण उपलब्धि है। प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा के निरीक्षण के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति ने उन्हें बताया कि इस विश्वविद्यालय का जोर रोजगारपरक शिक्षा के नए आयामों से जुड़ने, शोध-अनुसंधान और नवाचार को आगे बढ़ाने पर है। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने प्रमुख सचिव श्री अग्रवाल को बताया कि स्थापना के पहले से साल से इस विश्वविद्यालय ने शोध-अनुसंधान, नवाचार के साथ आत्मनिर्भरतापरक स्टार्टअप के लिए देश की कई ख्यातिलब्ध शिक्षण, चिकित्सकीय संस्थानों, अनुसंधान परिषदों, उद्योग समूहों से एमओयू किया है। उन्होंने बताया कि इस विश्वविद्यालय में जिन भी पाठ्यक्रमों का संचालन है, वे सभी पूर्ण क्षमता से संचालित हैं। डॉ. राव ने प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा को विश्वविद्यालय की परिसर संस्कृति, कार्य प्रबंधन में छात्र सहभागिता, सामाजिक सरोकारों और भावी कार्ययोजना के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी। जन स्वास्थ्य एवं अन्य नागरिक सेवाओं को लेकर विश्वविद्यालय की पहल की प्रमुख सचिव श्री अग्रवाल ने सराहना की।

रोल मॉडल बनने को अग्रसर है महायोगी गोरखनाथ विवि -एमपी अग्रवाल

गोरखपुर, 13 सितंबर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय का इंफ्रास्ट्रक्चर, यहां की शैक्षिक गुणवत्ता और परिसर संस्कृति किसी भी शिक्षण संस्थान के लिए अनुकरणीय है। स्थापना के मात्र तीन सालों में ही यह विश्वविद्यालय उच्च और रोजगारपरक शिक्षा के क्षेत्र में रोल मानक बन सकता है। प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा ने भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक डॉ. जीएन सिंह, क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी डॉ. अश्वनी मिश्रा, विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी और कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव के साथ आयुर्वेद भी परखा और अबतक की व्यवस्थाओं को उत्कृष्ट बताया। प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा के निरीक्षण के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति ने उन्हें बताया कि इस विश्वविद्यालय का जोर रोजगारपरक शिक्षा के नए आयामों से जुड़ने, शोध-अनुसंधान और नवाचार को आगे बढ़ाने पर है। इस अवसर पर

❖प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा ने किया विश्वविद्यालय का भ्रमण-निरीक्षण

मॉडल बनने की तरफ अग्रसर है। यह बातें उच्च शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव एमपी अग्रवाल ने शुक्रवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम बालापार गोरखपुर के भ्रमण-निरीक्षण के दौरान कही। पूरे विश्वविद्यालय परिसर और यहां की अवस्थापना सुविधाओं, शिक्षण पद्धति आदि का अवलोकन करने के बाद श्री अग्रवाल काफी खुश दिखे। उन्होंने कहा कि किसी भी उच्च शिक्षण संस्थान के लिए यह विश्वविद्यालय कॉलेज, नर्सिंग संकाय, पैरामेडिकल संकाय, संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय, फार्मेसी संकाय, कृषि संकाय आदि का निरीक्षण किया। सभी संकायों के इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ ही उन्होंने यहां शिक्षण पद्धति को भी बारीकी से समझा। विश्वविद्यालय में इसी सत्र से एमबीबीएस की पढ़ाई के लिए नीट काउंसिलिंग से प्रवेश लिए गए हैं। प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा ने एमबीबीएस की कक्षाओं के संचलन को लेकर की गई तैयारियों को कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने प्रमुख सचिव श्री अग्रवाल को बताया कि स्थापना के पहले से साल से इस विश्वविद्यालय ने शोध-अनुसंधान, नवाचार के साथ आत्मनिर्भरतापरक स्टार्टअप के लिए देश की कई ख्यातिलब्ध शिक्षण, चिकित्सकीय संस्थानों, अनुसंधान परिषदों, उद्योग समूहों से एमओयू किया है। उन्होंने बताया कि इस विश्वविद्यालय में जिन भी पाठ्यक्रमों का संचालन है, वे सभी पूर्ण क्षमता से संचालित हैं।

रोल मॉडल बनने की ओर अग्रसर है महायोगी गोरखनाथ विवि

प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा एमपी अग्रवाल ने किया निरीक्षण

अमर उजाला ब्यूरो

महायोगी गोरखनाथ विवि का निरीक्षण करते प्रमुख सचिव एमपी अग्रवाल। स्रोत-विवि

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय का इंफ्रास्ट्रक्चर, शैक्षिक गुणवत्ता और परिसर संस्कृति किसी भी शिक्षण संस्थान के लिए अनुकरणीय है। स्थापना के मात्र तीन साल में ही यह विश्वविद्यालय उच्च और रोजगारपरक शिक्षा के क्षेत्र में रोल मॉडल बनने की तरफ अग्रसर है।

ये बातें उच्च शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव एमपी अग्रवाल ने शुक्रवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम बालापार गोरखपुर के भ्रमण-निरीक्षण के दौरान कहीं। पूरे विश्वविद्यालय परिसर और यहां की अवस्थापना सुविधाओं, शिक्षण पद्धति आदि का निरीक्षण करने के बाद प्रमुख सचिव ने कहा कि किसी भी उच्च शिक्षण संस्थान के लिए यह विश्वविद्यालय मानक बन सकता है।

प्रमुख सचिव ने कहा- उच्च शिक्षण संस्थान के लिए विवि बन सकता है मानक

प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा ने भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक डॉ. जीएन सिंह, क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी डॉ. अश्वनी मिश्रा, विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी और कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव के साथ आयुर्वेद कॉलेज, नर्सिंग संकाय, पैरामेडिकल संकाय, संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय, फार्मेसी संकाय, कृषि संकाय आदि का निरीक्षण किया।

कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने प्रमुख सचिव को बताया कि विश्वविद्यालय ने शोध-अनुसंधान, नवाचार के साथ आत्मनिर्भरतापरक स्टार्टअप के लिए देश की कई ख्यातिलब्ध शिक्षण, चिकित्सकीय संस्थानों, अनुसंधान परिषदों, उद्योग समूहों से एमओयू किया है।

रोल मॉडल बनने को अग्रसर है महायोगी गोरखनाथ विवि

गोरखपुर (एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय का इंफ्रास्ट्रक्चरर, शैक्षिक गुणवत्ता और परिसर संस्कृति किसी भी शिक्षण संस्थान के लिए अनुकरणीय है। स्थापना के मात्र तीन सालों में ही यह विश्वविद्यालय उच्च और रोजगारपरक शिक्षा के क्षेत्र में रोल माडल बनने की तरफ अग्रसर है।

■ स्थापना के अल्पकाल में ही इस विश्वविद्यालय की उपलब्धियां असाधारण : प्रमुख सचिव

यह बातें उच्च शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव एमपी अग्रवाल ने शुक्रवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम बालापार गोरखपुर के भ्रमण-निरीक्षण के दौरान कही। पूरे विश्वविद्यालय परिसर और यहां की अवस्थापना सुविधाओं, शिक्षण पद्धति आदि का अवलोकन करने के बाद श्री अग्रवाल ने कहा कि किसी भी उच्च शिक्षण संस्थान के लिए यह विश्वविद्यालय मानक बन सकता है। प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा ने भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक डा. जीएन सिंह, क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी डा. अश्वनी मिश्रा, विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डा. अतुल वाजपेयी और कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव के साथ आयुर्वेद कालेज, नर्सिंग संकाय, पैरामेडिकल संकाय, संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय, फार्मेसी संकाय, कृषि संकाय आदि का निरीक्षण किया। सभी संकायों के इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ ही उन्होंने यहां शिक्षण पद्धति को भी बारीकी से समझा। विश्वविद्यालय में इसी सत्र से एमबीबीएस की पढ़ाई के लिए नीट काउंसिलिंग से प्रवेश लिए गए हैं। प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा ने एमबीबीएस की कक्षाओं के संचलन को लेकर की गई तैयारियों को भी परखा और अबतक की व्यवस्थाओं को उत्कृष्ट बताया। उन्होंने कहा कि स्थापना के इतने कम समय में माडर्न मेडिकल, आयुर्वेद, नर्सिंग, पैरामेडिकल, फार्मेसी आदि विधाओं के शिक्षण के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट, मान्यता प्राप्त करना और बिना किसी सीट के रिक्त रहे पढ़ाई एक असाधारण उपलब्धि है।

प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा के निरीक्षण के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति ने उन्हें बताया कि इस विश्वविद्यालय का जोर रोजगारपरक शिक्षा के नए आयामों से जुड़ने, शोध-अनुसंधान और नवाचार को आगे बढ़ाने पर है। कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव ने प्रमुख सचिव श्री अग्रवाल को बताया कि स्थापना के पहले साल से इस विश्वविद्यालय ने शोध-अनुसंधान, नवाचार के साथ आत्मनिर्भरतापरक स्टार्टअप के लिए देश की कई ख्यातिलब्ध शिक्षण, चिकित्सकीय संस्थानों, अनुसंधान परिषदों, उद्योग समूहों से एमओयू किया है। उन्होंने बताया कि इस विश्वविद्यालय में जिन भी पाठ्यक्रमों का संचालन है, वे सभी पूर्ण क्षमता से संचालित हैं। डा. राव ने प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा को विश्वविद्यालय की परिसर संस्कृति, कार्य प्रबंधन में छात्र सहभागिता, सामाजिक सरोकारों और भावी कार्ययोजना के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी।

प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा ने किया महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय का भ्रमण-निरीक्षण, दिए निर्देश

रोल माडल बनने की ओर गोरखनाथ विश्वविद्यालय : एमपी अग्रवाल

• शैक्षिक गुणवत्ता, परिसर संस्कृति संस्थान के लिए अनुकरणीय

• कुलसचिव डा. प्रदीप राव ने भावी कार्य योजना की दी जानकारी

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय मे निरीक्षण करते प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा एमपी अग्रवाल, साथ मे कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव • सौ.गोरखनाथ विश्वविद्यालय

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : उच्च शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव एमपी अग्रवाल ने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय का ईंफ्रास्ट्रक्चर, यहां की शैक्षिक गुणवत्ता और परिसर संस्कृति किसी भी शिक्षण संस्थान के लिए अनुकरणीय है। स्थापना के मात्र तीन साल में ही यह विश्वविद्यालय उच्च और रोजगारपरक शिक्षा के क्षेत्र में रोल माडल बनने की ओर अग्रसर है। प्रमुख सचिव ने यह बातें शुक्रवार को विश्वविद्यालय के भ्रमण व निरीक्षण के दौरान कहीं।

पूरे विश्वविद्यालय परिसर और यहां की अवस्थापना सुविधाओं, शिक्षण पद्धति आदि का अवलोकन करने के बाद एमपी अग्रवाल काफी खुश दिखे। उन्होंने कहा कि किसी भी उच्च शिक्षण संस्थान के लिए यह विश्वविद्यालय मानक बन सकता है। उन्होंने पूर्व औषधि महानियंत्रक डा. जीएन सिंह, क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी डा. अश्वनी मिश्रा, कुलपति मेजर जनरल डा. अतुल वाजपेयी और कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव के साथ आयुर्वेद कालेज, नर्सिंग संकाय, पैरामेडिकल संकाय, संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय, फार्मेसी संकाय, कृषि संकाय आदि का निरीक्षण किया। सभी संकायों के इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ ही उन्होंने यहां शिक्षण पद्धति को भी बारीकी से समझा। कुलसचिव डा. राव ने प्रमुख सचिव को विश्वविद्यालय को परिसर संस्कृति, कार्य प्रबंधन में छात्र सहभागिता, सामाजिक सरोकारों और भावी कार्ययोजना के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी।

गोवि में निर्माण कार्य का किया निरीक्षण : गोरखपुर : प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा एमपी अग्रवाल ने शुक्रवार को दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में चल रहे विकास कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने प्राचीन इतिहास विभाग के पीछे निर्माणाधीन नए मूल्यांकन भवन का निरीक्षण करते हुए कार्यदायी संस्था को उच्च गुणवत्ता के साथ समय से कार्य पूरा करने का निर्देश दिया। इसी क्रम में वह संत कबीर छात्रावास में बड़े स्तर पर चल रहे मरम्मत कार्यों का भी निरीक्षण करने पहुंचे। वहां का कार्य भी जल्द से जल्द पूरा करने पर जोर दिया गया। कुलसचिव प्रो. शांतनु रस्तोगी, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. अनुभूति दुबे आदि मौजूद रहे।

गुणवत्ता के साथ समय से पूरा कराएं कार्य : प्रमुख सचिव

जासं, सहजनवां : प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा एमपी अग्रवाल ने कहा कि शिक्षा को लेकर सरकार गंभीर है और ग्रामीण क्षेत्रों मे बेहतर शिक्षा दी जा रही है। दीनदयाल उपाध्याय राजकीय महाविद्यालय मे विज्ञान संकाय भवन के निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ ही समय से पूरा कराया जाए। निर्माण कार्य मे कार्यदाई संस्था की तरफ से लापरवाही नही होनी चाहिए। भवन का निर्माण पूरा होते ही शिक्षण सत्र का शुभारंभ किया जाएगा। वह शुक्रवार को नगर मे स्थित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय महाविद्यालय मे निर्माणाधीन विज्ञान संकाय का निरीक्षण कर रहे थे। महाविद्यालय मे करीब 8.75 करोड़ रुपये की लागत से विज्ञान संकाय के लिए भवन का निर्माण कार्यदायी संस्था सीएनडीएस की ओर से कराया जा रहा है। क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी डा.अश्वनी कुमार मिश्रा, सीएनडीएस के परियोजना प्रबंधक विवेक कुमार, प्राचार्य डा. तरन्नुम बानो, जेई सत्येंद्र विश्वकर्मा, डा.उदयभान यादव, डा.दीपक सोनी, ममता गौतम, डा.अंकिता मद्धेशिया, पवन कुमार आदि उपस्थित रहे। पीपीगंज संवाददाता के अनुसार, महंत अवेद्यनाथ राजकीय महाविद्यालय रसूलपुर चकिया मे प्रमुख सचिव ने महाविद्यालय में निर्माणाधीन स्नातक स्तरीय विस्तारित भवन का निरीक्षण किया।

समाचार दर्पण

रोल मॉडल बनने को अग्रसर है महायोगी गोरखनाथ विवि :एमपी अग्रवाल

☞प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा ने किया महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय का भ्रमण–निरीक्षण

☞स्थापना के अल्पकाल में ही इस विश्वविद्यालय की उपलब्धियां असाधारण : प्रमुख सचिव

गोरखपुर, 13 सितंबर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय का इंफ्रास्ट्रक्चर, यहां की शैक्षिक गुणवत्ता और परिसर संस्कृति किसी भी शिक्षण संस्थान के लिए अनुकरणीय है। स्थापना के मात्र तीन सालों में ही यह विश्वविद्यालय उच्च और रोजगारपरक शिक्षा के क्षेत्र में रोल मॉडल बनने की तरफ अग्रसर है। यह बातें उच्च शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव एमपी अग्रवाल ने शुक्रवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम बालापार गोरखपुर के भ्रमण –निरीक्षण के दौरान कही। पूरे विश्वविद्यालय परिसर और यहां की अवस्थापना सुविधाओं, शिक्षण पद्धति आदि का अवलोकन करने के बाद श्री अग्रवाल काफी खुश दिखे। उन्होंने कहा कि किसी भी उच्च शिक्षण संस्थान के लिए यह विश्वविद्यालय मानक बन सकता है। प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा ने भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक डॉ. जीएन सिंह, क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी डॉ. अश्वनी मिश्रा, विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी और कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव के साथ आयुर्वेद कॉलेज, नर्सिंग संकाय, पैरामेडिकल संकाय, संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय, फार्मेसी संकाय, कृषि संकाय आदि का निरीक्षण किया। सभी संकायों के इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ ही उन्होंने यहां शिक्षण पद्धति को भी बारीकी से समझा। विश्वविद्यालय में इसी सत्र से एमबीबीएस की पढ़ाई के लिए नीट काउंसिलिंग से प्रवेश लिए गए हैं। प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा ने एमबीबीएस की कक्षाओं के संचालन को लेकर की गई तैयारियों को भी परखा और अबतक की व्यवस्थाओं को उत्कृष्ट बताया। उन्होंने कहा कि स्थापना के इतने कम समय में मॉडर्न मेडिकल, आयुर्वेद, नर्सिंग, पैरामेडिकल, फार्मेसी आदि विधाओं के शिक्षण के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट, मान्यता प्राप्त करना और बिना किसी सीट के रिक्त रहे पढ़ाई एक असाधारण उपलब्धि है। प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा के निरीक्षण के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति ने उन्हें बताया कि इस विश्वविद्यालय का जोर रोजगारपरक शिक्षा के नए आयामों से जुड़ने, शोध–अनुसंधान और नवाचार को आगे बढ़ाने पर है। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने प्रमुख सचिव श्री अग्रवाल को बताया कि स्थापना के पहले से साल से इस विश्वविद्यालय ने शोध–अनुसंधान, नवाचार के साथ आत्मनिर्भरतापरक स्टार्टअप के लिए देश की कई ख्यातिलब्ध शिक्षण, चिकित्सकीय संस्थानों, अनुसंधान परिषदों, उद्योग समूहों से एमओयू किया है। उन्होंने बताया कि इस विश्वविद्यालय में जिन भी पाठ्यक्रमों का संचालन है, वे सभी पूर्ण क्षमता से संचालित हैं। डॉ. राव ने प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा को विश्वविद्यालय की परिसर संस्कृति, कार्य प्रबंधन में छात्र सहभागिता, सामाजिक सरोकारों और भावी कार्ययोजना के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी। जन स्वास्थ्य एवं अन्य नागरिक सेवाओं को लेकर विश्वविद्यालय की पहल की प्रमुख सचिव श्री अग्रवाल ने सराहना की।

रोल मॉडल बनने को अग्रसर है महायोगी गोरखनाथ विवि : एमपी अग्रवाल

रवि प्रकाश गुप्ता

- प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा ने किया महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय का भ्रमण-निरीक्षण
- स्थापना के अल्पकाल में ही इस विश्वविद्यालय की उपलब्धियां असाधारण : प्रमुख सचिव

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय का इंफ्रास्ट्रक्चर, यहां की शैक्षिक गुणवत्ता और परिसर संस्कृति किसी भी शिक्षण संस्थान के लिए अनुकरणीय है। स्थापना के मात्र तीन सालों में ही यह विश्वविद्यालय उच्च और रोजगारपरक शिक्षा के क्षेत्र में रोल मॉडल बनने की तरफ अग्रसर है। यह बातें उच्च शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव एमपी अग्रवाल ने शुक्रवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम बालापार गोरखपुर के भ्रमण-निरीक्षण के दौरान कही। पूरे विश्वविद्यालय परिसर और यहां की अवस्थापना सुविधाओं, शिक्षण पद्धति आदि का अवलोकन करने के बाद श्री अग्रवाल काफी खुश दिखे। उन्होंने कहा कि किसी भी उच्च शिक्षण संस्थान के लिए यह विश्वविद्यालय मानक बन सकता है। प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा ने भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक डॉ. जीएन सिंह, क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी डॉ. अश्वनी मिश्रा, विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी और कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव के साथ आयुर्वेद कॉलेज, नर्सिंग संकाय, पैरामेडिकल संकाय, संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय, फार्मेसी संकाय, कृषि संकाय आदि का निरीक्षण किया। सभी संकायों के इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ ही उन्होंने यहां शिक्षण पद्धति को भी बारीकी से समझा। विश्वविद्यालय में इसी सत्र से एमबीबीएस की पढ़ाई के लिए नीट काउंसिलिंग से प्रवेश लिए गए हैं। प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा ने एमबीबीएस की कक्षाओं के संचालन को लेकर की गई तैयारियों को भी परखा और अबतक की व्यवस्थाओं को उत्कृष्ट बताया। उन्होंने कहा कि स्थापना के इतने कम समय में मॉडर्न मेडिकल, आयुर्वेद, नर्सिंग, पैरामेडिकल, फार्मेसी आदि विधाओं के शिक्षण के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट, मान्यता प्राप्त करना और बिना किसी सीट के रिक्त रहे पढ़ाई एक असाधारण उपलब्धि है। प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा के निरीक्षण के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति ने उन्हें बताया कि इस विश्वविद्यालय का जोर रोजगारपरक शिक्षा के नए आयामों से जुड़ने, शोध-अनुसंधान और नवाचार को आगे बढ़ाने पर है। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने प्रमुख सचिव श्री अग्रवाल को बताया कि स्थापना के पहले से साल से इस विश्वविद्यालय ने शोध-अनुसंधान, नवाचार के साथ आत्मनिर्भरतापरक स्टार्टअप के लिए देश की कई ख्यातिलब्ध शिक्षण, चिकित्सकीय संस्थानों, अनुसंधान परिषदों, उद्योग समूहों से एमओयू किया है। उन्होंने बताया कि इस विश्वविद्यालय में जिन भी पाठ्यक्रमों का संचालन है, वे सभी पूर्ण क्षमता से संचालित हैं। डॉ. राव ने प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा को विश्वविद्यालय की परिसर संस्कृति, कार्य प्रबंधन में छात्र सहभागिता, सामाजिक सरोकारों और भावी कार्ययोजना के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी। जन स्वास्थ्य एवं अन्य नागरिक सेवाओं को लेकर विश्वविद्यालय की पहल की प्रमुख सचिव श्री अग्रवाल ने सराहना की।

समाचार दर्पण

खुद के सॉफ्टवेयर से चुनाव कराने वाला पहला विवि बना

गोरखनाथ विवि

- अध्यक्ष पद पर पांच प्रत्याशियों ने की दावेदारी, शाम छह बजे से रात दस बजे तक हुआ ऑनलाइन मतदान
- महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के नाम दर्ज हुई एक और उपलब्धि

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के नाम एक और उपलब्धि जुड़ गई है। खुद के बनाए सॉफ्टवेयर से छात्र संसद का ऑनलाइन चुनाव कराने वाला यह देश का पहला विश्वविद्यालय बन गया है। इसके पहले इसी विश्वविद्यालय द्वारा निर्मित सॉफ्टवेयर से छात्रसंघ का ऑनलाइन चुनाव विवि की मातृ संस्था महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद द्वारा संचालित महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज जंगल धूसड़ में कुछ दिनों पूर्व हुआ था। शनिवार को हुए विवि के छात्र संसद के चुनाव में शाम छह बजे से रात दस बजे तक ऑनलाइन मतदान प्रक्रिया पूरी की गई।

छात्र संसद चुनाव के लिए मुख्य निर्वाचन अधिकारी बनाए गए डॉ. विमल कुमार दूबे ने बताया कि चुनाव प्रक्रिया बीते शुक्रवार (13 सितंबर) को 24 विषयों के 54 कक्षा प्रतिनिधियों के, उनकी शैक्षिक योग्यता अनुसार चयन के साथ प्रारम्भ हुई। अध्यक्ष पद पर आकाश चौधरी, अनिकेत मल्ल, अमित यादव, अश्विनी एवं दीनदयाल गुप्ता ने नामांकन किया। वहीं, उपाध्यक्ष पद पर बादल पटेल, आर्यन यादव, सृष्टि यादव एवं आदित्य रंजन और महामंत्री पद पर प्रिंस कुमार चौरसिया, सुंदरी, समीक्षा कुमारी एवं श्रेया पांडेय तथा पुस्तकालय मंत्री पद पर अनामिका पांडेय व अदिति वर्मा ने नामांकन कर अपनी दावेदारी प्रस्तुत की। शनिवार की सुबह 10 बजे तक नामांकन वापस लेने की समय सीमा समाप्त होने के बाद निर्वाचन अधिकारी ने सभी योग्य प्रत्याशियों के नाम की घोषणा कर दी। चुनाव अधिकारी ने बताया कि समस्त प्रत्याशियों के पांच मिनट के योग्यता भाषण का वीडियो क्लिप विद्यार्थियों के से साझा किया गया। प्रत्याशियों ने अपने योग्यता भाषण में विश्वविद्यालय में शैक्षणिक वातावरण के साथ-साथ पठन-पाठन हेतु उत्तम व्यवस्था के लिए संसाधनों की उपयोगिता पर बल देते हुए अपना एजेंडा पेश किया। इसके बाद शाम छह बजे से आनलाइन मतदान शुरू हुआ, जो रात दस बजे तक चला। मतदान में भाग लेने के लिए पंजीकृत मतदाताओं को उनके मोबाइल नंबर पर एक ओटीपी के जरिये लिंक मिला, जिसे लागिन कर छात्रों ने वोट दिया। चुनाव परिणाम विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जारी किया जाएगा। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव ने बताया कि विश्वविद्यालय के समस्त सृजनात्मक क्षमताओं के विकास के साथ शैक्षणिक वातावरण, अनुशासन एवं परिसर संस्कृति में छात्रों की उपयोगिता सिद्ध करने के लिए पारंपरिक छात्रसंघ की बजाय छात्र संसद की अवधारणा विकसित की गई है।

गोरखनाथ विश्वविद्यालय में छात्र संसद का हुआ आनलाइन चुनाव

स्वनिर्मित साफ्टवेयर से पूरी हुई प्रक्रिया, आज आएगा परिणाम

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय।

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की परिसर संस्कृति के नाम एक और उपलब्धि जुड़ गई है। खुद के बनाए साफ्टवेयर से छात्र संसद का आनलाइन चुनाव कराने वाला यह देश का पहला विश्वविद्यालय बन गया है। इसके पहले इसी विश्वविद्यालय द्वारा निर्मित साफ्टवेयर से विश्वविद्यालय की मातृ संस्था महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद द्वारा संचालित महाराणा प्रताप पीजी कालेज जंगल धूसड़ में कुछ दिनों पूर्व हुआ आनलाइन चुनाव सम्पन्न हो चुका है। शनिवार को हुए विश्वविद्यालय के छात्र संसद के चुनाव में शाम छह बजे से रात दस बजे तक आनलाइन मतदान प्रक्रिया पूरी की गई। परिणाम रविवार को घोषित किया जाएगा।

विश्वविद्यालय के मुख्य निर्वाचन अधिकारी डा. विमल कुमार दुबे ने बताया कि चुनाव प्रक्रिया बीते शुक्रवार को 24 विषयों के 54 कक्षा प्रतिनिधियों के उनके शैक्षिक योग्यता अनुसार चयन के साथ शुरू हुई। उन्होंने बताया कि अध्यक्ष पद पर आकाश चौधरी, अनिकेत मल्ल, अमित यादव, अश्विनी यादव व दीनदयाल गुप्ता ने नामांकन किया। वहीं उपाध्यक्ष पद पर बादल पटेल, आर्यन यादव, सृष्टि यादव एवं आदित्य रंजन और महामंत्री पद पर प्रिंस कुमार चौरसिया, सुंदरी, समीक्षा कुमारी एवं श्रेया पांडेय तथा पुस्तकालय मंत्री पद पर अनामिका पांडेय व अदिति वर्मा ने नामांकन कर अपनी दावेदारी प्रस्तुत की। शनिवार की सुबह 10 बजे तक नामांकन वापस लेने की समय सीमा समाप्त होने के बाद निर्वाचन अधिकारी ने सभी योग्य प्रत्याशियों के नाम की घोषणा कर दी। चुनाव अधिकारी ने बताया कि समस्त प्रत्याशियों के पांच मिनट के योग्यता भाषण का वीडियो क्लिप विद्यार्थियों के से साझा किया गया। प्रत्याशियों ने अपने योग्यता भाषण में विश्वविद्यालय में शैक्षणिक वातावरण के साथ-साथ पठन-पाठन हेतु उत्तम व्यवस्था के लिए संसाधनों की उपयोगिता पर बल देते हुए अपना एजेंडा पेश किया। इसके बाद शाम छह बजे से आनलाइन मतदान शुरू हुआ, जो रात दस बजे तक चला। मतदान में भाग लेने के लिए पंजीकृत मतदाताओं को उनके मोबाइल नंबर पर एक ओटीपी के जरिये लिंक मिला, जिसे लागिन कर छात्रों ने वोट दिया। चुनाव परिणाम विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जारी किया जाएगा। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव ने बताया कि विश्वविद्यालय के समस्त सृजनात्मक क्षमताओं के विकास के साथ शैक्षणिक वातावरण, अनुशासन एवं परिसर संस्कृति में छात्रों की उपयोगिता सिद्ध करने के लिए पारंपरिक छात्रसंघ की बजाय छात्र संसद की अवधारणा विकसित की गई है।

स्वनिर्मित सॉफ्टवेयर से किसी विवि में पहली बार हुआ छात्र संसद का ऑनलाइन चुनाव

गोरखपुर, 14 सितंबर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की परिसर संस्कृति के नाम एक और उपलब्धि जुड़ गई है। खुद के बनाए सॉफ्टवेयर से छात्र संसद का ऑनलाइन चुनाव कराने वाला यह देश का पहला विश्वविद्यालय बन गया है। इसके पहले इसी विश्वविद्यालय द्वारा निर्मित सॉफ्टवेयर से छात्र संघ का ऑनलाइन चुनाव विश्वविद्यालय की मातृ संस्था महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद द्वारा संचालित महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज जंगल धूसड़ में कुछ दिनों पूर्व हुआ था। शनिवार को हुए विश्वविद्यालय के छात्र संसद के चुनाव में शाम छह बजे से रात दस बजे तक ऑनलाइन मतदान प्रक्रिया पूरी की गई। छात्र संसद चुनाव के लिए मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. विमल कुमार दूबे ने बताया कि चुनाव प्रक्रिया शुक्रवार (13 सितंबर) को 24 विषयों के 54 कक्षा प्रतिनिधियों के उनके शैक्षिक योग्यता अनुसार चयन के साथ प्रारम्भ हुई। विश्वविद्यालय छात्र संसद संविधान के अनुसार चुनाव में किसी भी पद पर प्रत्याशिता के लिए कक्षा प्रतिनिधि होना अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि अध्यक्ष पद पर आकाश चौधरी, अनिकेत मल्ल, अमित यादव, अश्विनी यादव एवं दीनदयाल गुप्ता ने नामांकन किया। वहीं उपाध्यक्ष पद पर बादल पटेल, आर्यन यादव, सृष्टि यादव एवं आदित्य रंजन और महामंत्री पद पर प्रिंस कुमार चौरसिया, सुंदरी, समीक्षा कुमारी एवं श्रेया पांडेय तथा पुस्तकालय मंत्री पद पर अनामिका पांडेय व अदिति वर्मा ने नामांकन करके अपनी दावेदारी प्रस्तुत की। शनिवार को सुबह दस बजे तक नामांकन वापस लेने की समय सीमा समाप्त होने के बाद निर्वाचन अधिकारी ने सभी योग्य प्रत्याशियों के नाम की घोषणा कर दी। चुनाव अधिकारी ने बताया कि समस्त प्रत्याशियों के पांच मिनट का चुनावी घोषणा पत्र (योग्यता भाषण) के वीडियो क्लिप विश्वविद्यालय द्वारा ही रिकार्डिंग कर उसे समस्त संचारी माध्यमों से विद्यार्थियों के मध्य साझा किया गया। छात्र संसद के प्रत्याशियों ने अपने योग्यता भाषण में विश्वविद्यालय में शैक्षणिक वातावरण के साथ-साथ पठन-पाठन हेतु उत्तम व्यवस्था के लिए संसाधनों की उपयोगिता पर बल देते हुए अपना एजेंडा पेश किया। इसके बाद शाम छह बजे से ऑनलाइन मतदान शुरू हुआ जो रात दस बजे तक चला।

- महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की परिसर संस्कृति के नाम दर्ज हुई एक और उपलब्धि
- अध्यक्ष पद पर पांच प्रत्याशियों ने की दावेदारी, शाम छह बजे से रात दस बजे तक हुआ ऑनलाइन मतदान

दीनदयाल अध्यक्ष व समीक्षा महामंत्री निर्वाचित

गोरखपुर (एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में शनिवार शाम छह बजे से रात 10 बजे तक आनलाइन हुए छात्र संसद के चुनाव नतीजे आ गए हैं। दीनदयाल गुप्ता को अध्यक्ष, सृष्टि यादव को उपाध्यक्ष एवं समीक्षा कुमारी को महामंत्री और अनामिका पाण्डेय को पुस्तकालय मंत्री चुना गया।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय ऐसा पहला विश्वविद्यालय बन गया है, जहां स्वनिर्मित साफ्टवेयर से छात्र संसद का आनलाइन चुनाव कराया गया है। विवि का यह साफ्टवेयर देश में शिक्षण संस्थानों के छात्र संसद चुनाव के लिए बनाया गया पहला साफ्टवेयर है। गोविवि ने आनलाइन पढ़ाई के साथ छात्र संसद चुनाव कराकर एक नजीर पेश की है। शनिवार शाम छह बजे से रात 10 बजे तक हुए आनलाइन मतदान के बाद परिणाम विवि की वेबसाइट पर जारी कर दिया गया। मुख्य निर्वाचन अधिकारी डा. विमल कुमार दूबे ने बताया कि छात्र संसद के चुनाव में कुल 743 छात्र-छात्राओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

अध्यक्ष दीनदयाल व उपाध्यक्ष सृष्टि

महामंत्री समीक्षा व पुस्तकालय मंत्री अनामिका

अध्यक्ष पद पर दीनदयाल गुप्ता ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी अनिकेत मल्ल को 104 मतों से जबकि उपाध्यक्ष पद पर सृष्टि यादव ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी आर्यन यादव को 87 मत से हराया। महामंत्री पद पर समीक्षा कुमारी ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी सुंदरी को 32 मतों से पराजित किया। पुस्तकालय मंत्री पद पर अनामिका पाण्डेय विजयी रहीं। चुनाव प्रक्रिया विश्वविद्यालय के आईटी विभाग के सहयोग से पूरी हुई। छात्र संसद के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को विवि के कुलपति मेजर जनरल डा. अतुल वाजपेयी व कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव व अन्य अधिकारियों ने बधाई दी।

- महायोगी गोरखनाथ विवि में छात्र संसद के आनलाइन चुनाव का परिणाम घोषित

समाचार दर्पण

स्वनिर्मित सॉफ्टवेयर से किसी विवि में पहली बार हुआ छात्र संसद का ऑनलाइन चुनाव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ गोरखपुर

- महायोगी गोरखनाथ विवि की परिसर संस्कृति के नाम दर्ज हुई एक और उपलब्धि

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की परिसर संस्कृति के नाम एक और उपलब्धि जुड़ गई है। खुद के बनाए सॉफ्टवेयर से छात्र संसद का ऑनलाइन चुनाव कराने वाला यह देश का पहला विश्वविद्यालय बन गया है। इसके पहले इसी विश्वविद्यालय द्वारा निर्मित सॉफ्टवेयर से छात्र संघ का ऑनलाइन चुनाव विश्वविद्यालय की मातृ संस्था महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद द्वारा संचालित महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज जंगल धूसढ़ में कुछ दिनों पूर्व हुआ था। शनिवार को हुए विश्वविद्यालय के छात्र संसद के चुनाव में शाम छह बजे से रात दस बजे तक ऑनलाइन मतदान प्रक्रिया पूरी की गई।

छात्र संसद चुनाव के लिए मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. विमल कुमार दूबे ने बताया कि चुनाव प्रक्रिया शुक्रवार (13 सितंबर) को 24 विषयों के 54 कक्षा प्रतिनिधियों के उनके शैक्षिक योग्यता अनुसार चयन के साथ प्रारम्भ हुई। विश्वविद्यालय छात्र संसद संविधान के अनुसार चुनाव में किसी भी पद पर प्रत्याशिता के लिए कक्षा प्रतिनिधि होना अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि अध्यक्ष पद पर आकाश चौधरी, अनिकेत मल्ल, अमित यादव, अश्विनी यादव एवं दीनदयाल गुप्ता ने नामांकन किया। वहीं उपाध्यक्ष पद पर बादल पटेल, आर्यन यादव, सृष्टि यादव एवं आदित्य रंजन और महामंत्री पद पर प्रिंस कुमार चौरसिया, सुंदरी, समीक्षा कुमारी एवं श्रेया पांडेय तथा पुस्तकालय मंत्री पद पर अनामिका पांडेय व अदिति वर्मा ने नामाकन करके अपनी दावेदारी प्रस्तुत की। शनिवार को सुबह दस बजे तक नामांकन वापस लेने की समय सीमा समाप्त होने के बाद निर्वाचन अधिकारी ने सभी योग्य प्रत्याशियों के नाम की घोषणा कर दी। चुनाव अधिकारी ने बताया कि समस्त प्रत्याशियों के पांच मिनट का चुनावी घोषणा पत्र (योग्यता भाषण) के वीडियो क्लिप विश्वविद्यालय द्वारा ही रिकार्डिंग कर उसे समस्त संचारी माध्यमों से विद्यार्थियों के मध्य साझा किया गया। छात्र संसद के प्रत्याशियों ने अपने योग्यता भाषण में विश्वविद्यालय में शैक्षणिक वातावरण के साथ-साथ पठन-पाठन हेतु उत्तम व्यवस्था के लिए संसाधनों की उपयोगिता पर बल देते हुए अपना एजेंडा पेश किया। इसके बाद शाम छह बजे से ऑनलाइन मतदान शुरू हुआ जो रात दस बजे तक चला। मतदान में भाग लेने के लिए पंजीकृत मतदाताओं को उनके मोबाइल नंबर पर एक ओटीपी के जरिये लिंक मिला जिसके जरिये लॉगिन कर उन्होंने अलग अलग पदों पर अपनी पसंद के प्रत्याशियों को वोट दिया।

दीनदयाल गुप्ता अध्यक्ष, सृष्टि बनीं उपाध्यक्ष

- महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में छात्र संसद के आनलाइन चुनाव का परिणाम घोषित
- स्वनिर्मित साफ्टवेयर से विश्वविद्यालय प्रबंधन ने संपन्न कराया छात्र संसद का चुनाव

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में शनिवार की शाम छह बजे से रात 10 बजे तक छात्र संसद के लिए हुए मतदान के बाद उसका परिणाम रविवार की सुबह घोषित कर दिया गया। घोषित परिणाम के अनुसार विश्वविद्यालय के छात्रों ने दीनदयाल गुप्ता को अध्यक्ष, सृष्टि यादव को उपाध्यक्ष, समीक्षा कुमारी को महामंत्री और अनामिका पांडेय को पुस्तकालय मंत्री चुना है। परिणाम विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर भी जारी कर दिया गया है।

इसी के साथ गोरखनाथ विश्वविद्यालय ऐसा पहला विश्वविद्यालय बन गया है, जहां स्वनिर्मित साफ्टवेयर से छात्र संसद का आनलाइन चुनाव कराया गया है। voting.mgug.ac.in नाम का साफ्टवेयर देश में शिक्षण संस्थानों के छात्र संसद चुनाव के लिए बनाया गया पहला साफ्टवेयर है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी डा. विमल कुमार दुबे ने बताया कि छात्र संसद के

दीनदयाल गुप्ता

सृष्टि यादव

चुनाव में कुल 743 छात्र-छात्राओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। अध्यक्ष पद पर दीनदयाल गुप्ता ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी अनिकेत मल्ल को 104 मतों से पराजित किया। उपाध्यक्ष पद पर सृष्टि यादव ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी आर्यन यादव से 87 मत अधिक प्राप्त किया। महामंत्री पद पर समीक्षा कुमारी ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी सुंदरी को 32 मतों और पुस्तकालय मंत्री पद पर अनामिका पांडेय ने अदिति वर्मा को 180 मतों से

अनामिका पांडेय

समीक्षा कुमारी

पराजित किया। छात्र संसद के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डा. अतुल वाजपेयी और कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव ने बधाई दी है।

यह और अन्य खबरें देखें-
https://www.jagran.com/local/uttar-pradesh_gorakhpur-city-news-hindi.html

खुद के सॉफ्टवेयर से पहली बार हुआ छात्र संसद का ऑनलाइन चुनाव

सदैव वाहक न्यूज

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के नाम एक और उपलब्धि जुड़ गई है। खुद के बनाए सॉफ्टवेयर से छात्र संसद का ऑनलाइन चुनाव कराने वाला यह देश का पहला विश्वविद्यालय बन गया है।

इसके पहले इसी विश्वविद्यालय द्वारा निर्मित सॉफ्टवेयर से छात्र संघ का ऑनलाइन चुनाव विश्वविद्यालय की मातृ संस्था महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद द्वारा संचालित महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज जंगल धूसढ़ में कुछ दिनों पूर्व हुआ था। शनिवार को हुए विश्वविद्यालय के छात्र संसद के चुनाव में शाम छह बजे से रात दस बजे तक ऑनलाइन मतदान प्रक्रिया पूरी की गई। छात्र संसद चुनाव के लिए मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. विमल कुमार दूबे ने बताया कि चुनाव प्रक्रिया शुक्रवार (13 सितंबर) को 24 विषयों के 54 कक्षा प्रतिनिधियों के उनके शैक्षिक योग्यता अनुसार चयन के साथ प्रारम्भ हुई।

विश्वविद्यालय छात्र संसद संविधान के अनुसार चुनाव में किसी भी पद पर प्रत्याशिता के लिए कक्षा प्रतिनिधि होना अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि अध्यक्ष पद पर आकाश चौधरी, अनिकेत मल्ल, अमित यादव, अश्विनी यादव एवं दीनदयाल गुप्ता ने नामांकन किया। वहीं उपाध्यक्ष पद पर

बादल पटेल, आर्यन यादव, सृष्टि यादव एवं आदित्य रंजन और महामंत्री पद पर प्रिंस कुमार चौरसिया, सुंदरी, समीक्षा कुमारी एवं श्रेया पांडेय तथा पुस्तकालय मंत्री पद पर अनामिका पांडेय व अदिति वर्मा ने नामाकन करके अपनी दावेदारी प्रस्तुत की।

शनिवार को सुबह दस बजे तक नामांकन वापस लेने की समय सीमा समाप्त होने के बाद निर्वाचन

- महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के नाम दर्ज हुई एक और उपलब्धि
- अध्यक्ष पद पर पांच प्रत्याशियों ने की दावेदारी रात तक हुआ ऑनलाइन मतदान

अधिकारी ने सभी योग्य प्रत्याशियों के नाम की घोषणा कर दी। चुनाव अधिकारी ने बताया कि समस्त प्रत्याशियों के पांच मिनट का चुनावी घोषणा पत्र (योग्यता भाषण) के वीडियो क्लिप विश्वविद्यालय द्वारा ही रिकार्डिंग कर उसे समस्त संचारी माध्यमों से विद्यार्थियों के मध्य साझा किया गया। छात्र संसद के प्रत्याशियों ने अपने योग्यता भाषण में विश्वविद्यालय में शैक्षणिक वातावरण के साथ-साथ पठन-पाठन हेतु उत्तम व्यवस्था के लिए संसाधनों की उपयोगिता पर बल देते हुए अपना एजेंडा पेश किया। इसके बाद शाम छह बजे से ऑनलाइन मतदान शुरू हुआ जो रात दस बजे तक चला।

मतदान में भाग लेने के लिए पंजीकृत मतदाताओं को उनके मोबाइल नंबर पर एक ओटीपी के जरिये लिंक मिला जिसके जरिये लॉगिन कर उन्होंने अलग अलग पदों पर अपनी पसंद के प्रत्याशियों को वोट दिया। परिणाम विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जारी किया जाएगा।

पहली बार हुआ छात्र संसद का ऑनलाइन चुनाव

- महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की परिसर संस्कृति के नाम दर्ज हुई एक और उपलब्धि

गोरखपुर (एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की परिसर संस्कृति के नाम एक और उपलब्धि जुड़ गई है। खुद के बनाए साफ्टवेयर से छात्र संसद का आनलाइन चुनाव कराने वाला यह देश का पहला विश्वविद्यालय बन गया है। इसके पहले इसी विश्वविद्यालय द्वारा निर्मित साफ्टवेयर से छात्र संघ का आनलाइन चुनाव विश्वविद्यालय की मातृ संस्था महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद द्वारा संचालित महाराणा प्रताप पीजी कालेज जंगल धूसढ़ में कुछ दिनों पूर्व हुआ था। शनिवार को हुए विश्वविद्यालय के छात्र संसद के चुनाव में शाम छह बजे से रात 10 बजे तक आनलाइन मतदान प्रक्रिया पूरी की गई।

छात्र संसद चुनाव के लिए मुख्य निर्वाचन अधिकारी डा. विमल कुमार दूबे ने बताया कि चुनाव प्रक्रिया 13 सितंबर को 24 विषयों के 54 कक्षा प्रतिनिधियों के उनके शैक्षिक योग्यता अनुसार चयन के साथ प्रारम्भ हुई। विश्वविद्यालय छात्र संसद संविधान के अनुसार चुनाव में किसी भी पद पर प्रत्याशिता के लिए कक्षा प्रतिनिधि होना अनिवार्य है। डा. दूबे ने बताया कि अध्यक्ष पद पर आकाश चौधरी, अनिकेत मल्ल, अमित यादव, अश्विनी यादव एवं दीनदयाल गुप्ता ने नामांकन किया। वहीं उपाध्यक्ष पद पर बादल पटेल, आर्यन यादव, सृष्टि यादव एवं आदित्य रंजन और महामंत्री पद पर प्रिंस कुमार चौरसिया, सुंदरी, समीक्षा कुमारी एवं श्रेया पाण्डेय तथा पुस्तकालय मंत्री पद पर अनामिका पाण्डेय व अदिति वर्मा ने नामांकन करके अपनी दावेदारी प्रस्तुत की। शनिवार को सुबह 10 बजे तक नामांकन वापस लेने की समय सीमा समाप्त होने के बाद निर्वाचन अधिकारी ने सभी योग्य प्रत्याशियों के नाम की घोषणा कर दी। चुनाव अधिकारी ने बताया कि समस्त प्रत्याशियों के पांच मिनट का चुनावी घोषणा पत्र (योग्यता भाषण) के वीडियो क्लिप विश्वविद्यालय द्वारा ही रिकार्डिंग कर उसे समस्त संचारी माध्यमों से छात्रों के मध्य साझा किया गया। छात्र संसद के प्रत्याशियों ने अपने योग्यता भाषण में विश्वविद्यालय में शैक्षणिक वातावरण के साथ-साथ पठन-पाठन हेतु उत्तम व्यवस्था के लिए संसाधनों की उपयोगिता पर बल देते हुए अपना एजेंडा पेश किया। इसके बाद शाम छह बजे से आनलाइन मतदान आरंभ हुआ जो रात दस बजे तक चला।

■ महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की परिसर संस्कृति के नाम दर्ज हुई एक और उपलब्धि

विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव ने बताया कि विश्वविद्यालय के समस्त सृजनात्मक क्षमताओं के विकास के साथ शैक्षणिक वातावरण, अनुशासन एवं परिसर संस्कृति में छात्रों की उपयोगिता सिद्ध करने के लिए पारंपरिक छात्रसंघ की बजाय छात्र संसद की अवधारणा विकसित की गई है। विवि के कुलपति मेजर जनरल डा. वाजपेयी ने छात्र संसद के चुनाव और इस निमित्त स्वनिर्मित साफ्टवेयर के प्रयोग के लिए पूरे विश्वविद्यालय परिवार को बधाई दी है।

स्वनिर्मित सॉफ्टवेयर से किसी विवि में पहली बार हुआ छात्र संसद का ऑनलाइन चुनाव

संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की परिसर संस्कृति के नाम एक और उपलब्धि जुड़ गई है। खुद के बनाए सॉफ्टवेयर से छात्र संसद का आनलाइन चुनाव कराने वाला यह देश का पहला विश्वविद्यालय बन गया है। इसके पहले इसी विश्वविद्यालय द्वारा निर्मित सॉफ्टवेयर से छात्र संघ का ऑनलाइन चुनाव विश्वविद्यालय की मातृ संस्था महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद द्वारा संचालित महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज जंगल धूसढ़ में कुछ दिनों पूर्व हुआ था। शनिवार को हुए विश्वविद्यालय के छात्र संसद के चुनाव में शाम छह बजे से रात दस बजे तक ऑनलाइन मतदान प्रक्रिया पूरी की गई।

छात्र संसद चुनाव के लिए मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. विमल कुमार दूबे ने बताया कि चुनाव प्रक्रिया शुक्रवार (13 सितंबर) को 24 विषयों के 54 कक्षा प्रतिनिधियों के उनके शैक्षिक योग्यता अनुसार चयन के साथ प्रारम्भ हुई। विश्वविद्यालय छात्र संसद संविधान के अनुसार चुनाव में किसी भी पद पर प्रत्याशिता के लिए कक्षा प्रतिनिधि होना अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि अध्यक्ष पद पर आकाश चौधरी, अनिकेत मल्ल, अमित यादव, अश्विनी यादव एवं दीनदयाल गुप्ता ने नामांकन किया। वहीं उपाध्यक्ष पद पर बादल पटेल, आर्यन यादव, सृष्टि यादव एवं आदित्य रंजन और महामंत्री पद पर प्रिंस कुमार चौरसिया, सुंदरी, समीक्षा कुमारी एवं श्रेया पांडेय तथा पुस्तकालय मंत्री पद पर अनामिका पांडेय व अदिति वर्मा ने नामाकन करके अपनी दावेदारी प्रस्तुत की। शनिवार को सुबह दस बजे तक नामांकन वापस लेने की समय सीमा समाप्त होने के बाद निर्वाचन अधिकारी ने सभी योग्य प्रत्याशियों के नाम की घोषणा कर दी। चुनाव अधिकारी ने बताया कि समस्त प्रत्याशियों के पांच मिनट का चुनावी घोषणा पत्र (योग्यता भाषण) के वीडियो क्लिप विश्वविद्यालय द्वारा ही रिकार्डिंग कर उसे समस्त संचारी माध्यमों से विद्यार्थियों के मध्य साझा किया गया। छात्र संसद के प्रत्याशियों ने अपने योग्यता भाषण

- महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की परिसर संस्कृति के नाम दर्ज हुई एक और उपलब्धि
- अध्यक्ष पद पर पांच प्रत्याशियों ने की दावेदारी, शाम छह बजे से रात दस बजे तक हुआ ऑनलाइन मतदान

में विश्वविद्यालय में शैक्षणिक वातावरण के साथ-साथ पठन-पाठन हेतु उत्तम व्यवस्था के लिए संसाधनों की उपयोगिता पर बल देते हुए अपना एजेंडा पेश किया। इसके बाद शाम छह बजे से ऑनलाइन मतदान शुरू हुआ जो रात दस बजे तक चला। मतदान में भाग लेने के लिए पंजीकृत मतदाताओं को उनके मोबाइल नंबर पर एक ओटीपी के जरिये लिंक मिला जिसके जरिये लॉगिन कर उन्होंने अलग अलग पदों पर अपनी पसंद के प्रत्याशियों को वोट दिया। चुनाव परिणाम विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जारी किया जाएगा।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने बताया कि विश्वविद्यालय के समस्त सृजनात्मक क्षमताओं के विकास के साथ शैक्षणिक वातावरण, अनुशासन एवं परिसर संस्कृति में छात्रों की उपयोगिता सिद्ध करने के लिए पारंपरिक छात्रसंघ की बजाय छात्र संसद की अवधारणा विकसित की गई है। यह छात्र संसद चुनाव विशुद्ध योग्यता छात्र को लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति चैतन्य करने का है। विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. वाजपेयी ने छात्र संसद के चुनाव और इस निमित्त स्वनिर्मित सॉफ्टवेयर के प्रयोग के लिए पूरे विश्वविद्यालय परिवार को बधाई दी है।

समाचार दर्पण

ब्रह्मलीन महंतद्वय ने शिक्षा में नई क्रांति की जगाई अलख

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में आयोजित हुई श्रद्धांजलि सभा

जासं, गोरखपुर : ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ और महंत अवेद्यनाथ की पुण्यतिथि के अवसर पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य विज्ञान संकाय की ओर से पंचकर्म केंद्र सभागार में शुक्रवार को श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.एके सिंह ने कहा कि ब्रह्मलीन महंतद्वय ने हिंदुत्व और राष्ट्रवाद के विचारपंथ से शिक्षा में नई क्रांति की अलख जगाई।

प्रो.सिंह ने कहा कि हिमालय सा व्यक्तित्व लेकर सनातन के प्रबल प्रहरी की भूमिका का निर्वाह करने वाले महंत दिग्विजयनाथ और सामाजिक समरसता के अग्रदूत व श्रीराम जन्मभूमि मुक्ति आंदोलन को शक्ति और गति देने वाले महंत अवेद्यनाथ के जीवन ने वैचारिक पुष्पों का प्रतिमान स्थापित किया है। गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज के निदेशक कर्नल डा.राजेश बहल ने कहा कि महंतद्वय ने राष्ट्र, धर्म, आध्यात्म, संस्कृति, शिक्षा व समाजसेवा से लोक कल्याण का मार्ग प्रशस्त किया। डा.अवेधश अग्रवाल ने कहा कि ब्रह्मलीन महंतद्वय ने शिक्षा की जो ज्योति जलाई, उससे आज पूरा पूर्वांचल प्रकाशित हो रहा है। इस अवसर पर प्रो.सुनील कुमार सिंह, डा.संदीप कुमार श्रीवास्तव, डा. अनुपमा ओझा, डा.विकास कुमार, डा.अमित दुबे, डा.धीरेंद्र सिंह, श्रीकांत, डा.पवन कुमार कनौजिया, डा.प्रेरणा त्रिपाठी आदि मौजूद रहीं।

श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो . एके सिंह व अन्य मंचासीन अतिथि • सौ. गोरखनाथ विश्वविद्यालय

शिक्षा में नई क्रांति की अलख जगाई ब्रह्मलीन महंतद्वय ने : प्रो. एके सिंह

युग पुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज एवं राष्ट्रसंत महंत अवेद्यनाथ जी महाराज की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में महायोगी गोरखनाथ विवि में श्रद्धांजलि सभा

संवाददाता

गोरखपुर। युग पुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज की 55वीं एवं राष्ट्रसंत महंत अवेद्यनाथ जी महाराज की 10वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय की तरफ से विश्वविद्यालय के पंचकर्म केंद्र सभागार में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एके सिंह ने कहा कि ब्रह्मलीन महंतद्वय ने हिंदुत्व और राष्ट्रवाद के विचारपंथ से शिक्षा में नई क्रांति की अलख जगाई। प्रो. एके सिंह ने कहा कि हिमालय सा चट्टानी व्यक्तित्व लेकर सनातन के प्रबल प्रहरी की भूमिका का निर्वाह करने वाले ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी तथा सामाजिक समरसता के अग्रदूत, श्रीराम जन्मभूमि मुक्ति आंदोलन को शक्ति और गति देने ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज के जीवन ने वैचारिक पुष्पों का प्रतिमान स्थापित किया है। इस अवसर पर गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट मेडिकल साइंसेज के निदेशक कर्नल (डॉ.) राजेश बहल ने कहा कि ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी एवं अवेद्यनाथ जी ने संपूर्ण जीवन राष्ट्र, धर्म, आध्यात्म, संस्कृति, शिक्षा व समाजसेवा से लोक कल्याण किया। श्रद्धांजलि सभा की अध्यक्षता करते हुए गोरक्षनाथ अस्पताल के ब्लड बैंक प्रभारी डॉ. अवधेश अग्रवाल ने कहा कि ब्रह्मलीन महंतद्वय ने शिक्षा की जो ज्योति जलाई उससे आज पूरा पूर्वांचल प्रकाशित हो रहा है। इस अवसर पर संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह, डॉ.संदीप कुमार श्रीवास्तव, डॉ. अनुपमा ओझा, डॉ विकास कुमार, डॉ अमित दुबे, डॉ. धीरेंद्र सिंह, उप कुलसचिव श्रीकांत, डॉ.पवन कुमार कनौजिया, डॉ. प्रेरणा त्रिपाठी, डॉ. किरण कुमार, डॉ.आशुतोष श्रीवास्तव, डॉ. अवेद्यनाथ सिंह, डॉ. अंकिता मिश्रा, डॉ. कीर्ति कुमार यादव, डॉ. अखिलेश दुबे, धनंजय पांडेय, अनिल कुमार, प्रज्ञा पाण्डेय, श्रीमती रश्मि झा, सृष्टि यदुवंशी, जन्मेजय सोनी, मिताली, अनिल मिश्रा, अनिल शर्मा सहित सभी विभागों के शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

ब्रह्मलीन महंतद्वय ने जगाई शिक्षा में नई क्रांति की अलख

गोरखपुर (एसएनबी)। युग पुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ की 55वीं एवं राष्ट्रसंत महंत अवेद्यनाथ की 10वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में महायोगी गोरखनाथ विवि के संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय की तरफ से विवि के पंचकर्म केंद्र सभागार में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विवि के कुलपति प्रो. एके सिंह ने कहा कि ब्रह्मलीन महंतद्वय ने हिंदुत्व और राष्ट्रवाद के विचारपंथ से शिक्षा में नई क्रांति की अलख जगाई।

प्रो. एके सिंह ने कहा कि हिमालय सा चट्टानी व्यक्तित्व लेकर सनातन के प्रबल प्रहरी की भूमिका का निर्वाह करने वाले ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी तथा सामाजिक समरसता के अग्रदूत, श्रीराम जन्मभूमि मुक्ति आंदोलन को शक्ति और गति देने ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ के जीवन ने वैचारिक पुष्पों का प्रतिमान स्थापित किया है। इस अवसर पर गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट मेडिकल साइंसेज के निदेशक कर्नल (डा.) राजेश बहल ने कहा कि ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ एवं अवेद्यनाथ ने संपूर्ण जीवन राष्ट्र, धर्म, आध्यात्म, संस्कृति, शिक्षा व समाजसेवा से लोक कल्याण किया। अध्यक्षता करते हुए गोरक्षनाथ अस्पताल के ब्लड बैंक प्रभारी डा. अवधेश अग्रवाल ने कहा कि ब्रह्मलीन महंतद्वय ने शिक्षा की जो ज्योति जलाई उससे आज पूरा पूर्वांचल प्रकाशित हो रहा है। इस अवसर पर संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह, डा.संदीप कुमार श्रीवास्तव, डा. अनुपमा ओझा,डा.विकास कुमार, डा. अमित दुबे, डा. धीरेंद्र सिंह, उप कुलसचिव श्रीकांत, डा. पवन कुमार कनौजिया, डा. प्रेरणा त्रिपाठी, डा.किरण कुमार,डा.आशुतोष श्रीवास्तव, डा. अवेद्यनाथ सिंह, डा.अंकिता मिश्रा, डा. कीर्ति कुमार यादव, डा.अखिलेश दुबे, धनंजय पांडेय, अनिल कुमार, प्रज्ञा पाण्डेय, रश्मि झा, सृष्टि यदुवंशी, जन्मेजय सोनी, मिताली, अनिल मिश्रा, अनिल शर्मा सहित सभी विभागों के शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

श्रद्धांजलि सभा

महायोगी गोरखनाथ विवि में पौधरोपण और जागरूकता रैली से हुआ स्वच्छता पखवाड़ा का शुभारंभ

संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) की आर्यभट इकाई की तरफ से शुक्रवार से स्वच्छता पखवाड़ा की शुरुआत हुई। मुख्य अतिथि महायोगी गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एके सिंह, गोरखनाथ अस्पताल के ब्लड बैंक प्रभारी डॉ. अवधेश अग्रवाल और गुरु श्रीगोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज चिकित्सालय के निदेशक कर्नल डॉ. राजेश बहल ने पौधरोपण कर स्वच्छता पखवाड़ा का शुभारंभ किया। स्वच्छता पखवाड़ा के तहत ही रासेयो की पारिजात इकाई द्वारा पारिजात इकाई द्वारा 'स्वच्छता ही सेवा – मेगा इवेंट उत्तर प्रदेश' के तहत स्वच्छता जागरूकता रैली का आयोजन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आयुष कुमार पाठक के नेतृत्व में किया गया। यह रैली विश्वविद्यालय परिसर से शुरू होकर बालापार मार्केट से होते हुए इंद्रासन इंटर कॉलेज तक निकाली गई। रैली के माध्यम से लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। स्वच्छता पखवाड़ा के शुभारंभ अवसर पर सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह, विश्वविद्यालय के उपकुलसचिव प्रशासन श्रीकांत, आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ मंजूनाथ एनएस, कृषि संकाय के अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दुबे, डॉ. विकास, रासेयो के समन्वयक डॉ.अखिलेश कुमार दुबे, कार्यक्रम अधिकारी धनंजय पाण्डेय आदि की सक्रिय सहभागिता रही।

समाचार दर्पण

शिक्षा में नई क्रांति की अलख जगाई ब्रह्मलीन महंतद्वय ने :प्रो. एके सिंह

युग पुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज एवं राष्ट्रसंत महंत अवेद्यनाथ जी महाराज की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में महायोगी गोरखनाथ विवि में श्रद्धांजलि सभा

संवाददाता

गोरखपुर। युग पुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज की 55वीं एवं राष्ट्रसंत महंत अवेद्यनाथ जी महाराज की 10वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय की तरफ से विश्वविद्यालय के पंचकर्म केंद्र सभागार में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एके सिंह ने कहा कि ब्रह्मलीन महंतद्वय ने हिंदुत्व और राष्ट्रवाद के विचारपंथ से शिक्षा में नई क्रांति की अलख जगाई। प्रो. एके सिंह ने कहा कि हिमालय सा चट्टानी व्यक्तित्व लेकर सनातन के प्रबल प्रहरी की भूमिका का निर्वाह करने वाले ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी तथा सामाजिक समरसता के अग्रदूत, श्रीराम जन्मभूमि मुक्ति

आंदोलन को शक्ति और गति देने ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज के जीवन के वैचारिक पुष्पों का प्रतिमान स्थापित किया है। इस अवसर पर गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट मेडिकल साइंसेज के निदेशक कर्नल (डॉ.) राजेश बहल ने कहा कि ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी एवं अवेद्यनाथ जी ने संपूर्ण जीवन राष्ट्र, धर्म, आध्यात्म, संस्कृति, शिक्षा व समाजसेवा से लोक कल्याण किया। श्रद्धांजलि सभा की अध्यक्षता करते हुए गोरक्षनाथ अस्पताल के ब्लड बैंक प्रभारी डॉ. अवधेश अग्रवाल ने कहा कि ब्रह्मलीन महंतद्वय ने शिक्षा की जो ज्योति जलाई उससे आज पूरा पूर्वांचल प्रकाशित हो रहा है। इस अवसर पर संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह, डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव, डॉ. अनुपमा ओझा, डॉ विकास कुमार, डॉ अमित दुबे, डॉ. धीरेंद्र सिंह, उप कुलसचिव श्रीकांत, डॉ.पवन कुमार कनौजिया, डॉ. प्रेरणा त्रिपाठी, डॉ. किरण कुमार, डॉ. आशुतोष श्रीवास्तव, डॉ. अवेद्यनाथ सिंह, डॉ. अंकिता मिश्रा, डॉ. कीर्ति कुमार यादव, डॉ. अखिलेश दुबे, धनंजय पांडेय, अनिल कुमार, प्रज्ञा पाण्डेय, श्रीमती रश्मि झा, सृष्टि यदुवंशी, जन्मेजय सोनी, मिताली, अनिल मिश्रा, अनिल शर्मा सहित सभी विभागों के शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

महायोगी गोरखनाथ विवि में पौधरोपण और जागरूकता रैली से हुआ स्वच्छता पखवाड़ा का शुभारंभ

संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) की आर्यभट इकाई की तरफ से शुक्रवार से स्वच्छता पखवाड़ा की शुरूआत हुई। मुख्य अतिथि महायोगी गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एके सिंह, गोरखनाथ अस्पताल के ब्लड बैंक प्रभारी डॉ. अवधेश अग्रवाल और गुरु श्रीगोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज चिकित्सालय के निदेशक कर्नल डॉ. राजेश बहल ने

पौधरोपण कर स्वच्छता पखवाड़ा का शुभारंभ किया। स्वच्छता पखवाड़ा के तहत ही रासेयो की पारिजात इकाई द्वारा पारिजात इकाई द्वारा ह्यस्वच्छता ही सेवा – मेगा इवेंट उत्तर प्रदेशह्न के तहत स्वच्छता जागरूकता रैली का आयोजन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आयुष कुमार पाठक के नेतृत्व में किया गया। यह रैली विश्वविद्यालय परिसर से शुरू होकर बालापार मार्केट से होते हुए इंद्रासन इंटर कॉलेज तक निकाली गई। रैली के माध्यम से लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। स्वच्छता पखवाड़ा के शुभारंभ अवसर पर सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो.सुनील कुमार सिंह, विश्वविद्यालय के उपकुलसचिव प्रशासन श्रीकांत, आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ मंजूनाथ एनएस, कृषि संकाय के अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दुबे, डॉ. विकास, रासेयो के समन्वयक डॉ.अखिलेश कुमार दुबे, कार्यक्रम अधिकारी धनंजय पाण्डेय आदि की सक्रिय सहभागिता रही।

महंत दिग्विजयनाथ और महंत अवेद्यनाथ की पुण्यतिथि पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में हुआ श्रद्धांजलि समारोह

महंतद्वय ने शिक्षा में क्रांति की रखी नींव

बोले प्रो. सिंह

गोरखपुर, निज संवाददाता। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के पंचकर्म केंद्र सभागार में शुक्रवार को ब्रह्मलीन महंत दिग्विजय नाथ की 55वीं और राष्ट्रसंत महंत अवेधनाथ की 10वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय द्वारा पुष्पांजलि एवं श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

मुख्य अतिथि महायोगी गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो एके सिंह, ब्लड बैंक प्रभारी एवं अपर चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अवधेश अग्रवाल, निदेशक गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज कर्नल (डॉ.) राजेश बहल और अधिष्ठाता संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय सुनील कुमार सिंह ने राष्ट्रसंतों के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस दौरान कुलपति प्रो. सिंह ने दोनों संतों के त्यागमय जीवन और उनके हिंदुत्व तथा राष्ट्रवाद के प्रति योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि ब्रह्मलीन महंत दिग्विजय नाथ और महंत अवेधनाथ ने शिक्षा के क्षेत्र में क्रांति लाकर विद्यार्थियों को एक नई दिशा दी। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के अंतर्गत 52 संस्थान उनके संकल्प और त्याग का प्रमाण हैं।

डॉ. अवधेश अग्रवाल ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि महंत दिग्विजय नाथ और महंत अवेधनाथ ने गोरखपुर और आसपास के क्षेत्रों में कई विद्यालयों की स्थापना की, जिससे पूर्वांचल में शिक्षा की ज्योति प्रज्वलित हुई। कर्नल (डॉ.) राजेश बहल ने स्वागत उद्बोधन दिया। संचालन सहायक आचार्य डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने किया और धन्यवाद ज्ञापन प्रो. सुनील कुमार सिंह ने दिया।

महायोगी गोरखनाथ विवि में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन हुआ। • हिन्दुस्तान

पुण्यतिथि पर आयोजित हुई संगोष्ठी

गोरखपुर। एमपी पॉलिटेक्निक में महंत दिग्विजयनाथ की 55वीं और राष्ट्र संत महंत अवेद्यनाथ की 10वीं पुण्य तिथि पर श्रद्धांजलि समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान 'योग और स्वस्थ मानव जीवन' विषय पर संगोष्ठी हुई, जिसमें अतिथियों ने महंत द्वय की प्रतिमाओं पर पुष्पांजलि अर्पित की। प्रवक्ता बी.एन. वर्मा ने गोरक्षपीठ की शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं के योगदान पर प्रकाश डाला। मुख्य वक्ता प्रोफेसर दिनेश कुमार सिंह ने योग के आध्यात्मिक महत्व को बताया।

शिक्षा, धर्म और संस्कृति में पीठ की रही महती भूमिका

गोरखपुर, निज संवाददाता। डीवीएन पीजी में महंत दिग्विजयनाथ की 55वीं और महंत अवेद्यनाथ की 10वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया।

मुख्य अतिथि रणविजय सिंह ने गोरक्षपीठ की शिक्षा, धर्म और संस्कृति में भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने दिग्विजयनाथ को हिन्दू धर्म के सजग प्रहरी बताया और उनकी स्वतंत्रता आंदोलन में भूमिका को सराहा। महंत अवेद्यनाथ ने सामाजिक समरसता का संदेश दिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. संजय त्रिपाठी ने किया, जबकि प्रो. नित्यानन्द श्रीवास्तव ने अध्यक्षीय उद्बोधन एवं आभार ज्ञापन किया।

महंतद्वय ने लोक कल्याण का मार्ग प्रशस्त किया : एपीएन महाविद्यालय बस्ती के सेवानिवृत्त आचार्य डॉ. पृथ्वीराज सिंह ने महाराणा प्रताप महाविद्यालय में आयोजित श्रद्धांजलि समारोह में महंत दिग्विजयनाथ और महंत अवेद्यनाथ की पुण्य स्मृतियों को याद किया। उन्होंने कहा कि महंतद्वय ने धर्म, समाज और राष्ट्र के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य और सेवा के प्रकल्पों के माध्यम से लोक कल्याण का मार्ग प्रशस्त किया।

ब्रह्मलीन महंत के विचारों से लें प्रेरणा

गोरखपुर। दिग्विजयनाथ इंटर कॉलेज चौकमाफी और गुरु गोरखनाथ कृषि विज्ञान केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में महंत दिग्विजयनाथ की 55वीं और महंत अवेद्यनाथ की 10वीं पुण्यतिथि के अवसर पर श्रद्धांजलि समारोह आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि महंत लालनाथ योगी और विशिष्ट अतिथि प्रो. सदानंद प्रसाद गुप्त ने महंतद्वय के जीवन और कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

समाज के लिए सदैव पथप्रदर्शक रहे दोनों महंत

गोरखपुर। महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज के बलरामपुर सभागार में महंत दिग्विजय नाथ की 55वीं और महंत अवेद्यनाथ की 10वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में श्रद्धांजलि-सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत महंतद्वय के चित्र पर पुष्पार्पण से हुई।

इस अवसर पर अयोध्या से पधारे जगद्गुरु रामानन्दाचार्य स्वामी रामदिनेशाचार्य ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि महन्त दिग्विजयनाथ और महंत अवेद्यनाथ का दिव्य व्यक्तित्व समाज के लिए एक पथप्रदर्शक रहा। उन्होंने हिन्दू समाज की उन्नति के लिए आजीवन सार्थक प्रयास किए। उनका बहु-आयामी व्यक्तित्व और कृतित्व समाज को दिशा प्रदान करते हैं।

मुख्य वक्तव्य में दिग्विजय नाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य डा. शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि महंत दिग्विजयनाथ और महंत अवेद्यनाथ का जीवन समाज और देश के लिए समर्पित रहा। उप प्रधानाचार्य जनार्दन गौड़ ने आभार व्यक्त किया।

समाचार दर्पण

कराया गया प्लास्टिक मुक्ति अभियान पर शपथ ग्रहण

गोरखपुर (एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की नर्सिंग संकाय की मैत्रेयी ईकाई के द्वारा स्वच्छता पखवाड़े में प्लास्टिक मुक्ति के

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्याल में प्लास्टिक मुक्त अभियान के तहत शपथ लेते छात्र छात्राएं। फोटो : एसएनबी

सन्दर्भित शपथ ग्रहण कार्यक्रम कराया गया।

इस दौरान समस्त संकाय के छात्रों एवं शिक्षकको को शपथ ग्रहण कराया गया। वे प्लास्टिक का प्रयोग नहीं करेंगे और स्वंय और समाज को प्लास्टिक का उपयोग करने से रोकना लक्ष्य होगा। स्वयसेवक अभिषेक यादव ने प्लास्टिक उपयोग से होने वाले नुकसान को बताते हुए कहा कि प्लास्टिक के कचरे से पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान पहुंचता है। जानवर प्लास्टिक के कचरे में उलझ जाते हैं प्लास्टिक के टूटने से हानिकारक रसायन निकलते हैं, जो मिट्टी अं पानी को दूषित करते । वहीं कार्यक्र अधिकारी गरिमा पाण डेय ने कहा कि प्लास्टिक मान स्वास्थ्य को नुकसा पहुंचाता है प्लास्टिक के संपर्क में आने से क तरह की बीमारियां सकती हैं, जैसे कि कैंसर, मधुमेह, प्रजन संबंधी विकार औ तंत्रिका संबंधी विकार। प्लास्टिक के संपर्क में आने से जन्म संबंधी जटिलताओं और बचप से कैंसर का खतरा भी बढ़ जाता है। इस अवसर पर संकाय अध्यक्ष डा. डीएस अजिथ पैरामेडिकल प्राचार्य डा. रोहित श्रीवास्तव समस्त संकाय के शिक्षक एवं ईकाई स्वयसेव अमित गुप्ता,नवीन राय, आदित्य राज, मो. मिराज अहमद आदि मौजूद रहे।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर में कराया गया प्लास्टिक मुक्ति अभियान पर शपथ ग्रहण

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की नर्सिंग संकाय की मैत्रेयी ईकाई

के द्वारा स्वच्छता पखवाड़े में प्लास्टिक मुक्ति के सन्दर्भित शपथ ग्रहण कार्यक्रम कराया गया कार्यक्रम में प्लास्टिक मुक्ति भारत अभियान के अंतर्गत समस्त संकाय के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को शपथ ग्रहण कराया गया और प्लास्टिक का प्रयोग नहीं करेंगे और स्वंय और समाज को प्लास्टिक का उपयोग करने से रोकना होगा लक्ष्य। स्वयसेवक अभिषेक यादव ने प्लास्टिक उपयोग से होने वाले नुकसान को बताते हुए कहा कि प्लास्टिक के कचरे से पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान पहुंचता है. जानवर प्लास्टिक के कचरे में उलझ जाते हैं. प्लास्टिक के टूटने से हानिकारक रसायन निकलते हैं, जो मिट्टी और पानी को दूषित करते हैं वहीं कार्यक्रम अधिकारी गरिमा पांडेय ने कहा कि प्लास्टिक मानव स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है प्लास्टिक के संपर्क में आने से कई तरह की बीमारियां हो सकती हैं, जैसे कि कैंसर, मधुमेह, प्रजनन संबंधी विकार, और तंत्रिका संबंधी विकार. प्लास्टिक के संपर्क में आने से जन्म संबंधी जटिलताओं और बचपन के कैंसर का खतरा भी बढ़ जाता है. इस अवसर पर संकाय अध्यक्ष डॉ. डी.एस अजिथा पैरामेडिकल प्राचार्य डॉ रोहित श्रीवास्तव समस्त संकाय के शिक्षक एवं ईकाई स्वयसेवक अमित गुप्ता,नवीन राय, आदित्य राज मोहम्मद मिराज अहमद इत्यादि उपस्थिति रहे।

शहर को प्लास्टिक मुक्त करने की ली शपथ

शहर को प्लास्टिक मुक्त बनाने की शपथ लेते महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के विद्यार्थी व राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक • जागरण

जासं, गोरखपुर : महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की नर्सिंग संकाय की मैत्रेयी इकाई की ओर से आयोजित स्वच्छता पखवारे के तहत शनिवार को विद्यार्थियों ने शहर को प्लास्टिक मुक्त बनाने की शपथ ली।

स्वयं सेवक अभिषेक यादव ने प्लास्टिक के उपयोग से होने वाले नुकसान के बारे में जानकारी दी। कहा कि प्लास्टिक के कचरे से पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान पहुंचता है। जानवर प्लास्टिक के कचरे में उलझ जाते हैं। प्लास्टिक के टूटने से हानिकारक रसायन निकलते हैं, जो मिट्टी और पानी को दूषित करते हैं।

कार्यक्रम अधिकारी गरिमा पांडेय ने कहा कि प्लास्टिक के संपर्क में आने से कई तरह की बीमारियां हो सकती हैं, जैसे कि कैंसर, मधुमेह, प्रजनन संबंधी विकार और तंत्रिका संबंधी विकार। प्लास्टिक के संपर्क में आने से जन्म संबंधी जटिलताओं और बचपन के कैंसर का खतरा भी बढ़ जाता है। इस अवसर पर संकाय अध्यक्ष डा.डी.एस अजिथा, पैरामेडिकल प्राचार्य डा.रोहित श्रीवास्तव समेत संकाय के सभी शिक्षक एवं स्वयंसेवक मौजूद रहे।

समाचार दर्पण

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में चला स्वच्छता अभियान

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की नर्सिंग संकाय की गार्गी ईकाई के द्वारा स्वच्छता पखवाड़े के अंतर्गत स्वैच्छिक श्रमदान के माध्यम से स्वच्छता अभियान चलाया। विद्यार्थियों ने सर्वप्रथम अपने छात्रावास के मेस, बेसमेंट लॉबी के जाले, खिड़की इत्यादि साफ-सफाई करने के साथ सम्पूर्ण छात्रावास के बाहरी परिसर के फुलवारी और क्यारियों के पौधों इत्यादि की सफाई एवं उसे व्यवस्थित किया।

उसके उपरांत सभी स्वयंसेवक एवं छात्रावासी छात्राओं ने एक साथ मिलकर छात्रावास से निकलकर विश्वविद्यालय में मुख्यद्वार से होते हुए सोनबरसा गाँव तक एक रैली का आयोजन कर सभी को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के साथ स्वच्छता अभियान चलाकर प्लास्टिक इकट्ठा एवं गंदगी युक्त स्थान की साफ सफाई की।

इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी कविता साहनी ने विद्यार्थियों को बताया कि स्वच्छता हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा है। यह न केवल स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है। हमारे समाज और पर्यावरण के लिए भी महत्वपूर्ण है।

स्वच्छता से मन और आत्मा की शांति मिलती है, और यह एक स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देती हैं प्लास्टिक मुक्ति कार्यक्रम के अंतर्गत परिसर तथा परिसर के आप पास के क्षेत्र को प्लास्टिक मुक्त करने के लिए सोनबरसा ग्राम तक प्लास्टिक इकट्ठा किया गया और लोगो को प्लास्टिक के उपयोग से होने वाले नुकसान और पर्यावरण स्वच्छता के बारे में शिक्षित किया सम्पूर्ण कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों और स्वयसेविका अत्यंत उत्साहित दिखे।

इस अवसर पर छात्रावास की अधीक्षिका प्रज्ञा पांडेय का सहयोग और सानिध्य प्राप्त हुआ।

समस्त कार्यक्रम के दौरान तल अभिरक्षिका स्मृति सिंह , प्रिया सिंह, साक्षी, सुमिता त्रिपाठी,के साथ ईकाई के स्वयंसेविका रेहाना, निहारिका, अंशू, खुशबू, अनुपमा, रंजना, ऋतु भारती, कल्पना सुकन्या एवं समस्त छात्रावासी छात्राओं ने पूरे मनोयोग के साथ सहयोग प्रदान किया।

महायोगी गोरखनाथ विवि के छात्रों ने चलाया स्वच्छता अभियान

गोरखपुर (एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) की आर्यभट्ट इकाई ने रासेयो के स्थापना दिवस पर मंगलवार को सोनबरसा गांव के प्राथमिक विद्यालय में स्वच्छता अभियान चलाया। इस अवसर पर लोगों को स्वच्छता शपथ भी दिलाई गई।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्याल के स्वच्छता अभियान में उपस्थित छात्राएं।

■ सोनबरसा गांव के प्राथमिक विद्यालय में चला स्वच्छता अभियान

इस अवसर पर रासेयो के कार्यक्रम अधिकारी धनंजय पाण्डेय ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना भारत के युवाओं का सबसे बड़ा संगठन है जो समाज में सेवा, स्वच्छता, के प्रति समाज को जागरूक करने का प्रयास करता है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता अभियान का आयोजन केवल एक दिन का कार्यक्रम नहीं है, बल्कि यह एक दीर्घकालिक प्रक्रिया का हिस्सा है। प्राथमिक विद्यालय सोनबरसा की प्रधानाध्यापिका कमेश कुमारी ने रासेयो के इस अभियान की सराहना करते हुए कहा कि स्वच्छता केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य का ही नहीं, बल्कि पूरे समाज और देश के विकास का एक अभिन्न हिस्सा है।

मंगलवार को ही विश्वविद्यालय के नर्सिंग संकाय में संचालित रासेयो की माता अनुसुइया इकाई ने स्वच्छता पखवाड़े के तहत स्वैच्छिक श्रमदान के माध्यम से परिसर की साफ- सफाई की। कार्यक्रम अधिकारी सुमन यादव ने कहा कि हम सबको स्वच्छता को जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा बनाना चाहिए।

महायोगी गोरखनाथ विवि के छात्रों ने चलाया स्वच्छता अभियान

संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के संबद्ध स्वास्थ्य

विज्ञान संकाय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) की आर्यभट्ट इकाई ने रासेयो के स्थापना दिवस पर मंगलवार को सोनबरसा गांव के प्राथमिक विद्यालय में स्वच्छता अभियान चलाया। इस अवसर पर लोगों को स्वच्छता शपथ भी दिलाई गई। इस अवसर पर रासेयो के कार्यक्रम अधिकारी धनंजय पांडेय ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना भारत के युवाओं का सबसे बड़ा संगठन है जो समाज में सेवा, स्वच्छता, के प्रति समाज को जागरूक करने का प्रयास करता है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता अभियान का आयोजन केवल एक दिन का कार्यक्रम नहीं है, बल्कि यह एक दीर्घकालिक प्रक्रिया का हिस्सा है। प्राथमिक विद्यालय सोनबरसा की प्रधानाध्यापिका कमेश कुमारी ने रासेयो के इस अभियान की सराहना करते हुए कहा कि स्वच्छता केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य का ही नहीं, बल्कि पूरे समाज और देश के विकास का एक अभिन्न हिस्सा है। मंगलवार को ही विश्वविद्यालय के नर्सिंग संकाय में संचालित रासेयो की माता अनुसुइया इकाई ने स्वच्छता पखवाड़े के तहत स्वैच्छिक श्रमदान के माध्यम से परिसर की साफ सफाई की। कार्यक्रम अधिकारी सुमन यादव ने कहा कि हम सबको स्वच्छता को जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा बनाना चाहिए।

छात्रों ने चलाया स्वच्छता अभियान

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विवि के संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय मे संचालित एनएसएस की आर्यभट्ट इकाई ने स्थापना दिवस पर मंगलवार को सोनबरसा गांव के प्राथमिक विद्यालय में स्वच्छता अभियान चलाया। लोगों को स्वच्छता की शपथ भी दिलाई गई।

रासेयो के कार्यक्रम अधिकारी धनंजय पांडेय ने कहा कि स्वच्छता अभियान एक दीर्घकालिक प्रक्रिया का हिस्सा है। प्रा.वि. सोनबरसा की प्रधानाध्यापिका कमेश कुमारी ने कहा कि स्वच्छता पूरे समाज और देश के विकास का एक अभिन्न हिस्सा है। उधर, विश्वविद्यालय के नर्सिंग संकाय में संचालित रासेयो की माता अनुसुइया इकाई ने स्वैच्छिक श्रमदान के माध्यम से परिसर की साफ सफाई की।

मां पाटेश्वरी सेवा आश्रम में चलाया गया स्वैच्छिक श्रमदान

संदेश वाहक न्यूज

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की नर्सिंग संकाय की गार्गी ईकाई द्वारा माँ पाटेश्वरी सेवा आश्रम स्वच्छता अभियान चलाया गया। जिसमें विद्यार्थियों ने सर्वप्रथम अपने छात्रावास के मेस, बेसमेंट लॉबी के जाले, खिड़की इत्यादि साफ-सफाई करने के साथ सम्पूर्ण छात्रावास के बाहरी परिसर के फुलवारी और क्यारियों के पौधों इत्यादि की सफ़ाई एवं उसे व्यवस्थित किया। सभी स्वयंसेवक एवं छात्रावासी छात्राओं ने एक साथ मिलकर छात्रावास से निकलकर विश्वविद्यालय में मुख्यद्वार से होते हुए सोनबरसा गाँव तक एक रैली का आयोजन कर सभी को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। प्लास्टिक इकट्ठा एवं गंदगी युक्त स्थान की साफ सफ़ाई की।इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी कविता साहनी ने विद्यार्थियों को बताया कि स्वच्छता हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा है। यह न केवल स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है, बल्कि हमारे समाज और पर्यावरण के लिए भी महत्वपूर्ण है। स्वच्छता से मन और आत्मा की शांति मिलती है, और यह एक स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देती हैं। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों और स्वयसेविका अत्यंत उत्साहित दिखे। इस अवसर पर सुश्री स्मृति सिंह ,सुश्री प्रिया सिंह,सुश्री साक्षी श्रीमती सुमिता त्रिपाठी,के साथ ईकाई के स्वयंसेविका रेहाना,सुश्री निहारिका, अंशू, खुशबू,अनुपम , रंजना सुश्री ऋतु भारती सुश्री कल्पना सुश्री सुकन्या एवं समस्त छात्रावासी छात्राओं ने पूरे मनोयोग के साथ सहयोग प्रदान किया।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की छात्राओं ने किया श्रमदान।

विवि की छात्राओं ने किया श्रमदान

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में स्वच्छता पखवाड़ा के तहत नर्सिंग संकाय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की गार्गी इकाई के द्वारा स्वैच्छिक श्रमदान के माध्यम से मां पाटेश्वरी सेवा आश्रम में स्वच्छता अभियान चलाया गया। छात्राओं ने विश्वविद्यालय में मुख्यद्वार से होते हुए सोनबरसा गांव तक एक रैली भी निकाली। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी कविता साहनी, छात्रावास की अधीक्षिका प्रज्ञा पांडेय, स्मृति सिंह , प्रिया सिंह आदि मौजूद रहीं।

समाचार दर्पण

मधुमेह के इलाज में आयुर्वेदिक औषधियां अत्यंत प्रभावी : डॉ. जीएस तोमर

☐ निःशुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर में 78 लोगों की हुई जांच, मिला परामर्श

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर । महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय आरोग्यधाम परिसर स्थित महंत दिग्विजयनाथ आयुर्वेद चिकित्सालय में शुक्रवार को निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन विश्व आयुर्वेद मिशन के अध्यक्ष डॉ. जीएस तोमर ने चिकित्सालय निदेशक डॉ. राजेश बहल, प्रभारी जीके मिश्रा एवं उप कुलसचिव श्रीकांत ने महायोगी गोरखनाथ की प्रतिमा समक्ष पूजन-अर्चन कर किया। प्रतिकूल मौसम के बावजूद शिविर में डॉ. तोमर ने 78 लोगों का चिकित्सकीय परीक्षण कर परामर्श दिया। इनमें से 70 लोगों की निशुल्क ब्लड शुगर एवं हीमोग्लोबिन का भी परीक्षण किया गया।

आयुर्वेद चिकित्सा शिविर में डॉ. तोमर ने बताया कि गठिया और मधुमेह के रोगियों की बढ़ती हुई संख्या चिंताजनक है। आज प्रायः हर घर में कोई न कोई मधुमेह का रोगी मिल रहा है। इसका मुख्य कारण हमारे खानपान तथा जीवनशैली में हो रहा बदलाव है। पिज्जा, नूडल्स, बर्गर जैसे फास्ट फूड एवं आरामतलब जीवनशैली से हमारे बच्चे एवं युवा फैटी लिवर एवं डायबिटीज जैसे मेटाबॉलिक डिसआर्डर्स की चपेट में आते जा रहे हैं।

डॉ. तोमर ने बताया कि मेटाबॉलिक सिन्ड्रोम, प्री डायबिटीज और डायबिटीज ये मधुमेह की तीन अवस्थाएं होती हैं। इनमें से पहली दो अवस्थाओं को आयुर्वेदीय औषधियों एवं जीवनशैली से पूर्णतः नियंत्रित किया जा सकता है। ये औषधियां न केवल रक्त शर्करा नियंत्रण में सहयोग करतीं हैं अपितु इनके प्रयोग से शरीर के महत्वपूर्ण अंगों को मधुमेह के घातक उपद्रवों से बचाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि खानपान में श्रीअन्न अर्थात् मिलेट्स कम ग्लाइसीमिक इण्डेक्स होने से अत्यन्त लाभकारी हैं।

अपने शोध एवं चिकित्सा अनुभव को साझा करते हुए उन्होंने बताया कि के हल्दी, आंवला, करेला, मेथी, परवल के साथ-साथ बसन्तकुसुमाकर रस, बीजीआर 34 एवं डायबकल्प जैसी औषधियां मधुमेह की चिकित्सा में अत्यंत प्रभावी हैं ।

मधुमेह के इलाज में आयुर्वेदिक औषधियां प्रभावी

बोले डॉ. तोमर

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में आयोजित शिविर में मरीजों का इलाज करते आयुर्वेद विशेषज्ञ डॉ. जीएस तोमर। ● हिन्दुस्तान

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। विश्व आयुर्वेद मिशन के अध्यक्ष डॉ. जीएस तोमर ने कहा कि मधुमेह और गठिया के इलाज में आयुर्वेदिक औषधियां बेहद प्रभावी हैं। औषधि के साथ खानपान और जीवन शैली में बदलाव कर इन बीमारियों को काबू किया जा सकता है।

डॉ. तोमर ने यह जानकारी शुक्रवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय परिसर स्थित महंत दिग्विजयनाथ आयुर्वेद चिकित्सालय में आयोजित शिविर में दी। इससे पूर्व डॉ. तोमर ने चिकित्सालय निदेशक डॉ. राजेश बहल, प्रभारी जीके मिश्रा एवं उप कुलसचिव श्रीकांत के साथ महायोगी गोरखनाथ की प्रतिमा समक्ष पूजन अर्चन कर शिविर का शुभारंभ किया।

प्रतिकूल मौसम के बावजूद शिविर में डॉ. तोमर ने 78 लोगों का चिकित्सकीय परीक्षण कर परामर्श दिया। इनमें से 70 लोगों की निशुल्क ब्लड शुगर एवं हीमोग्लोबिन का भी परीक्षण किया गया। डॉ. तोमर ने बताया कि गठिया और मधुमेह के मरीजों की बढ़ती हुई संख्या चिंताजनक है। आज प्रायः हर घर में कोई न कोई मधुमेह का रोगी मिल रहा है। इसका मुख्य कारण हमारे खानपान तथा जीवनशैली में हो रहा बदलाव है। पिज्जा, नूडल्स, बर्गर जैसे फास्ट फूड एवं आरामतलब जीवनशैली से हमारे बच्चे एवं युवा फैटी लिवर एवं डायबिटीज जैसे मेटाबॉलिक डिसआर्डर्स की चपेट में आते जा रहे हैं।

डॉ. तोमर ने बताया कि मेटाबॉलिक सिन्ड्रोम, प्री डायबिटीज और डायबिटीज ये मधुमेह की तीन अवस्थाएं होती हैं। इनमें से पहली दो अवस्थाओं को आयुर्वेदीय औषधियों एवं जीवनशैली से पूर्णतः नियंत्रित किया जा सकता है। ये औषधियां खून में ग्लूकोज नियंत्रण में सहयोग करतीं हैं, साथ ही इनके प्रयोग से शरीर के महत्वपूर्ण अंगों को मधुमेह (डायबिटीज) के घातक असर से बचाया जा सकता है।

7 5G

JUSTICE EXPRESS

Increasing number of diabetes patients is a matter of concern - Dr. GS Tomar

JUSTICE EXPRESS

Gorakhpur: A free medical camp was organized at Mahant Digvijay Nath Ayurveda Hospital Arogyadham, Balapar Road, Sonbarsa, Gorakhpur. It was inaugurated by Dr. GS Tomar, President of Vishwa Ayurveda Mission and Executive Council Member of Mahayogi Guru Gorakhnath Ayush University, with worship and prayers along with Hospital Director Dr. Rajesh Bahl, In-charge Shri GK Mishra and Deputy Registrar Shri Kant. In the camp, 78 patients were examined and medical advice was provided and blood sugar and hemoglobin of 70 patients were also tested free of cost.

Dr. Tomar said that along with arthritis patients, the increasing number of diabetes patients is a matter of concern. Today, one or the other diabetic patient is found in every house. The main reason for this is the change in our food habits and lifestyle. Due to fast food like pizza, noodles, burgers and a comfortable lifestyle, our children and youth are falling prey to metabolic disorders like fatty liver and diabetes. This situation is extremely worrying. Dr. Tomar told that there are three stages of diabetes namely metabolic syndrome, pre-diabetes and diabetes. The first two of these stages can be completely controlled by Ayurvedic medicines and lifestyle. While in the treatment of diabetes, these medicines not only help in controlling blood sugar, but by using them, the vital organs of the body can be saved from the fatal complications of diabetes. In food, Shri Anna i.e. millets are very beneficial due to their low glycemic index. Sharing his research and medical experience, he told that medicines like turmeric, amla, bitter gourd, fenugreek, parwal as well as Basant Kusumakar Ras, BGR 34 and Diabkalp are very effective in the treatment of diabetes.

मधुमेह के इलाज में आयुर्वेदिक औषधियां अत्यंत प्रभावी : डॉ. जीएस तोमर

निशुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर में 78 लोगों की हुई जांच, मिला परामर्श

संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय आरोग्यधाम परिसर स्थित महंत दिग्विजयनाथ आयुर्वेद चिकित्सालय में शुक्रवार को निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन विश्व आयुर्वेद मिशन के अध्यक्ष डॉ. जीएस तोमर ने चिकित्सालय निदेशक डॉ. राजेश बहल, प्रभारी जीके मिश्रा एवं उप कुलसचिव श्रीकांत ने महायोगी गोरखनाथ की प्रतिमा समक्ष पूजन अर्चन कर किया। प्रतिकूल मौसम के बावजूद शिविर में डॉ. तोमर ने 78 लोगों का चिकित्सकीय परीक्षण कर परामर्श दिया। इनमें से 70 लोगों की निशुल्क ब्लड शुगर एवं हीमोग्लोबिन का भी परीक्षण किया गया। आयुर्वेद चिकित्सा शिविर में डॉ. तोमर ने बताया कि गठिया और मधुमेह के रोगियों की बढ़ती हुई संख्या चिंताजनक है। आज प्रायः हर घर में कोई न कोई मधुमेह का रोगी मिल रहा है। इसका मुख्य कारण हमारे खानपान तथा जीवनशैली में हो रहा बदलाव है। पिज्जा, नूडल्स, आरामतलब जीवनशैली से हमारे बच्चे एवं युवा फैटी लिवर एवं डायबिटीज जैसे मेटाबॉलिक डिसआर्डर्स की चपेट में आते जा रहे हैं।

डॉ. तोमर ने बताया कि मेटाबॉलिक सिन्ड्रोम, प्री डायबिटीज और डायबिटीज ये मधुमेह की तीन अवस्थाएं होती हैं। इनमें से पहली दो अवस्थाओं को आयुर्वेदीय औषधियों एवं जीवनशैली से पूर्णतः नियंत्रित किया जा सकता है। ये औषधियां न केवल रक्त शर्करा नियंत्रण में सहयोग करतीं हैं अपितु इनके प्रयोग से शरीर के महत्वपूर्ण अंगों को मधुमेह के घातक उपद्रवों से बचाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि खानपान में श्रीअन्न अर्थात् मिलेट्स कम ग्लाइसीमिक इण्डेक्स होने से अत्यन्त लाभकारी है। अपने शोध एवं चिकित्सा अनुभव को साझा करते हुए उन्होंने बताया कि के हल्दी, आंवला, करेला, मेथी, परवल के साथ-साथ बसन्तकुसुमाकर रस, बीजीआर 34 एवं डायबकल्प जैसी औषधियां मधुमेह की चिकित्सा में अत्यंत प्रभावी हैं ।

मधुमेह के इलाज में आयुर्वेदिक औषधियां अत्यंत प्रभावी: डॉ. तोमर

गोरखपुर। (स्पष्ट आवाज)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय आरोग्यधाम परिसर स्थित महंत दिग्विजयनाथ आयुर्वेद चिकित्सालय में शुक्रवार को निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन विश्व आयुर्वेद मिशन के अध्यक्ष डॉ. जीएस तोमर ने चिकित्सालय निदेशक डॉ. राजेश बहल, प्रभारी जीके मिश्रा एवं उप कुलसचिव श्रीकांत ने महायोगी गोरखनाथ की प्रतिमा समक्ष पूजन अर्चन कर किया। प्रतिकूल मौसम के बावजूद शिविर में डॉ. तोमर ने 78 लोगों का चिकित्सकीय परीक्षण कर परामर्श दिया। इनमें से 70 लोगों की निशुल्क ब्लड शुगर एवं हीमोग्लोबिन का भी परीक्षण किया गया।

आयुर्वेद चिकित्सा शिविर में डॉ. तोमर ने बताया कि गठिया और मधुमेह के रोगियों की बढ़ती हुई संख्या चिंताजनक है। आज प्रायः हर घर में कोई न कोई मधुमेह का रोगी मिल रहा है। इसका मुख्य कारण हमारे खानपान तथा जीवनशैली में हो रहा बदलाव है। पिज्जा, नूडल्स, बर्गर जैसे फास्ट फूड एवं आरामतलब जीवनशैली से हमारे बच्चे एवं युवा फैटी लिवर एवं डायबिटीज जैसे मेटाबॉलिक डिसआर्डर्स की चपेट में आते जा रहे हैं। डॉ. तोमर ने बताया कि मेटाबॉलिक सिन्ड्रोम, प्री डायबिटीज और डायबिटीज ये मधुमेह की तीन अवस्थाएं होती हैं। इनमें से पहली दो अवस्थाओं को आयुर्वेदीय औषधियों एवं जीवनशैली से पूर्णतः नियंत्रित किया जा सकता है। ये औषधियां न केवल रक्त शर्करा नियंत्रण में सहयोग करतीं हैं अपितु इनके प्रयोग से शरीर के महत्वपूर्ण अंगों को मधुमेह के घातक उपद्रवों से बचाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि खानपान में श्रीअन्न अर्थात् मिलेट्स कम ग्लाइसीमिक इण्डेक्स होने से अत्यन्त लाभकारी हैं। अपने शोध एवं चिकित्सा अनुभव को साझा करते हुए उन्होंने बताया कि के हल्दी, आंवला, करेला, मेथी, परवल के साथ-साथ बसन्तकुसुमाकर रस, बीजीआर 34 एवं डायबकल्प जैसी औषधियां मधुमेह की चिकित्सा में अत्यंत प्रभावी हैं ।

समाचार दर्पण

परिसर संस्कृति को समझने का सशक्त मंच है छात्र संसद : डॉ. प्रदीप राव

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में छात्र संसद का शपथ ग्रहण समारोह

संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने कहा कि छात्र संसद व्यक्तिगत विकास, नेतृत्व क्षमता संवर्धन, लोकतांत्रिक मूल्यों को समझने और दायित्व बोध का सशक्त मंच है। छात्र पदाधिकारियों की जिम्मेदारी है कि वे विश्वविद्यालय में मानकीकृत परिसर संस्कृति के अनुरूप विश्वविद्यालय को अनुशासन, शैक्षिक गतिविधियों का केंद्र बनाने में अपनी और सभी छात्रों की सम्यक भागीदारी सुनिश्चित करें। डॉ. राव रविवार को नवनिर्वाचित छात्र संसद के शपथ ग्रहण समारोह की अध्यक्षता कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में छात्र संसद की परिकल्पना पर विस्तार से जानकारी दी। कहा कि विश्वविद्यालय संचालन में यह छात्रों की सीधी भागीदारी सुनिश्चित करने का अभिनव प्रयास है। उन्होंने छात्र पदाधिकारियों और छात्रों को विश्वविद्यालय की कार्य पद्धति को समझने और तदनुरूप

शैक्षणिक वातावरण, अनुशासन, परिसर संस्कृति, लोकतान्त्रिक मूल्यों और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद को समझने के मंत्र दिए। इस अवसर पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के वर्तमान सत्र में छात्र संसद के नवनिर्वाचित समस्त पदाधिकारियों, कक्षा प्रतिनिधियों व छात्रावास प्रतिनिधियों का शपथ–ग्रहण मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ विमल कुमार दुबे द्वारा संपन्न कराया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कृषि संकाय की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत मां सरस्वती की आराधना से हुआ। शपथ ग्रहण समारोह में आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एनएस, अधिष्ठाता संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय डॉ. सुनील कुमार, विभागाध्यक्ष बीबीए डॉ तरुण श्याम, छात्र संसद के समस्त पदाधिकारी, कक्षा प्रतिनिधि व छात्रावास प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

पूरी तरह सौर ऊर्जा पर संचालित होगा महायोगी गोरखनाथ विवि

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद की बैठक में लिया गया निर्णय

15000 की क्षमता के स्टेडियम निर्माण और वाटर स्पोर्ट्स की गतिविधियों को बढ़ाने के प्रस्ताव को भी मंजूरी

ग्राम स्वराज्य (संवाददाता)

गोरखपुर, 29 सितंबर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम बालापार गोरखपुर ने ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता और पर्यावरण संरक्षण को लेकर एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। यह विश्वविद्यालय आने वाले दिनों में ऊर्जा संबंधी आवश्यकताओं के लिए पूरी तरह सौर ऊर्जा का इस्तेमाल करेगा। विश्वविद्यालय की कार्य परिषद ने रविवार को हुई बैठक में शत प्रतिशत सौर ऊर्जा के उपयोग और इस संबंध में जरूरी व्यवस्थाओं से जुड़े प्रस्ताव पर मुहर लगा दी है। कार्य परिषद ने सौर ऊर्जा के रूप में क्लीन एनर्जी के प्रयोग के साथ ही कैम्पस को ग्रीन बनाने के लिए 11 हजार पौधरोपण, 15 हजार की क्षमता के स्टेडियम के निर्माण के प्रस्ताव को भी हरी झंडी दे दी है। विश्वविद्यालय में 1500 की क्षमता का अत्याधुनिक ऑडिटोरियम भी बन रहा है जो जनवरी 2025 में तैयार हो जाएगा। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी की अध्यक्षता एवं कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव के संचालन में हुई कार्यपरिषद की बैठक में लिए गए निर्णयों की जानकारी देते हुए उप कुलसचिव (प्रशासन) श्रीकांत ने बताया कि कार्य परिषद ने तय किया है कि जल्द ही विश्वविद्यालय में ऊर्जा संबंधी सभी जरूरतें सौर ऊर्जा से पूरी की जाएंगी। इसके लिए जरूरी सिस्टम की स्थापना को मंजूरी दे दी गई है। कार्य परिषद ने इस बात पर हर्ष व्यक्त किया कि विश्वविद्यालय में सभी कक्षाओं को स्मार्ट क्लास रूम में अपग्रेड कर दिया गया है। आने वाले समय में विश्वविद्यालय का अपना सिम्यूलेशन लैब भी होगा। इससे जुड़े प्रस्ताव को बैठक में स्वीकार कर लिया गया है। कार्य परिषद ने इस प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी है कि ग्रीन कैम्पस की परिकल्पना को साकार करने के लिए परिसर में 11000 पौधों का रोपण कराया जाए। शैक्षणिक व अन्य गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए 1500 की क्षमता का बहुउद्देशीय ऑडिटोरियम बनने की जानकारी भी बैठक में दी गई। बैठक में विश्वविद्यालय के अपने स्टेडियम के निर्माण के लिए रखे गए प्रस्ताव को भी कार्य परिषद के सदस्यों ने सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रदान की। यह भी तय किया गया है कि विश्वविद्यालय आने वाले समय में वाटर स्पोर्ट्स की गतिविधियों को भी बढ़ावा देगा।

अगले सत्र से होगी फोरेंसिक साइंस और एआई की पढ़ाई

स्थापना के बाद से समयानुकूल पाठ्यक्रमों को संचालित कर रहे महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में अगले सत्र से फोरेंसिक साइंस, आर्टीफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और ड्रोन टेक्नोलॉजी की भी पढ़ाई होगी। इसके लिए पाठ्यक्रम तैयार किए जाएंगे। इससे जुड़े प्रस्ताव पर भी कार्य परिषद की बैठक में मुहर लगा दी गई है।

एमबीबीएस और बीएएमएस का नया सत्र 14 अक्टूबर से

विश्वविद्यालय की कार्य परिषद की बैठक में इस सत्र से एमबीबीएस कोर्स को मान्यता मिलने और सभी सीटों पर प्रवेश होने पर प्रसन्नता व्यक्त की गई। बैठक में बताया गया कि स्टेट कोटा नीट काउंसिलिंग में छात्रों ने महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर को पहली प्राथमिकता दी है। बैठक में एमबीबीएस और बीएएमएस के नए सत्र का संचालन 14 अक्टूबर से शुरू किए जाने के प्रस्ताव को भी स्वीकार कर लिया गया। कार्य परिषद की बैठक में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की आचार्य डॉ. शोभा गौड़, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के सदस्य प्रमथ नाथ मिश्र, महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज के पूर्व प्रधानाचार्य रामजन्म सिंह, प्रदेश शासन के उच्च शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव के प्रतिनिधि संयुक्त सचिव उच्च शिक्षा प्रेम कुमार पांडेय, वरिष्ठ कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. सीएम सिन्हा महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डॉ. सुनील कुमार सिंह, परीक्षा नियंत्रक अमित कुमार सिंह, आयुर्वेद कॉलेज के सह आचार्य डॉ. सुमित कुमार एम. सहायक आचार्य डॉ. प्रिया एसआर नैयर, सीए अनिल कुमार सिंह, मुख्य अभियंता नीरज कुमार गौतम, सहायक अभियंता आशीष सिंह व्यक्तिगत रूप से तथा देवीपाटन शक्तिपीठ के महंत योगी मिथिलेशनाथ, चिकित्सा संकाय के अधिष्ठाता डॉ. हरिओम शरण, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के प्रमथनाथ मिश्र ऑनलाइन माध्यम से उपस्थित रहे।

गोरखनाथ विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद में लिया गया फैसला

सौर ऊर्जा पर संचालित होगा गोरखनाथ विवि

बैठक

- 15000 की क्षमता के स्टेडियम निर्माण व 11 हजार पौधे रोपे जाएंगे
- वाटर स्पोर्ट्स की गतिविधियों को बढ़ाने का प्रस्ताव भी हुआ पास

गोरखपुर, कार्यालय संवाददाता। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम बालापार ने ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता और पर्यावरण संरक्षण को लेकर महत्वपूर्ण फैसला लिया है। यह विश्वविद्यालय आने वाले दिनों में ऊर्जा संबंधी आवश्यकताओं के लिए पूरी तरह सौर ऊर्जा का इस्तेमाल करेगा। विश्वविद्यालय की कार्य परिषद ने रविवार को हुई बैठक में इससे जुड़े प्रस्ताव पर मुहर लगाई। साथ ही ग्रीन कैंपस के लक्ष्य को हासिल करने के लिए 11 हजार पौधरोपण, 15 हजार की क्षमता के स्टेडियम के निर्माण के प्रस्ताव को भी हरी झंडी दी है। विश्वविद्यालय में 1500 की क्षमता का अत्याधुनिक ऑडिटोरियम भी बन रहा है, जो जनवरी 2025 में तैयार हो जाएगा।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में कार्य परिषद की बैठक के दौरान सदस्य।

एमबीबीएस व बीएएमएस का नया सत्र 14 अक्टूबर से

विश्वविद्यालय की कार्य परिषद की बैठक में इस सत्र से एमबीबीएस कोर्स को मान्यता मिलने और सभी सीटों पर प्रवेश होने पर प्रसन्नता व्यक्त की गई। बैठक में बताया गया कि स्टेट कोटा नीट काउंसिलिंग में छात्रों ने महायोगी गोरखनाथ विवि के श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर को पहली प्राथमिकता दी है। बैठक में एमबीबीएस और बीएएमएस के नए सत्र का संचालन 14 अक्टूबर से शुरू किए जाने के प्रस्ताव को भी स्वीकार कर लिया गया।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी की अध्यक्षता एवं कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव के संचालन में हुई कार्यपरिषद की बैठक में यह निर्णय लिया गया है। उप कुलसचिव (प्रशासन) श्रीकांत ने बताया कि कार्य परिषद ने तय किया है कि जल्द ही विश्वविद्यालय में ऊर्जा संबंधी सभी जरूरतें सौर ऊर्जा से पूरी की जाएंगी। विश्वविद्यालय में सभी कक्षाओं को स्मार्ट क्लास रूम में अपग्रेड कर दिया गया है। आने वाले समय में विश्वविद्यालय का अपना मेडिकल सिम्यूलेशन लैब भी होगा। इससे जुड़े प्रस्ताव को बैठक में स्वीकार कर लिया गया है। बता दें कि नर्सिंग कॉलेज में पूर्वी उत्तर प्रदेश का उत्कृष्ट सिमुलेशन लैब पहले से संचालित है। कार्य परिषद ने इस प्रस्ताव को भी मंजूरी दी है। बैठक में विश्वविद्यालय के अपने स्टेडियम के निर्माण के लिए रखे गए प्रस्ताव को भी कार्य परिषद के सदस्यों ने सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रदान की। यह भी तय किया गया है कि विश्वविद्यालय आने वाले समय में वाटर स्पोर्ट्स की गतिविधियों को भी बढ़ावा देगा।

अगले सत्र से होगी फोरेंसिक साइंस और एआई की पढ़ाई : महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में अगले सत्र से फोरेंसिक साइंस, आर्टीफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और ड्रोन टेक्नोलॉजी की भी पढ़ाई होगी। इसके लिए पाठ्यक्रम तैयार किए जाएंगे। इससे जुड़े प्रस्ताव पर भी कार्य परिषद की बैठक में मुहर लगा दी गई है।

इनकी रही मौजूदगी : कार्य परिषद की बैठक में गोरखपुर विश्वविद्यालय की आचार्य डॉ. शोभा गौड़, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के सदस्य प्रमथ नाथ मिश्र, महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज के पूर्व प्रधानाचार्य रामजन्म सिंह, प्रदेश शासन के उच्च शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव के प्रतिनिधि संयुक्त सचिव उच्च शिक्षा प्रेम कुमार पांडेय, वरिष्ठ कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. सीएम सिन्हा, परीक्षा नियंत्रक अमित कुमार सिंह, देवीपाटन शक्तिपीठ के महंत योगी मिथिलेशनाथ, चिकित्सा संकाय के अधिष्ठाता डॉ. हरिओम शरण, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के प्रमथनाथ मिश्र ऑनलाइन माध्यम से उपस्थित रहे।

पूरी तरह सौर ऊर्जा पर संचालित होगा महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय

- महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद की बैठक में लिया गया निर्णय
- पंद्रह सौ की क्षमता का बन रहा है बहुउद्देशीय ऑडिटोरियम, 11 हजार पौधरोपण से बनेगा ग्रीन कैम्पस

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम बालापार गोरखपुर ने ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता और पर्यावरण संरक्षण को लेकर एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। यह विश्वविद्यालय आने वाले दिनों में ऊर्जा संबंधी आवश्यकताओं के लिए पूरी तरह सौर ऊर्जा का इस्तेमाल करेगा। विश्वविद्यालय की कार्य परिषद ने रविवार को हुई बैठक में शत प्रतिशत सौर ऊर्जा के उपयोग और इस संबंध में जरूरी व्यवस्थाओं से जुड़े प्रस्ताव पर मुहर लगा दी है।

कार्य परिषद ने सौर ऊर्जा के रूप में क्लीन एनर्जी के प्रयोग के साथ ही कैम्पस को ग्रीन बनाने के लिए 11 हजार पौधरोपण, 15 हजार की क्षमता के स्टेडियम के निर्माण के प्रस्ताव को भी हरी झंडी दे दी है। विश्वविद्यालय में 15 सौ की क्षमता का अत्याधुनिक ऑडिटोरियम भी बन रहा है जो जनवरी 2025 में तैयार हो जाएगा।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी की अध्यक्षता एवं कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव के संचालन में हुई कार्यपरिषद की बैठक में लिए गए निर्णयों की जानकारी देते हुए उप कुलसचिव (प्रशासन) श्रीकांत ने बताया कि कार्य परिषद ने तय किया है कि जल्द ही विश्वविद्यालय में ऊर्जा संबंधी सभी जरूरतें सौर ऊर्जा से पूरी की जाएंगी। इसके लिए जरूरी सिस्टम की स्थापना को मंजूरी दे दी गई है।

कार्य परिषद ने इस बात पर हर्ष व्यक्त किया कि विश्वविद्यालय में सभी कक्षाओं को स्मार्ट क्लास रूम में अपग्रेड कर दिया गया है। आने वाले समय में विश्वविद्यालय का अपना सिम्यूलेशन लैब भी होगा। इससे जुड़े प्रस्ताव को बैठक में स्वीकार कर लिया गया है।

कार्य परिषद ने इस प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी है कि ग्रीन कैम्पस की परिकल्पना को साकार करने के लिए परिसर में 11 हजार पौधों का रोपण कराया जाए। शैक्षणिक व अन्य गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए 1500 की क्षमता का बहुउद्देशीय ऑडिटोरियम बनने की जानकारी भी बैठक में दी गई।

बैठक में विश्वविद्यालय के अपने स्टेडियम के निर्माण के लिए रखे गए प्रस्ताव को भी कार्य परिषद के सदस्यों ने सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रदान की। यह भी तय किया गया है कि विश्वविद्यालय आने वाले समय में वाटर स्पोर्ट्स की गतिविधियों को भी बढ़ावा देगा।

अगले सत्र से होगी फोरेंसिक साइंस एवं एआई की पढ़ाई

स्थापना के बाद से समयानुकूल पाठ्यक्रमों को संचालित कर रहे महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में अगले सत्र से फोरेंसिक साइंस, आर्टीफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और ड्रोन टेक्नोलॉजी की भी पढ़ाई होगी। इसके लिए पाठ्यक्रम तैयार किए जाएंगे। इससे जुड़े प्रस्ताव पर भी कार्य परिषद की बैठक में मुहर लगा दी गई है।

एमबीबीएस व बीएएमएस का नया सत्र 14 से

विश्वविद्यालय की कार्य परिषद की बैठक में इस सत्र से एमबीबीएस कोर्स को मान्यता मिलने और सभी सीटों पर प्रवेश होने पर प्रसन्नता व्यक्त की गई। बैठक में बताया गया कि स्टेट कोटा नीट काउंसिलिंग में छात्रों ने महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर को पहली प्राथमिकता दी है। बैठक में एमबीबीएस और बीएएमएस के नए सत्र का संचालन 14 अक्टूबर से शुरू किए जाने के प्रस्ताव को भी स्वीकार कर लिया गया।

कार्य परिषद की बैठक में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की आचार्य डॉ. शोभा गौड़, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के सदस्य प्रमथ नाथ मिश्र, महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज के पूर्व प्रधानाचार्य रामजन्म सिंह, प्रदेश शासन के उच्च शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव के प्रतिनिधि संयुक्त सचिव उच्च शिक्षा प्रेम कुमार पांडेय, वरिष्ठ कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. सीएम सिन्हा महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डॉ. सुनील कुमार सिंह, परीक्षा नियंत्रक अमित कुमार सिंह, आयुर्वेद कॉलेज के सह आचार्य डॉ. सुमित कुमार एम., सहायक आचार्य डॉ. प्रिया एसआर नैयर, सीए अनिल कुमार सिंह, मुख्य अभियंता नीरज कुमार गौतम, सहायक अभियंता आशीष सिंह व्यक्तिगत रूप से तथा देवीपाटन शक्तिपीठ के महंत योगी मिथिलेशनाथ, चिकित्सा संकाय के अधिष्ठाता डॉ. हरिओम शरण, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के प्रमथनाथ मिश्र ऑनलाइन माध्यम से उपस्थित रहे।

परिसर संस्कृति को समझने का सशक्त मंच है छात्र संसद: डॉ. प्रदीप राव

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में छात्र संसद का शपथ ग्रहण समारोह

गोरखपुर, 29 सितंबर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने कहा कि छात्र संसद व्यक्तिगत विकास, नेतृत्व क्षमता संवर्धन, लोकतांत्रिक मूल्यों को समझने और दायित्व बोध का सशक्त मंच है। छात्र पदाधिकारियों की जिम्मेदारी है कि वे विश्वविद्यालय में मानकीकृत परिसर संस्कृति के अनुरूप विश्वविद्यालय को अनुशासन, शैक्षिक गतिविधियों का केंद्र बनाने में अपनी और सभी छात्रों की सम्यक भागीदारी सुनिश्चित करें। डॉ. राव रविवार को नवनिर्वाचित छात्र संसद के शपथ ग्रहण समारोह की अध्यक्षता कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में छात्र संसद की परिकल्पना पर विस्तार से जानकारी दी। कहा कि विश्वविद्यालय संचालन में यह छात्रों की सीधी भागीदारी सुनिश्चित करने का अभिनव प्रयास है। उन्होंने छात्र पदाधिकारियों और छात्रों को विश्वविद्यालय की कार्य पद्धति को समझने और तदनुरूप शैक्षणिक वातावरण, अनुशासन, परिसर संस्कृति, लोकतान्त्रिक मूल्यों और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद को समझने के मंत्र दिए।

इस अवसर पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के वर्तमान सत्र में छात्र संसद के नवनिर्वाचित समस्त पदाधिकारियों, कक्षा प्रतिनिधियों व छात्रावास प्रतिनिधियों का शपथ–ग्रहण मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ विमल कुमार दुबे द्वारा संपन्न कराया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कृषि संकाय की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत मां सरस्वती की आराधना से हुआ। शपथ ग्रहण समारोह में आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एनएस, अधिष्ठाता संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय डॉ. सुनील कुमार, विभागाध्यक्ष बीबीए डॉ तरुण श्याम, छात्र संसद के समस्त पदाधिकारी, कक्षा प्रतिनिधि व छात्रावास प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

पूरी तरह सौर ऊर्जा पर संचालित होगा महायोगी गोरखनाथ विवि

- महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद की बैठक में लिया गया निर्णय
- 15000 की क्षमता के स्टेडियम निर्माण और वाटर स्पोर्ट्स की गतिविधियों को बढ़ाने के प्रस्ताव को भी मंजूरी
- 1500 की क्षमता का बन रहा है बहुउद्देशीय ऑडिटोरियम, 11000 पौधरोपण से बनेगा ग्रीन कैम्पस

संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम बालापार गोरखपुर ने ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता और पर्यावरण संरक्षण को लेकर एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। यह विश्वविद्यालय आने वाले दिनों में ऊर्जा संबंधी आवश्यकताओं के लिए पूरी तरह सौर ऊर्जा का इस्तेमाल करेगा। विश्वविद्यालय की कार्य परिषद ने रविवार को हुई बैठक में शत प्रतिशत सौर ऊर्जा के उपयोग और इस संबंध में जरूरी व्यवस्थाओं से जुड़े प्रस्ताव पर मुहर लगा दी है। कार्य परिषद ने सौर ऊर्जा के रूप में क्लीन एनर्जी के प्रयोग के साथ ही कैम्पस को ग्रीन बनाने के लिए 11 हजार पौधरोपण, 15 हजार की क्षमता के स्टेडियम के निर्माण के प्रस्ताव को भी हरी झंडी दे दी है। विश्वविद्यालय में 1500 की क्षमता का अत्याधुनिक ऑडिटोरियम भी बन रहा है जो जनवरी 2025 में तैयार हो जाएगा। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी की अध्यक्षता एवं कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव के संचालन में हुई कार्यपरिषद की बैठक में लिए गए निर्णयों की जानकारी देते हुए उप कुलसचिव (प्रशासन) श्रीकांत ने बताया कि कार्य परिषद ने तय किया है कि जल्द ही विश्वविद्यालय में ऊर्जा संबंधी सभी जरूरतें सौर ऊर्जा से पूरी की जाएंगी। इसके लिए जरूरी सिस्टम की स्थापना को मंजूरी दे दी गई है। कार्य परिषद ने इस बात पर हर्ष व्यक्त किया कि विश्वविद्यालय में सभी कक्षाओं को स्मार्ट क्लास रूम में अपग्रेड कर दिया गया है। आने वाले समय में विश्वविद्यालय का अपना मेडिकल सिम्यूलेशन लैब भी होगा। इससे जुड़े प्रस्ताव को बैठक में स्वीकार कर लिया गया है। उल्लेखनीय है कि नर्सिंग कॉलेज में पूर्वी उत्तर प्रदेश का उत्कृष्ट सिमुलेशन लैब पहले से संचालित है। कार्य परिषद ने इस प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी है कि ग्रीन कैम्पस की परिकल्पना को साकार करने के लिए परिसर में 11000 पौधों का रोपण कराया जाए। शैक्षणिक व अन्य गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए 1500 की क्षमता का बहुउद्देशीय ऑडिटोरियम बनने की जानकारी भी बैठक में दी गई। बैठक में विश्वविद्यालय के अपने स्टेडियम के निर्माण के लिए रखे गए प्रस्ताव को भी कार्य परिषद के सदस्यों ने सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रदान की। यह भी तय किया गया है कि विश्वविद्यालय आने वाले समय में वाटर स्पोर्ट्स की गतिविधियों को भी बढ़ावा देगा।

अगले सत्र से होगी फोरेंसिक साइंस और एआई की पढ़ाई

स्थापना के बाद से समयानुकूल पाठ्यक्रमों को संचालित कर रहे महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में अगले सत्र से फोरेंसिक साइंस, आर्टीफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और ड्रोन टेक्नोलॉजी की भी पढ़ाई होगी। इसके लिए पाठ्यक्रम तैयार किए जाएंगे। इससे जुड़े प्रस्ताव पर भी कार्य परिषद की बैठक में मुहर लगा दी गई है।

एमबीबीएस और बीएएमएस का नया सत्र 14 अक्टूबर से

विश्वविद्यालय की कार्य परिषद की बैठक में इस सत्र से एमबीबीएस कोर्स को मान्यता मिलने और सभी सीटों पर प्रवेश होने पर प्रसन्नता व्यक्त की गई। बैठक में बताया गया कि स्टेट कोटा नीट काउंसिलिंग में छात्रों ने महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर को पहली प्राथमिकता दी है। बैठक में एमबीबीएस और बीएएमएस के नए सत्र का संचालन 14 अक्टूबर से शुरू किए जाने के प्रस्ताव को भी स्वीकार कर लिया गया। कार्य परिषद की बैठक में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की आचार्य डॉ. शोभा गौड़, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के सदस्य प्रमथ नाथ मिश्र, महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज के पूर्व प्रधानाचार्य रामजन्म सिंह, प्रदेश शासन के उच्च शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव के प्रतिनिधि संयुक्त सचिव उच्च शिक्षा प्रेम कुमार पांडेय, वरिष्ठ कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. सीएम सिन्हा महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डॉ. सुनील कुमार सिंह, परीक्षा नियंत्रक अमित कुमार सिंह, आयुर्वेद कॉलेज के सह आचार्य डॉ. सुमित कुमार एम., सहायक आचार्य डॉ. प्रिया एसआर नैयर, सीए अनिल कुमार सिंह, मुख्य अभियंता नीरज कुमार गौतम, सहायक अभियंता आशीष सिंह व्यक्तिगत रूप से तथा देवीपाटन शक्तिपीठ के महंत योगी मिथिलेशनाथ, चिकित्सा संकाय के अधिष्ठाता डॉ. हरिओम शरण, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के प्रमथनाथ मिश्र ऑनलाइन माध्यम से उपस्थित रहे।

छात्र संसद का शपथ ग्रहण समारोह

महायोगी गोरखनाथ विवि

गोरखपुर (एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विवि के कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव ने कहा कि छात्र संसद व्यक्तिगत विकास, नेतृत्व क्षमता संवर्धन, लोकतांत्रिक मूल्यों को समझने और दायित्व बोध का सशक्त मंच है। छात्र पदाधिकारियों की जिम्मेदारी है कि वे विश्वविद्यालय में मानकीत परिसर संस्कृति के अनुरूप विश्वविद्यालय को अनुशासन, शैक्षिक गतिविधियों का केंद्र बनाने में अपनी और सभी छात्रों की सम्यक भागीदारी सुनिश्चित करें।

डा. राव रविवार को नवनिर्वाचित छात्र संसद के शपथ ग्रहण समारोह की अध्यक्षता कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने महायोगी गोरखनाथ विवि में छात्र संसद की परिकल्पना पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय संचालन में यह छात्रों की सीधी भागीदारी सुनिश्चित करने का अभिनव प्रयास है। उन्होंने छात्र पदाधिकारियों और छात्रों को विश्वविद्यालय की कार्य पद्धति को समझने और तदनुरूप शैक्षणिक वातावरण, अनुशासन, परिसर संस्कृति, लोकतान्त्रिक मूल्यों और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद को समझने के मंत्र दिए। इस अवसर पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के वर्तमान सत्र में छात्र संसद के नवनिर्वाचित समस्त पदाधिकारियों, कक्षा प्रतिनिधियों व छात्रावास प्रतिनिधियों का शपथ-ग्रहण मुख्य निर्वाचन अधिकारी डा. विमल कुमार दुबे द्वारा कराया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कृषि संकाय की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत मां सरस्वती की आराधना से हुआ। शपथ ग्रहण समारोह में आयुर्वेद कालेज के प्राचार्य डा. मंजूनाथ एनएस, अधिष्ठाता संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय डा. सुनील कुमार, विभागाध्यक्ष बीबीए डा. तरुण श्याम, छात्र संसद के समस्त पदाधिकारी, कक्षा प्रतिनिधि व छात्रावास प्रतिनिधिगण मौजूद रहे।

निर्माणाधीन परिसर

01 निमार्णाधीन क्रीड़ांगन

02 निर्माणाधीन फार्मेसी संकाय

03 निर्माणाधीन प्रेक्षागृह

04 निर्माणाधीन शिक्षक आवास

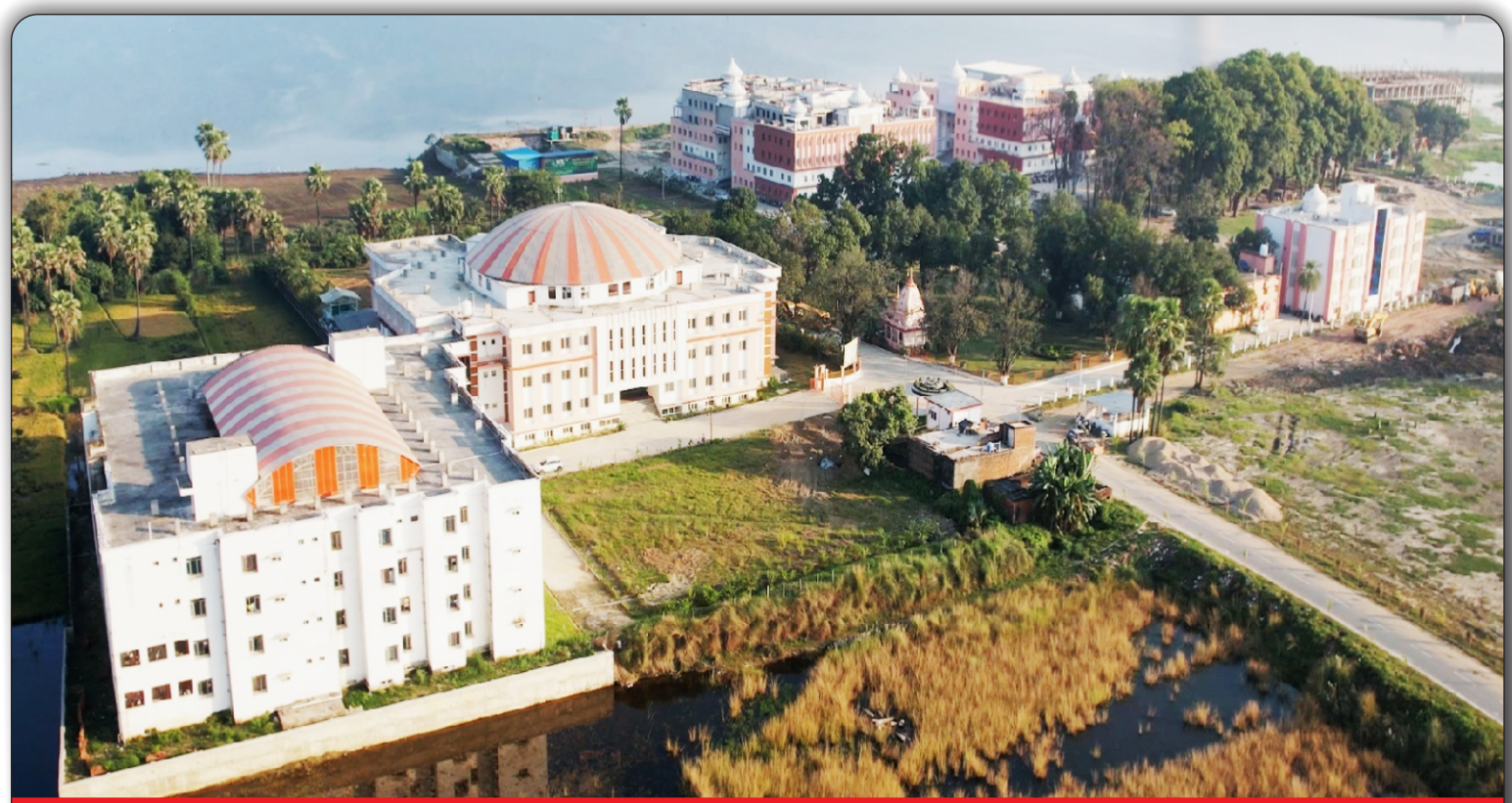

05 विश्वविद्यालय परिसर का वायवीय दृश्य

आरोग्य पथ

मासिक ई-पत्रिका

01 डॉ. एम.पी. अग्रवाल

02 डॉ. ए.के. सिंह

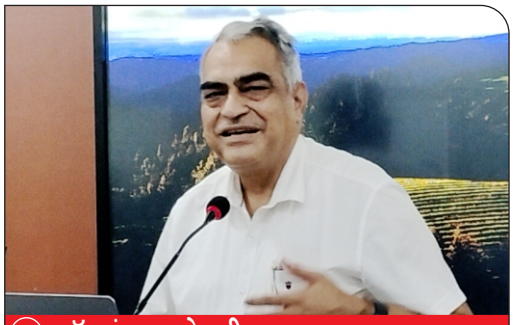

03 डॉ. संजय माहेश्वरी

04 श्री अन्न पुनरोद्धार कार्यक्रम में प्राध्यापक एवं कृषक

05 दुग्ध उत्पाद की जानकारी लेती छात्राएं

06 डॉ. अजय कुमार तिवारी

10 आयुर्वेद कॉलेज का निरीक्षण करते हुए डॉ. एम.पी. अग्रवाल

11 चिकित्सा दिवस पर सम्बोधित करते हुए डॉ. रोहित श्रीवास्तव

10 ग्राम सोनबरसा में आयोजित स्वास्थ्य चिकित्सा शिविर

11 रामगढ़ताल रामपुर गोरखपुर में जल संयन्त की जानकारी लेती हुई छात्राएं

प्रधान सम्पादक
डॉ. विमल कुमार दूबे

सम्पादक
आचार्य साध्वीनन्दन पाण्डेय

संपादक मण्डल
श्री रोहित श्रीवास्तव, डॉ. अनुपमा ओझा, डॉ. कुलदीप सिंह एवं सुश्री स्वेता अल्बर्ट

ग्राफिक्स डिजाइनर: श्री शारदानन्द पाण्डेय

mguniversitygkp@mgug.ac.in
https://www.mgug.ac.in/
+91-9415266014, +91-9935904499, +91-9794299451
Arogya Dham, Balapar Road, Sonbarsa, Gorakhpur